



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असुधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3521

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 1, 2008/आश्विन 9, 1930

No. 3521

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 1, 2008/ASVINA 9, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महामहिनेमालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 2008

अंतिम जांच परिणाम

सं. 14/5/2007-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपरचात् अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटन वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपरचात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया :

जांच में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

i. 6 जुलाई, 2007 को निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपरचात् प्राधिकारी भी कहा गया है) ने जांच शुरुआत संबंधी एक अधिसूचना जारी की थी जिसे भारत के राजपत्र में भी विधिवत् ढंग से अधिसूचित किया गया था तथा जिसमें चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित रबड़ रसायनों अर्थात् एमबीटी, सीबीएस, पीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी तथा चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य (जिन्हें एतदपरचात् संबद्ध देश भी कहा गया है) से निर्यातित पीएक्स 13(6 पीपीडी) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत की गई थी।

ii. पाटनरोधी जांच की शुरुआत चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित रबड़ रसायनों अर्थात् एमबीटी, सीबीएस, पीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी तथा चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य (जिन्हें एतदपरचात् संबद्ध देश भी कहा गया है) से पीएक्स 13(6 पीपीडी) के आयातों के संबंध में एनओसीआईएल, जिनका उक्त उत्पाद के घरेलू उत्पादन में महत्वपूर्ण हिस्सा बनता है, से प्राप्त एक आवेदन के अनुपालन में की गई थी। आवेदन में संबद्ध देशों से उक्त उत्पाद के पाटन के साक्ष्य और उनसे हुई परिणामी वास्तविक क्षति के साक्ष्य दिए गए थे जिन्हें जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त समझा गया था।

और उनसे हुई परिणामी वास्तविक क्षति के साक्ष्य दिए गए थे जिन्हें जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त समझा गया था ।

iii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को संबंधित नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच की शुरुआत से पहले याचिकाकर्ता द्वारा किए गए आवेदन की प्राप्ति के बारे में अधिसूचित किया था ;

iv. संबंधित नियम 6 के उप नियम (2) के अनुसार प्राधिकारी ने उक्त जांच संबंधी अधिसूचना की प्रतियां संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, औद्योगिक एसोसिएशनों, दूतावासों और आवेदकों को भेजी थी और उन्हें उनके विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया था ।

v. संबंधित नियम 6 के उप नियम 3 के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देश में सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में चीन के दूतावास तथा भारत में कोरिया के दूतावास को भी आवेदन के अगोपनीय अंश की एक प्रति उपलब्ध कराई थी । संबंधित नियम 6 के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में चीन के दूतावास तथा भारत में कोरिया के दूतावास को भी संगत प्रश्नावली की एक प्रति भेजी थी । नई दिल्ली स्थित चीन के दूतावास और कोरिया के दूतावास को जांच शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने के लिए कहा गया था । निर्यातकों और उत्पादकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों के नामों और पतों के साथ उनके अपने-अपने दूतावासों को भी भेजी गई थी ।

vi. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना प्राप्त करने के लिए प्रश्नावलियां भेजी थीं ।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	देश
1.	नानजिंग केमिकल प्लांट	चीन
2.	झेजियांग योंगजिया केमिकल फैक्ट्री	चीन
3.	शेंडोंग शेनजियान केमिकल कंपनी लि.	चीन
4.	झेजियांग नं. 2 केमिकल फैक्ट्री	चीन
5.	हेबेई हाऊफेंग केमिकल ग्रुप	चीन
6.	क्विंगडाउ रबड़ केमिकल ग्रुप	चीन
7.	शेनझेन होआरेन इंडस्ट्रीयल कं.	चीन
8.	वाइजिंग डोंगफेंग फाइन केमिकल्स	चीन
9.	झेजियांग यूकिंग अल्ट्रा फाइन पाउडर्स एंड केमिकल कं. लि.	चीन
10.	शेंडोंग यंगू हुआताई केमिकल कं. लि.	चीन
11.	कोरिया कुम्हो पेट्रो केमिकल कं. लि.	कोरिया

vii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य से निम्नलिखित निर्यातकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं। चीन के निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर भी प्रस्तुत किए हैं।

1. सिनोर्गैम (ग्रुप) कंपनी-शेंडोंग-चीन.जन.गण.
2. शेंडोंग शेन्जियांग केमिकल कं. लि.-चीन.जन.गण.
3. शेन्डोंग यांगू हुआताई केमिकल कं. लि.-चीन.जन.गण.
4. कुम्हो पेट्रो केमिकल कं. लि.- कोरिया गणराज्य

viii. भारत में निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और संबद्ध देश के प्रयोक्ताओं को आयातकों की प्रश्नावली के साथ जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी गई थी जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी।

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	जे.के.इंडस्ट्रीज लि. कोलकाता
2.	सिएट लि., मुंबई
3.	अपोलो टायर्स लि., कोच्ची
4.	बिरला टायर, कोलकाता
5.	एमआरएफ लि. चेन्नई
6.	मेट्रो टायर्स लि., लुधियाना
7.	पोहार टायर्स लि. लुधियाना
8.	रसियन इंडिया लि., नई दिल्ली
9.	रबड प्रोडक्शन लि., मुंबई

ix). अधिसूचना के उत्तर में ऑटोमोटिव टायर्स मैन्युफैक्चरर्स एसो. (एटीएमए), जे.के. इंडस्ट्रीज लि. और टीएमसी ग्रुप इंटरनेशनल से उत्तर प्राप्त हुए थे, जिन पर विचार किया गया था।

x). प्राधिकारी ने दिनांक 28 फरवरी, 2008 की अधिसूचना सं.14/5/2007-डीजीएडी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए थे जिनके बाद दिनांक 27 मार्च, 2008 को एक शुद्धि पत्र जारी किया गया था और हितबद्ध पक्षकारों से इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर उनके विचारों से अवगत करने का अनुरोध किया गया था।

xi). केन्द्र सरकार ने दिनांक 06.05.2008 की अधिसूचना सं. 61/2008 द्वारा अंतिम शुल्क लागू किया था।

xii). प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए 19 मई, 2008 को एक सार्वजनिक सुनवाई की थी, जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों, चीन जन.गण. और कोरिया आर.पी. से प्रतिवादी निर्यातकों और पीएमसी रबड़ केमिकल्स, एटीएमए, मर्कम, स्वरूप केमिकल्स (प्रा.) लि. और भारत में कोरियाई दूतावास से वाणिज्यिक सहायक ने भाग लिया। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने अपने प्रकटन में हितबद्ध पक्षकारों से इस प्रकार प्राप्त लिखित अनुरोधों पर विचार किया है। पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के संबंध में अपने अनुरोध प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता दी गई थी।

xiii). घरेलू उद्योग के अलावा केवल एक निर्यातक अर्थात् मैसिनोर्ग केम ग्रुप आफ कंपनी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना से पहले तर्क अथवा अनुरोध प्रस्तुत किए गए थे। तथापि, प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए और सामने रखे गए तर्कों पर प्रकटन विवरण में विचार किया गया है। इसके अलावा, वर्तमान प्रकटन विवरण के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणामों में उचित ढंग से विचार किया जाएगा।

xiv). प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों/अनुरोधों के अगोपनीय अंश को प्राधिकारी द्वारा रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा था और उसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा गया था।

xv). इस अधिसूचना में \*\*\*\* चिह्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को प्रदर्शित करता है।

xvi). संबंधित नियमावली के नियम-16 के अनुसार इन जांच परिणामों हेतु विचारित आवश्यक तथ्यों/आधारों को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को बताया जा रहा है और इन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया गया है।

xvii). पाटन संबंधी जांच दिनांक 1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च, 2007 (जांच अवधि) की अवधि के दौरान, जिसे जांच अवधि या पीओआई कहा गया है, की गई है। क्षति संबंधी विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 और जांच अवधि शामिल थीं, जिसे क्षति अवधि भी कहा गया है।

xviii). प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मौके पर जांच की थी। उत्पादन की लागत और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत जो घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना पर आधारित थी, ज्ञात करने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का भी विश्लेषण किया गया था ताकि

यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xix). वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, डीजीसीआईएंड एस से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के व्यौरों की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध किया गया था।

xx). प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद प्राधिकारी ने अन्य भारतीय उत्पादकों को विभिन्न रबर रसायनों के उनके उत्पादन बताने के लिए लिखा था। मर्कम लि. और लैंगसेस इंडिया प्रा.लि. से उत्तर प्राप्त हुए थे जिन पर विचार किया गया है।

xxi). प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद प्राधिकारी ने संबंधित उत्पाद शुल्क प्राधिकरणों को अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन संबंधी निविष्टियां उपलब्ध कराने के लिए लिखा था। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकरण एर्णाकुलम प्रभाग और थाणे से सूचना प्राप्त हुई थी।

xxii). जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने सूचना देने से मना किया या वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने से अन्यथा इंकार किया या जांच में अत्यधिक बाधा उत्पन्न की, वहां प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम रिकार्ड करेंगे।

## ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुएं

### ख.1 घरेलू उद्योग के विचार

2. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं:

- i. रासायनिक विवरण 2-मर्केप्टो बेंजेथियाजोल वाला एमबीटी, जिसके एक्सलेरेटर एम एक्सलेरेटर एमबीटी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं।
- ii. रासायनिक विवरण एन-साइक्लोहेक्सिल-2 बेंजेथियाजोल सल्फेनामाइड वाला सीबीएस जिसके एक्सलेरेटर सीजेड, एक्सलेरेटर एसबीए, सीबीएस आदि अन्य व्यापार नाम/ब्रांड हैं।
- iii. रासायनिक विवरण पोलिमराइज्ड 2,2,4-ट्राइमिथाइल-1,2-हाइड्रोक्विनोलिन वाला टीडीक्यू जिसके टीएमआर या एनटीएक्सीडेंट आरडी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं।
- iv. रासायनिक विवरण एन-(साइक्लोहेक्सिलथियो) थेलिमाइड वाला पीवीआई जिसके एंटीएस्कॉर्च एजेंट, सीटीपी, पीवीआई आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं।

- v. टेद्रामिथइथिरम डाई सल्फयूड जैसे रासायनिक विवरण वाला टीएमटी जिसके एक्सलेरेटर टीएमटीडी थिरम सी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- vi. रासायनिक विवरण एन-(1,3-डाइमिथइल-यूटाइल), एन" फेनाइल-पी-1 वाला पीएक्स-13 (6पीपीडी) जिसके 6 सी, फिल्लिक्स13, सिरानटॉक्स 4020 एंटीऑक्सीडेंट 4020, कुमहोनेक्स 13 वल्कानोक्स 4020 आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- vii. ऊपर उल्लिखित संबद्ध रबड़ रसायनों का उपयोग प्राकृतिक रबड़ तथा सम्मिश्रणों के आधार पर सिंथेटिक रबड़ के प्रसंस्करण में किया जाता है । इन उत्पादों का 8 अंकीय स्तर पर भी कोई अन्य वर्गीकरण नहीं है । इन उत्पादों का आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 और 38 के अंतर्गत किया जाता है । सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है । चूंकि इन उत्पादों का कोई अनन्य वर्गीकरण नहीं है इसलिए आंकड़ा संग्रहणकर्ता एजेंसियों (आईबीआईएस) द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर वर्तमान जांच परिणामों में भरोसा किया गया है । इस सूचना का मिलान प्रतिवादी विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रदत्त सूचना के साथ किया गया है ।
- viii. प्रयोक्ता उद्योग को मोटे तौर पर दो खंडों-टायर और गैर-टायर में विभाजित किया जाता है । दोनों ही खंडों में इसका उपयोग प्राकृतिक एवं सिंथेटिक रबड़ के विभिन्न प्रकारों के प्रसंस्करण हेतु किया जाता है । यह कहा जाता है कि ये किसी उद्योग के लिए कोई प्रमुख निविष्टि/कच्ची सामग्री नहीं है और ये केवल प्रसंस्करण रसायन हैं ।
- ix. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है । ये दोनों समान वस्तुएं हैं ।

## ख.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

3. एटीएमए को छोड़कर किसी भी आयातक उपभोक्ता, निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई टिप्पणियां या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए हैं । एटीएमए ने यह तर्क दिया है कि वर्तमान जांच में विभिन्न रबड़ रसायन शामिल हैं, जो स्वीकार्यतः असमान वस्तुएं हैं । यह भी तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को प्रत्येक रबड़ रसायन के लिए अलग से जांच करनी चाहिए ।

## ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार है :

- (क) रासायनिक विवरण 2-मर्कप्टो बेंजेथियाजोल वाला एमबीटी, जिसके एक्सलेरेटर एम एक्सलेरेटर एमबीटी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।

- (ख) रासायनिक विवरण एन-साइक्लोहेक्सेल-2 बेंजेन्सोक्स साइक्लोमाइड वाला सीबीएस जिसके एक्सेलेरेटर सीजेड, एक्सेलेरेटर एसबीए, सीबीएस आदि अन्य व्यापार नाम/ब्रांड हैं ।
- (ग) रासायनिक विवरण पोलिमराइज्ड 2,2,4-ट्राइमिथाइल-1,2-डाइड्रोक्विनोलिन वाला टीडीक्यू जिसके टीएमआर या एनटीएक्सीडेंट आरबी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- (घ) रासायनिक विवरण एन-(साइक्लोहेक्सेलथियो) थेलिमाइड वाला पीवीआई जिसके एंटीएस्कॉर्ब एजेंट सीटीपी, पीवीआई आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- (ङ) टेट्रा मिथाइथिरम डाई सल्फ्यूड जैसे रासायनिक विवरण वाला टीएमटी जिसके एक्सेलेरेटर टीएमटीडी थिरम सी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- (च) रासायनिक विवरण एन-(1,3-डाइमिथाइल म्यूटाइल), एन केनाइल-पी-1 वाला पीएक्स-13 (6पीपीडी) जिसके 6 सी, फिल्लिक्स-13, सिरामटोक्स 4020, एंटीऑक्सीडेंट 4020, कुमहोनेक्स 13 यल्कानोक्स 4020 आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।

5. प्रत्येक रबड़ रसायन के लिए अलग से जांच करने के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी नियमावली में अलग से जांच करना अपेक्षित नहीं है जैसा कि वर्तमान मामले में अनेक कथित असमान वस्तुओं के संबंध में किया जा रहा है । फिर भी इन सभी के रबड़ रसायनों की एक व्यापक श्रेणी के अंतर्गत आने के बावजूद वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भिन्न-भिन्न रबड़ रसायनों को असमान वस्तुएं माना गया है । वस्तुतः "रबड़ रसायनों" को मानक निविष्टि उत्पादन मानदंडों में भी सामूहिक रूप से निर्धारित किया गया है और न कि प्रत्येक रबड़ रसायन के लिए पृथक् रूप से । किसी भी तरह से प्राधिकारी ने किसी संभावित विकृति से बचाव हेतु वर्तमान जांच में प्रत्येक रबड़ रसायन का अलग से विश्लेषण किया है ।

6. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु का अर्थ वह वस्तु है जो जांचाधीन उत्पाद से सभी दृष्टियों से समान और समरूप है या ऐसी किसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य वस्तु जिसमें जांचाधीन वस्तु से बिल्कुल मिलती-जुलती विशेषताएं हों । याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य के मूल्य की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं । किसी भी हितवद्ध पक्षकार ने इस मुद्दे पर घरेलू उद्योग के दावे पर कोई आपत्ति नहीं की है । इसके मद्देनजर प्राधिकारी यह मानने का प्रस्ताव करते हैं कि ऊपर उल्लिखित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित प्रत्येक रबड़ रसायन नियमावली के अर्थ के भीतर चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य से आयात किए जा रहे प्रत्येक रबड़ रसायन के समान वस्तु है ।

## ग. घरेलू उद्योग

### ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

7. घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

- i. यह याचिका मै. नेशनल ऑर्गेनिक केमिकल इंडस्ट्रीज लि., मुंबई द्वारा दायर की गई है। भारत में संबद्ध वस्तु के तीन अन्य उत्पादक अर्थात् मै. लेंक्सस इंडिया प्रा.लि., थाणे; पीएमसी रबड़ केमिकल्स इंडिया प्रा.लि., हुगली; और मर्कम लि., एर्णाकुलम हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पाटन की मात्रा इतनी अधिक रही है जिससे कि कुछेक भारतीय उत्पादकों ने रबड़ रसायनों के विनिर्माण को काफी हद तक बंद कर दिया है और वे वस्तुतः रबड़ रसायन के आयातों का सहारा लेते हुए व्यापारी बन गए हैं जबकि अन्य ने उपन्तिम चरण, जब कुल उत्पादन कार्यकलापों के अनुसार आगे पर्याप्त प्रसंस्करण शामिल होता है, पर ही चीन से मध्यवर्ती उत्पादों का आयात शुरू कर दिया है। याचिकाकर्ता ने आगे दावा किया है कि भले ही अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन को शामिल किया जाए या उसे अलग रखा जाए, याचिकाकर्ता का उत्पादन प्रत्येक संबद्ध रसायन के भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है। अतः याचिकाकर्ता नियमावली, 1995 के नियम 2 (ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं।
- ii. याचिकाकर्ताओं के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में प्रमुख हिस्सा बनता है और इसलिए नियमावली के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ताओं को "घरेलू उद्योग" माना गया है।

### ग.2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

8. प्रतिवादी निर्यातकों में से एक निर्यातक मै. शिन्ज केम ग्रुप ऑफ कंपनी ने अपने अनुरोध में यह दलील दी है कि नोसिल ने अन्य कंपनियों के लिए उत्पादन के अनुमानों के ब्यौरे जान-बूझकर उपलब्ध नहीं कराए हैं ताकि जो अन्य उत्पादक याचिका का विरोध कर रहे हैं, वे उत्पादन संबंधी दावों का खंडन न कर सकें। आगे यह दलील दी गई है कि नोसेल ने पर्याप्त ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए हैं और यह कार्यवाही शुरू करने में निर्दिष्ट प्राधिकारी को गुमराह करने में सफल हुआ है।

### ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

9. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति सभी अन्य नामित घरेलू उत्पादकों को भेजी गई थी ताकि वे अपनी विनिर्माण क्षमता, उत्पादन आदि समेत इस मामले के सभी पहलुओं के संबंध में याचिकाकर्ता के दावों का खंडन करने में सक्षम हो सकें। स्वरूप



केमिकल्स (प्रा.) लि. और पी एम सी ग्रुप इंटरनेशनल को छोड़कर याधिका में नामित और जिसे सूचना भेजी गई थी, ऐसे किसी अन्य घरेलू उत्पादक ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। यद्यपि, स्वरूप केमिकल्स (प्रा.) लि., जिन्होंने एमबीटी, सीबीएस, टीएमटी और टीडीक्यू के विनिर्माण की \*\*\* मी.टन की वार्षिक क्षमता होने का दावा किया है, ने घरेलू उद्योग की याधिका का समर्थन किया है। तथापि पीएमसी ग्रुप ने अपने अनुरोधों में कहा है कि वे संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के प्रमुख आयातक हैं।

10. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद घरेलू उद्योग ने यह बताते हुए अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन का अपना संशोधित दावा प्रस्तुत किया है कि उनके द्वारा बाद में सूचना के संकलन से यह प्रदर्शित होता है कि उन्होंने अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन का अधिक अनुमान लगाया है। याधिकाकर्ता ने इस संबंध में अपनी गणनाओं के ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं।

11. उत्पादन के ब्यौरों से संबंधित सूचना पीएमसी रबर केमिकल्स, एक अन्य हितबद्ध पक्षकार तथा उनके केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकरण से भी मंगाई गई थी और दोनों में से किसी ने भी पीएमसी रबर केमिकल्स द्वारा संबद्ध वस्तु के उत्पादन से संबंधित कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। पीएमसी ने प्राधिकारी से उनके विरुद्ध लगाए गए पाटरोधी शुल्क को माफ करने के लिए लिखित में अनुरोध किया है।

12. प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई उत्पादन संबंधी सूचना उनके अनुमानों पर आधारित थी और इसके अलावा, चूंकि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकरणों ने उनके उत्पादन के संबंध में, लेकसेस इंडिया प्रा.लि. के संबंध में वार्षिक सूचना उपलब्ध कराई है और मर्केम लि. द्वारा पूरी सूचना उपलब्ध कराई गई है। इसलिए घरेलू उद्योग एनओसीआईएल का घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन में हिस्सा प्रारंभिक जांच परिणामों में प्रदर्शित स्तर से संशोधित किया गया है।

13. सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद और प्रारंभिक जांच परिणामों को जारी किए जाने के बाद रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर तालिका को निम्नानुसार संशोधित किया गया है। भारतीय उत्पादन में घरेलू उद्योग के हिस्से से संबंधित संशोधित तालिका के अनुसार याधिकाकर्ता कंपनी के उत्पादन का संबद्ध रबर रसायनों में से प्रत्येक के लिए प्रमुख हिस्सा बनता है जैसा कि निम्नांकित तालिका से देखा जा सकता है और घरेलू उद्योग की पात्रता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है:-

क्र.सं.	रबड़ रसायन का प्रकार	एनओसीआईएल का उत्पादन	अन्य भारतीय उत्पादकों का उत्पादन	कुल भारतीय उत्पादन	भारतीय उत्पादन में एनओसीआईएल का हिस्सा
1	पी एक्स 13	***	***	***	73.26%
2	टीडीक्यू	***	***	***	78.63%
3	पीवीआई	***	***	***	100.00%
4	टीएमटी	***	***	***	53.32%
5	एमबीटी	***	***	***	60.48%
6	सीबीएस	***	***	***	74.96%

14. अतः प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि याचिकाकर्ता नियमावली के अंतर्गत पात्रता की शर्तों को पूरा करता है और याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5 (3)(क) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" है।

#### घ. अन्य मुद्दे

15. एपीजे-एसएलजी लॉ आफ्सीसेज ने टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) की ओर से निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

क. अपने अनुरोधों में उन्होंने यह बताया है कि चूंकि इसमें अंतर्ग्रस्त 6 अलग-अलग उत्पाद हैं, इसलिए प्राधिकारी को 6 अलग-अलग जांच शुरू करनी चाहिए थी ताकि पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध का विश्लेषण सार्थक ढंग से किया जा सके। उन्होंने उल्लेख किया है कि घरेलू उद्योग के बारे में स्पष्ट रूप से यह निर्धारित है कि घरेलू उद्योग का तात्पर्य समान वस्तु के विनिर्माण में संलग्न घरेलू उत्पादकों से है और इसलिए इस जांच को एक ही वस्तु तक सीमित रखा जाना चाहिए। यह भी उल्लेख किया गया है कि आधार के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता ने अन्य घरेलू विनिर्माताओं के आंकड़ों पर विचार नहीं किया है।

ख. घरेलू उद्योग ने प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद आयात मात्राओं और सीबीएस तथा टीडीक्यू के भारतीय उत्पादन में परिवर्तन किया है, जोकि सही नहीं है और पूर्व निर्धारित परिणाम प्राप्त करने के लिए स्वार्थपूर्ण प्रक्रिया है। यह दर्शाने के लिए मूल समर्थनकारी आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं कि ऐसे संशोधित आंकड़ों तक पहुंचने के लिए किन प्रविष्टियों को लिया गया है और किन्हें बाहर रखा गया है। किसी आधार के अभाव में इन अनुरोधों को अस्वीकार किया जाना चाहिए। इसके अलावा, अन्य उत्पादों के उत्पादन का उनका अनुमान गोपनीय है। स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग में

बिना किसी समर्थनकारी साक्ष्य के पूर्व निर्धारित उद्देश्यों तक पहुंचने के लिए आंकड़ों में समायोजन किया है।

- ग. क्षति रहित कीमत के निर्धारण को देश में आयातों से नहीं जोड़ा गया है क्योंकि वह लक्षित कीमत (पाटित आयातों के किसी प्रभाव के बिना) है। यह एक निर्धारित स्थिति है कि जब घरेलू उद्योग लक्षित कीमत से अधिक प्राप्त कर रहा है, तो कोई शुल्क नहीं लगाया जा सकता।
- घ. घरेलू उद्योग ने यह दोहराया है कि वे प्रसंस्करणकर्ता और संबद्ध कंपनियां, जो उनकी ओर से विनिर्माण कार्यकलाप करती हैं, आवेदकों की व्यवसायिक गोपनीयता है। गोपनीयता के ऐसे दावे अनावश्यक हैं।
- ङ क्षति रहित कीमत, कीमत कटौती और क्षति मार्जिन के बारे में घरेलू उद्योग के दावे को इस आधार पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए कि ये किसी भी कानूनी प्रावधान द्वारा समर्थित नहीं हैं।

16. आयातकों में से जे.के. इंडस्ट्रीज लि. ने आयातक प्रश्नावली के उत्तर के रूप में अपना अनुरोध प्रस्तुत किया है।

17. शेंडोंग शेंजियान केमिकल कंपनी लि.-चीन जन.गण. और शेंडोंग यांगू हुआताई केमिकल कंपनी लि.-चीन जन.गण. ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं।

- क. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में क्षति पर विचार करने के लिए निर्धारित अवधि जांच अवधि से अलग है और इस प्रकार जांच अवधि से पहले पाई गई किसी क्षति को आवश्यक रूप से पाटन से इतर कारणों के रूप में दर्शाया नहीं जाना चाहिए क्योंकि पाटन एक विशेष अवधि हेतु प्रदर्शित किया जाना चाहिए और न कि परिकल्पित किया जाना चाहिए।
- ख. माननीय प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के नियम 5(3)(ख) के प्रावधानों द्वारा यथाअपेक्षित आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों की तथ्यपूर्णता और पर्याप्तता पर कोई ध्यान नहीं दिया है।
- ग. सामान्य मूल्य और संबंधित गणनाओं का प्रकटन नहीं किया गया है और इसलिए इन कंपनियों के लिए इन मुद्दों का आगे कोई समाधान करना कठिन है।
- घ. यदि एनओसीआईएल को पाटनरोधी शुल्क के रूप में राहत मिलती है, तो वह इसका प्रयोग न केवल कीमत बढ़ाने के लिए करेगी बल्कि आयातों के बंद और प्रतिबंधित होने से वह इसकी सामग्रियों और उत्पादों की गुणवत्ता को भी कम

कर देगी । चूंकि प्रयोक्ताओं में टायर विनिर्माता शामिल हैं, इसलिए इससे खराब गुणवत्ता के रबड़ रसायनों के प्रयोग द्वारा निर्मित टायरों से दुर्घटनाएं होने की संभावना में वृद्धि होने का खतरा बढ़ सकता है ।

18. चीन जन.गण. से सिनोर्गकेम ग्रुप आफ कंपनीज ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं ।

क. पाटनरोधी जांच की शुरुआत हेतु वर्तमान आवेदन एनओसीआईएल द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जो स्वतंत्र रूप से घरेलू उद्योग के रूप में पात्र होने का दावा करते हैं । भारत में संबद्ध सापग्री के तीन अन्य उत्पादक हैं ।

ख. जांच की शुरुआत गलत तथ्यों और विश्लेषण पर आधारित है । यह अनुरोध किया गया है कि वर्तमान पाटनरोधी जांच की शुरुआत डीजीएडी के इतिहास में दुर्लभ से दुर्लभ जांच की श्रेणी में होने वाली प्रतीत होती है, जिसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अधिकांश मापदंडों में सुधार प्रदर्शित हो रहा है ।

ग. प्राधिकारी का यह निष्कर्ष कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है, गलत है ।

घ. घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान कीमतों में लागत में वृद्धि से भी अधिक वृद्धि करने में सक्षम रहा है । घरेलू उद्योग चीन से पहुंच मूल्य में वृद्धि की तुलना में कीमतों में दुगुनी वृद्धि करने में सक्षम रहा है । इससे स्पष्ट रूप से यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति किसी भी तरह से निर्यात कीमत द्वारा प्रभावित नहीं हुई है और स्पष्ट रूप से इस बात की पुष्टि होती है कि एनओसीआईएल की निवल बिक्री प्राप्ति और निर्यातों के पहुंच मूल्य के बीच कोई सह-संबंध मौजूद नहीं है । अतः यह दावा किया गया है कि आयातों और घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति के बीच कोई कारणात्मक संबंध मौजूद नहीं है ।

ङ. पाटनरोधी शुल्क अमरीकी डॉलर में होना चाहिए और न कि भारतीय रूपए में ।

च. यदि प्राधिकारी यह निर्णय लेते हैं कि चीन के निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में कार्य नहीं कर रहे हैं तो प्राधिकारी को चीन में सामान्य मूल्य के रूप में कोरिया के लिए प्राक्कलित सामान्य मूल्य को अपनाना चाहिए ।

19. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का समर्थन करते हुए पीएमसी ने यह तर्क दिया है कि उसके आयातों को पाटनरोधी शुल्क के अधीन नहीं रखा जाना चाहिए । कंपनी ने यह तर्क दिया है कि उसके यहां 500 कर्मचारी (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) काम करते हैं, तो यदि कंपनी को पाटनरोधी शुल्क अदा करना पड़ता है तो बेरोजगार हो जाएंगे ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए इन मुद्दों पर विचार किया है और इन निष्कर्षों पर पहुंचे हैं कि :

- i. प्राधिकारी पूर्व में विशेष रूप से रबड़ रसायनों के संबंध में विभिन्न जांचों को एक जांच के अंतर्गत कर रहे हैं और वर्तमान मामले में इस प्रक्रिया से प्राधिकारी द्वारा कोई विचलन नहीं किया गया है ।
- ii. जांच के अंतर्गत संबद्ध रबड़ रसायनों के सभी प्रकारों के संबंध में निम्नलिखित बिक्री प्राप्ति क्षतिरहित कीमत से कम है और कीमत कटीती 7% से 28% के बीच है । अतः इस पहलू पर प्रकटन विवरण में पहले ही ध्यान दिया गया है ।
- iii. संपूर्ण क्षति अवधि, 2003-04 से शुरू होकर जांच अवधि तक, के दौरान क्षति का निर्धारण विभिन्न अनिवार्य क्षति संबंधी मापदंडों का विश्लेषण करके किया गया है । क्षति संबंधी निष्कर्ष पहले से ही प्रकट विवरण में दिए गए हैं ।
- iv. संबद्ध प्रतिवादी निर्यातक को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन करता हुआ पाया गया है और इसलिए प्रत्येक मापदंड का प्रकटन करने का प्रश्न संगत नहीं है क्योंकि खपत संबंधी मानकों को स्वीकार करने को छोड़कर उनकी घरेलू बिक्रियों पर विचार नहीं किया गया है ।
- v. प्रतिवादी निर्यातक द्वारा दिया गया विवरण तथ्यों से असंगत है क्योंकि जांच अवधि के दौरान लागत में वृद्धि हुई है और बिक्री कीमत में गिरावट आई है । यह निष्कर्ष प्रकटन विवरण में दिए गए ब्यांरों द्वारा पहले से ही निकाला गया है ।

### घ. पाटन मार्जिन का निर्धारण

#### घ.1 चीन के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावे की जांच

#### घरेलू उद्योग के विचार

21. चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है । निम्नलिखित विस्तृत मूल्यांकन मापदंडों के बाद किसी भी देश में चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया है । पिछले तीन वर्षों में यूरोपीय आयोग और अमरीका द्वारा चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना गया है । यूरोपीय संघ और अमरीका विश्व व्यापार संगठन के सदस्य हैं । भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना है । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 31 मई, 2002 के संशोधन के पश्चात चीन के विरुद्ध शुरू की गई सभी जांचों में व्यवहार्य रूप से चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना है ।

22. कोरिया को चीन के लिए उचित प्रतिनिधि देश नहीं माना जा सकता है ।

### निर्यातक के विचार

23. सिनोर्गकेम ग्रुप आफ कंपनीज ने यह अनुरोध किया है कि सिनोर्गकेम ग्रुप आफ कंपनीज को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया गया है क्योंकि संस्था के विनियमों में यह उल्लेख है कि संबंधित कंपनी राज्य और सार्वजनिक पर्यवेक्षण को स्वीकार करेगी । यह भी कहा गया है कि राज्य के पर्यवेक्षण का अर्थ राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होगा । सार्वजनिक नीति के मामले के रूप में संस्था के विनियमों में यह उल्लेख है कि कंपनी सार्वजनिक और राज्य के अंतर्गत कार्य करेगी और कंपनी के कार्यकरण में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा । बिल्कुल ऐसे ही कंपनी के कार्यकरण में जनता का भी कोई हस्तक्षेप नहीं होगा । यह भी कहा गया है कि कानून के अंतर्गत यह आवश्यक है कि राज्य का अधिक हस्तक्षेप हो जिसके परिणामस्वरूप लागत, कीमत और वितरण में विकृति होती है ।

24. आगे यह अनुरोध किया गया है कि यदि डीजीएडी बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे संबंधी अनुरोधों को स्वीकार नहीं करती हैं तो उचित प्रतिनिधि देश कोरिया गणराज्य (जिसे डीजीएडी द्वारा सत्यापित किया गया है) हो सकता है और न कि भारत और यूरोपीय संघ ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस मान्यता के खंडन के अधीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने का प्रस्ताव किया गया था ।

26. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्व मान्यता का खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराएं और इसके विपरीत बात सिद्ध करें । चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातक/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करने में सक्षम हो सकें कि क्या :-

27. चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों द्वारा कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश समेत कीमतों, लागत और निविष्टियों संबंधी निर्णय इस संबंध में राज्य के किसी महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के बिना आपूर्ति और मांग को प्रदर्शित करने वाले बाजार

संकेतकों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं, और क्या प्रमुख निषिद्धियों की लागत पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती है;

28. इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति, विशेष रूप से परिस्थितियों के मूल्यांकन, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से व्यापार के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से हुई उत्प्रेक्षनीय विकृतियों के अधीन है।

29. इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

30. विनिमय दर का परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है।

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरूआत संबंधी सूचना और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी अनुमान के खण्डन के बाद चीन के संबंध वस्तु के तीन उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। इन निर्यातकों से अतिरिक्त सूचना भी मांगी गई थी, जो उन्होंने उपलब्ध कराई। उनके परिसरों की मीके पर जाकर जांच भी की गई थी। प्राधिकारी द्वारा प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की जांच, चीन के संबंध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नानुसार की गई है :

मे0 शेन्डांग शीक्सियन केमिकल कं. लि.

32. संबंध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में मे. शेन्डांग शीक्सियन केमिकल कं. लि. ने इस मामले में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी उत्तर प्रस्तुत किया है। बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के दावे के संबंध में आवेदक से अतिरिक्त सूचना भी मांगी गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मे. शेन्डांग शीक्सियन केमिकल कं.लि. रूपांतरण के अधीन एक कंपनी प्रतीत होती है क्योंकि यह फैक्टरी 1998-99 के दौरान ही अस्तित्व में थी।

33. उत्पादक को रूपांतरण के आवश्यक ब्यौरे अर्थात् वर्ष 1998-99 के दौरान परिसंपत्तियों के हस्तांतरण और पूर्ववर्ती उद्यम की देयता, परिसंपत्तियों के मूल्यांकन हेतु अपनाई गई प्रक्रिया आदि का ब्यौरा प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी। उत्पादक ने दिसम्बर, 2007 के अपने पत्र द्वारा कुछ अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की थी।

34. मीके पर जाकर किए गए सत्यापन के दौरान कंपनी की स्थिति एवं संयुक्त स्टॉक प्रणाली के जरिए राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम से निजी स्वामित्व में एवं तत्पश्चात् पूर्णतः

विदेशी स्वामित्व वाले उद्यम में इस कंपनी के रूपांतरण की प्रक्रिया से यह ज्ञात हुआ कि परिसंपत्तियों एवं देयताओं का मूल्यांकन तथा नवनिर्मित सत्ता को परिसंपत्तियों का अंतरण पारदर्शी तथा सार्वजनिक रूप से नहीं किया गया। परिसंपत्तियों का अंतरण मूल्य बहुत ही कम है, क्योंकि परिसंपत्तियों का एक भाग देयताओं में समायोजित कर लिया गया है, जो पूर्णतः संदत्त नहीं है। थोड़े से ही समय में कंपनी की पूंजी, जिसमें \*\*\* मिलियन आरएमबी का बहुत ही छोटा निवेश किया गया था, कई गुना बढ़ गया है। देश के प्राधिकारियों को भुगतान किया गया भूमि उपयोग शुल्क भी बहुत मामूली है। प्राधिकारी द्वारा रिकार्ड की जांच से यह निर्णायक रूप से सिद्ध होता है कि यह कंपनी एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था तंत्र के अंतर्गत चल रही है। इस आशय की विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट संबंधित उत्पादक/निर्यातक तथा भारत स्थित उनके कानूनी प्रतिनिधियों को भी भिजवा दी गई है। अतः प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि प्रतिवादी निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में प्रचालनरत है।

**मै. शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं.लि.**

35. मै. शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं.लि. ने पीवीआई के एक उत्पादक-निर्यातक के रूप में निर्यातक प्रश्नावली तथा एमईटी उत्तर प्रस्तुत किया है। आवेदक से 10 दिसंबर 2007 के पत्र द्वारा एमईटी प्रश्नावली तथा निर्यातक उत्तर के बारे में अतिरिक्त सूचना भी मांगी गई थी। उत्पादक-निर्यातक ने दिसंबर 2007 के पत्र द्वारा अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की थी।

36. एमईटी प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार कंपनी ने यह सूचित किया कि उसकी स्थापना एक "सीमित देयता" वाली कंपनी के रूप में 23.3.2000 में की गई थी जबकि निर्यातक के अनुसार यह नोट किया गया था कि यह कंपनी 22 दिसंबर 1998 को स्थापित की गई थी। यह भी नोट किया गया था कि शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. फैक्टरी तथा शेन्डांग प्रांत के केमिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के बीच प्राथमिकी संविदा 30.6.1997 को निष्पादित की गई थी। कभी संबंधी पत्र के उत्तर में उत्पादक/निर्यातक ने सूचित किया है कि मै. यंगू हुताई केमिकल कं.लि. की स्थापना वर्ष 1994 में हुई थी और यह राज्य की स्वामित्व वाली फैक्टरी के रूप में पंजीकृत थी।

37. जांच दल द्वारा मौके पर जाकर किए गए सत्यापन के दौरान कंपनी की स्थिति एवं सीमित देयता वाली प्रणाली के जरिए राज्य के स्वामित्व के उद्यम से निजी स्वामित्व में इस कंपनी के रूपांतरण की प्रक्रिया से यह ज्ञात हुआ कि परिसंपत्तियों एवं देयताओं का मूल्यांकन तथा नवनिर्मित सत्ता को परिसंपत्तियों का अंतरण पारदर्शी तथा सार्वजनिक रूप से नहीं किया गया है। परिसंपत्तियों का अंतरण मूल्य बहुत ही कम है क्योंकि परिसंपत्तियों का एक भाग देयताओं में समायोजित कर लिया गया है, जिसका भुगतान अथवा अदायगी की अवधि का पुनः निर्धारण नहीं किया गया है। नई सत्ता द्वारा नए सिरे से ऋण प्राप्त किया गया परन्तु उसके बाद ऋण के भुगतान एवं देयताओं की स्थिति के बारे में स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सका। थोड़े से ही समय में कंपनी की पूंजी, जिसमें \*\*\* मिलियन आरएमबी का बहुत ही छोटा निवेश किया गया था, कई गुना बढ़ गई है। अतः यह प्रतीत होता है कि देयताओं की एक भारी राशि सरकार अथवा बैंकों द्वारा बड़े खाते डाल दी गई है। कंपनी द्वारा भुगतान किया



गया भूमि उपयोग शुल्क भी बहुत कम प्रतीत होता है। प्राधिकारी द्वारा रिकार्ड की जांच से यह निर्णायक रूप से सिद्ध होता है कि यह कंपनी एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था तंत्र के अंतर्गत चल रही है। इस आशय की विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट संबंधित उत्पादक/निर्यातक तथा भारत स्थित उनके कानूनी प्रतिनिधियों को भी भिजवा दी गई है। अतः प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि प्रतिवादी निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में प्रचालनरत है।

**शिनजकेम (ग्रुप) कं., शंघाई, शिनजकेम कं., शेन्झांग और शिनजकेम कं. ताइवान**

38. उपर्युक्त हितबद्ध पार्टियों में से प्रत्येक पार्टी ने संबद्ध वस्तु के उत्पादक और/अथवा निर्यातक के रूप में निर्यातक उत्तर तथा एमईटी उत्तर प्रस्तुत किया है। चूंकि ये कंपनियां एक-दूसरे से संबंधित हैं, इसलिए उन्होंने "ग्रुप व्यवहार" की मांग की है। बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के उनके दावे के संबंध में अतिरिक्त सूचना भी मांगी गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि शेन्झांग शिनजकेम कं. लि. राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के संपत्ति अधिकार सुधार के दौरान अगस्त, 1998 में अस्तित्व में आई। व्यापार लाइसेंस के अनुसार कंपनी ने 14 मई, 1999 से प्रचालन शुरू किया। कंपनी की स्थापना संवर्धन के रूप में की गई थी और इसे हैज इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी, शेन्झांग, शेन्झांग कॉन्सिडरेशन शिनजकेम केमिकल फैक्टरी, कुकियन केमिक कंपनी, शेन्झांग, कॉन्सिडरेशन ही रबड़ एडीटिव एजेंट कंपनी, शेन्झांग तथा कॉन्सिडरेशन ही रबड़ एडीटिव एजेंट कंपनी, शेन्झांग द्वारा स्थापित किया गया था। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से यह नोट किया जाता है कि शेन्झांग हैज एरिया इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी तथा शेन्झांग काओ केंद्री शिनजकेम दोनों के 5 रसायन संयंत्र राज्य स्वामित्व वाले उद्यम थे जिनके अधिकांश शेयर इन राज्य स्वामित्व वाले उद्यमों के पास थे। स्थापना के बाद कंपनी के शेयरों को कई बार हस्तांतरित किया गया है। अक्टूबर, 2005 में शिनजकेम का मुख्यालय शंघाई में स्थापित किया गया था। फरवरी, 2006 में शिनजकेम ग्रुप शंघाई में स्थापित किया गया। 8 जून, 2006 को \*\*\* टन 4-एडीपीए के प्रथम चरण का प्रचालन शुरू हुआ और उत्पादन क्षमता \*\*\* टन प्रतिवर्ष पर पहुंच गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि 8 जून, 2006 को क्षमता विस्तार से पूर्व \*\*\* टन 4-एडीपीए प्रतिवर्ष की क्षमता विद्यमान थी। इसके अलावा, शिनजकेम ग्रुप कं. और शिनजकेम कं., शंघाई, दोनों के संस्था के संगठन अनुच्छेद के अनुसार यह नोट किया जाता है कि ये दोनों कंपनियां सरकार और जनता के पर्यवेक्षण को स्वीकार करेंगी। जांच टीम द्वारा मौके पर जाकर किए गए सत्यापन के दौरान कंपनी की स्थिति एवं राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम से निजी स्वामित्व इस कंपनी के रूपांतरण की प्रक्रिया की जांच से यह ज्ञात हुआ कि \*\*\* मिलियन आरएमबी मूल्य की राज्य के स्वामित्व की परिसंपत्तियों का हस्तांतरण \*\*\* मिलियन आरएमबी की मामूली कीमत पर कर दिया गया था। रिकार्ड के सत्यापन से यह निर्णायक रूप से सिद्ध होता है कि यह कंपनी एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था तंत्र के अंतर्गत चल रही है। इस आशय की विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट संबंधित उत्पादक/निर्यातक तथा भारत स्थित उनके कानूनी प्रतिनिधियों को भी भिजवा दी गई है। अतः प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि प्रतिवादी निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में प्रचालनरत है।

## घ.2 सामान्य मूल्य का निर्धारण

39. जैसा कि ऊपर रिकॉर्ड किया गया है, उपर्युक्त तीनों कंपनियाँ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत प्रचालनरत पाई गई हैं, अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के आधार पर चीन के उपर्युक्त प्रतिवादी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

40. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में निम्नुसार उपबंध है:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से होने वाले आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य अथवा किसी ऐसे देश से भारत समेत अन्य देशों को किए गए निर्यात की कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो वहां उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित, यदि आवश्यक हो, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गयी अथवा भुगतान योग्य कीमत समेत किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। एक उचित तरीके से एक उपर्युक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन संबंधित देश के विकास के स्तर और विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना को ध्यान में रखा जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में ऐसे ही मामलों में यदि कोई जांच की जाती है, तो जहां उपर्युक्त हो, समय-सीमा के भीतर इस पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच में शामिल पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त चुनाव के बारे में अनुचित विलंब के बिना सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित समयावधि प्रदान की जाएगी।”

41. प्राधिकारी ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ताओं ने चीने के बारे में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दावा किया है। याचिकाकर्ताओं ने उत्पादन की परिकल्पित लागत तथा यूरोप में कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का दावा किया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देशों में कीमत या लागत के आधार पर इस वजह से नहीं किया जा सकता क्योंकि संबद्ध वस्तु का उत्पादन कई देशों में नहीं किया जाता है और इस संबंध में सार्वजनिक रूप से कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। अतः घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि भारत को इस मामले में चीन के लिए एक उचित सहोदर देश माना जाना चाहिए और सामान्य मूल्य का तदनुसार निर्धारण किया जाना चाहिए।

42. प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार अन्य यथोचित आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। तदनुसार चीन के सभी निर्यातकों के लिए विद्याराधीन उत्पाद के कारखानागत सामान्य मूल्य का अंतिम परिकलन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य का परिकलन सभी प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, जहां तक ऐसी कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत उपलब्ध है, को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सहयोगी निर्यातकों के खपत मानकों, परिवर्तन लागत तथा घरेलू उद्योग के एसजीए व्यय को अपनाया गया है। 5% का उचित लाभ मार्जिन जोड़ने के बाद परिकलित सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है :

क्र. सं.	विद्याराधीन उत्पाद	सीएनबी अम. डा./कि.ग्रा.
1	पीएक्स 13(8पीपीडी)	***
2	टीडीक्यू	***
3	पीवीआई	***
4	टीएमटी	***
5	एमबीटी	***
6	सीबीएस	***

### ब.3 निर्यात कीमत

#### क. शेन्डांग रीक्सियन केमिकल कं.लि.

43. शेन्डांग रीक्सियन ने जांच के दौरान कुछेक रबड़ रसायनों अर्थात् एमबीटी, सीबीएस पीवीआई और टीएमटी को भारत को निर्यात की सूचना दी है। वस्तु की बिक्री भारत में ग्राहकों को सीधे की गई है। भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीआईएफ के अनुसार की गई है। निर्यातक ने भारत के लिए अंतर्देशी भाड़े, वायु भाड़े और बीमा, ऋण व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया है ताकि कारखाना द्वार निर्यात कीमत निकाली जा सके। तथापि, यह देखा गया है कि संदत्त वैट और प्राप्त वापसी के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है यद्यपि निर्यातक के लिए बीजक मूल्य के 17% की दर से वैट का भुगतान करना अपेक्षित है और वह निर्यात पर संदत्त वैट के एक भाग की वापसी का पात्र है।

44. मोके पर जाकर किए गए सत्यापन के दौरान निम्नलिखित बातें प्राधिकारी के ध्यान में आई :-

- यद्यपि रबड़-रसायन सीबीएस के मामले में अंतर्देशीय मालभाड़े, विदेशी बीमें तथा ऋण लागत का समायोजन उचित तरीके से लेखाबद्ध किया गया था, तथापि विदेशी मालभाड़े के समायोजन के बारे में किए गए दावे के संबंध में कुछ अंतर ध्यान में आया। प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के दौरान यह भी ध्यान में

आया कि उन्होंने पैकिंग, संग्रहण, प्रभार, डाक प्रभार तथा विदेशी बैंकिंग व्यय के रूप में अन्य ऊपरी व्यय भी किए थे। इसके अलावा उनके उत्तर में 4% वैट वापसी को शामिल नहीं किया गया था, जिसका समायोजन, कारखाना-द्वार स्तर पर निवल निर्यात-कीमत के परिकलन हेतु अपेक्षित था। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने इन समायोजनों को छोड़ दिया था और उन्होंने संशोधित परिशिष्ट-2 उपलब्ध कराया था। ऊपर उल्लिखित सभी अपेक्षित समायोजनों को शामिल करने के बाद प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉलर प्रति मी. टन निर्धारित की गई है, जबकि निर्यातक के मूल उत्तर में \*\*\* अम.डॉलर का दावा किया गया था।

- ii. पीवीआई के मामले में विदेशी मालभाड़े के संबंध में किए गए समायोजन के दावे के बारे में कुछ अंतर ध्यान में आया था। सत्यापन के दौरान यह भी ध्यान में आया कि उन्होंने पैकिंग, संग्रहण प्रभार, डाक प्रभार तथा विदेशी बैंकिंग व्ययों के रूप में अन्य ऊपरी व्यय भी किए थे। इसके अलावा उनके उत्तर में 4% की वैट-वापसी को भी शामिल नहीं किया गया था, जिसका समायोजन कारखाना-द्वार स्तर पर निवल स्वीकार कीमत के आंकलन हेतु अपेक्षित था। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने इन समायोजनों को छोड़ दिया था। और उन्होंने संशोधित परिशिष्ट-2 उपलब्ध कराया था। ऊपर-उल्लिखित सभी अपेक्षित समायोजनों को शामिल करने के बाद प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉलर प्रति मी.टन निर्धारित की गई है, जबकि निर्यात के मूल उत्तर में \*\*\* अम.डॉलर का दावा किया गया था।
- iii. यद्यपि टीएमटीडी/टीएमटी के मामले में अंतर्देशीय मालभाड़े, विदेशी बीमें तथा ऋण लागत का समायोजन उचित तरीके से लेखाबद्ध किया गया था, तथापि विदेशी मालभाड़े के समायोजन के बारे में किए गए दावे के संबंध में कुछ अंतर ध्यान में आया। प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के दौरान यह भी ध्यान में आया कि उन्होंने पैकिंग, संग्रहण, प्रभार, डाक प्रभार तथा विदेशी बैंकिंग व्यय के रूप में अन्य ऊपरी व्यय भी किए थे। इसके अलावा उनके उत्तर में 4% वैट वापसी को शामिल नहीं किया गया था, जिसका समायोजन, कारखाना-द्वार स्तर पर निवल निर्यात-कीमत के परिकलन हेतु अपेक्षित था। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने इन समायोजनों को छोड़ दिया था और उन्होंने संशोधित परिशिष्ट-2 उपलब्ध कराया था। ऊपर उल्लिखित सभी अपेक्षित समायोजनों को शामिल करने के बाद प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉलर प्रति मी. टन निर्धारित की गई है, जबकि निर्यातक के मूल उत्तर में \*\*\* अम.डॉलर का दावा किया गया था।
- iv. यद्यपि रबड़ रसायन एमबीटी के मामले में अंतर्देशीय मालभाड़े, विदेशी बीमें तथा ऋण लागत का समायोजन उचित तरीके से लेखाबद्ध किया गया था,

तथापि विदेशी मालभाड़े के समायोजन के बारे में किए गए दावे के संबंध में कुछ अंतर ध्यान में आया। प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के दौरान यह भी ध्यान में आया कि उन्होंने पैकिंग, संग्रहण, प्रभार, डाक प्रभार तथा विदेशी बैंकिंग व्यय के रूप में अन्य ऊपरी व्यय भी किए थे। इसके अलावा उनके उत्तर में 4% वैट वापसी को शामिल नहीं किया गया था, जिसका समायोजन, कारखाना-द्वारा स्तर पर निवल निर्यात-कीमत के परिकलन हेतु अपेक्षित था। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने इन समायोजनों को छोड़ दिया था और उन्होंने संशोधित परिशिष्ट-2 उपलब्ध कराया था। ऊपर उल्लिखित सभी अपेक्षित समायोजनों को शामिल करने के बाद प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉलर प्रति मी. टन निर्धारित की गई है, जबकि निर्यातक के मूल उत्तर में \*\*\* अम.डॉलर का दावा किया गया था।

- V. प्राधिकारी ने अपनी सत्यापन रिपोर्ट में परिकलन के ब्यौरे तथा सत्यापित निर्यात कीमत से संबंधित निर्यातक को अवगत करा दिया है।

**मेसर्स रॉडॉंग थांगू हुताई केमिकल कं. लि.**

45. प्रश्नावली में दिए गए उत्तर के परिशिष्ट-2 के अनुसार उन्होंने \*\*\* अम. डॉलर की कुल सीआईएफ प्राप्ति पर भारत को पीपीआई की \*\*\* मी.टन प्राप्ति की कुल मात्रा निर्यात करने का दावा किया है। इसमें कुल \*\*\* सौदे शामिल थे। इन सौदों से संबंधित मूल दस्तावेजों का सत्यापन जांच दल द्वारा मीके पर जाकर किए गए सत्यापन के दौरान किया गया। निर्यातक द्वारा दिए गए मूल उत्तर में उन्होंने केवल अंतर्देशीय मालभाड़े, विदेशी मालभाड़े, विदेशी बीमे तथा ऋण लागत के समायोजन का दावा किया था। प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के दौरान यह भी ध्यान में आया कि उन्होंने पैकिंग, संग्रहण, प्रभार, डाक प्रभार तथा विदेशी बैंकिंग व्यय के रूप में अन्य ऊपरी व्यय भी किए थे। इसके अलावा उनके उत्तर में 4% वैट वापसी को शामिल नहीं किया गया था, जिसका समायोजन, कारखाना-द्वारा स्तर पर निवल निर्यात-कीमत के परिकलन हेतु अपेक्षित था। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने इन समायोजनों को छोड़ दिया था और उन्होंने संशोधित परिशिष्ट-2 उपलब्ध कराया था। ऊपर उल्लिखित सभी अपेक्षित समायोजनों को शामिल करने के बाद प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉलर प्रति मी. टन निर्धारित की गई है, जबकि निर्यातक के मूल उत्तर में \*\*\* अम.डॉलर का दावा किया गया था।

**40 शिनजैकेम कं. शेन्डांग**

46. यह पीएक्स 13 (6 पीपीडी) का निर्यात करते रहे हैं। प्राधिकारी द्वारा संबंध निर्यातक के रिकार्डों की जांच से ज्ञात हुआ कि जहां तक पैकिंग व्यय से संबंधित समायोजनों का संबंध है, निर्यात तथा घरेलू बिक्री के बीच उल्लेखनीय अंतर है। निर्यातक द्वारा यह स्पष्ट किया गया

कि भारत को किए जाने वाले निर्यात पहले बोरियों में भरा जाता है और फिर पैलेटों में रखवाया जाता है, जबकि घरेलू बिक्री केवल बोरियों में ही की जाती है। अतः भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में पैकिंग की लागत घरेलू बाजार में बिक्री हेतु पैकिंग लागत के मुकाबले लगभग 4 गुना होती है। प्रत्यक्ष बिक्री व्यय, वेट वापसी, संदत्त कमीशन, बैंक प्रभार, ऋण लागत के संबंध में किए गए समायोजनों की अनुमति विधिवत सत्यापन के बाद वास्तविक आधार पर दी गई। इसके अलावा, रिकार्ड के अवलोकन के दौरान यह ध्यान में आया कि वेट वापसी अप्रैल 2006 से सितंबर 2006 के दौरान 13% की दर से और अक्टूबर 2006 से मार्च 2007 के दौरान 17% की दर से लागू थी। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, ऊपर उल्लिखित सभी अपेक्षित समायोजनों को शामिल करते हुए प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत का आकलन \*\*\* अम.डॉलर प्रति मी.टन किया गया है, जबकि जांच शुरुआत अधिसूचना के प्रत्युत्तर में निर्यातक प्रश्नावली में इसे \*\*\* अम.डॉलर प्रति मी.टन दर्शाया गया था। प्राधिकारी द्वारा इसका ब्यांरा निर्यातक को अपनी सत्यापन रिपोर्ट में दे दिया गया है।

**मै0 शिनजर्केम कं. तायान, चीन एवं शिनजर्केम कं. शंघाई, चीन**

47. इन दोनों ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का कोई निर्यात नहीं किया।

**चीन के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

48. चीन के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में न्यूनतम निर्यात कीमत पर विचार किया गया है, जो एमबीटी, टीएमटी, पीएक्स 13(6 पीपीडी), सीबीएस तथा पीवीआई उत्पादों के सहयोगी निर्यातकों से संबंधित सत्यापित आंकड़ों पर आधारित है। जहां तक टीडीक्यू का संबंध है, कोई उत्तर प्राप्त न होने के कारण निवल निर्यात कीमत की गणना हेतु डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में शामिल औसत निर्यात कीमत पर विचार किया गया। कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत निकालने के लिए चीन के सहयोगी निर्यातकों के संबंध में उपर्युक्तानुसार प्रदत्त अनुमति के अनुरूप समुद्री भाड़े आदि जैसे समायोजनों की अनुमति दी गई है। इस पद्धति को अपनाते हुए चीन के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में कारखाना निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है :-

क्र. सं.	उत्पाद विवरण	निवल निर्यात कीमत अम.डा./मी.टन
1	एमबीटी	***
2	टीडीक्यू	***
3	टीएमटी	***
4	पीएक्स13 (6पीपीडी)	***
5	सीबीएस	***
6	पीवीआई	***

#### ब.4 कोरिया कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स कं.लि. कोरिया गणराज्य के संबंध में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत

##### सामान्य मूल्य

##### घरेलू उद्योग के विचार

49. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि :-

(i) कोरिया में सामान्य मूल्य काफी अधिक है। घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स कं.लि. द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की कोरियाई घरेलू बाजार में बिक्री 4.96 वॉन से लेकर 6.80 वॉन प्रति मी. टन के बीच की कीमत पर की गई है। घरेलू उद्योग ने आगे दावा किया है कि कोरिया में सामान्य मूल्य का निर्धारण विभिन्न स्रोतों से आयात की मात्रा तथा घरेलू उद्योग द्वारा की गई बिक्री पर विचार करते हुए भारित औसत कीमत के रूप में की जानी चाहिए। केआईटीए द्वारा अपनी वेबसाइट पर जारी की गई सूचना के आधार पर घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि कोरिया में 4.06 अम.डा./कि.ग्रा. की सीआईएफ कीमत पर 4240 मी.टन 6पीपीडी का आयात किया गया है। 6.5% के सीमाशुल्क पर विचार करते हुए कोरियाई ग्राहक के लिए कीमत 4.365 अम.डा./कि.ग्रा. बनती है। घरेलू उद्योग के अनुसार कोरियाई घरेलू मांग 7,000-8,000 मी.टन के आसपास है और इस प्रकार आयात का काफी बड़ा हिस्सा बनता है (घरेलू मांग का 50% से अधिक)। घरेलू उद्योग ने केआईटीए द्वारा सूचित भारत से आयात कीमत और कोरिया को हुए निर्यातों के संबंध में घरेलू उद्योग के बिक्री बीजक के आधार पर इस कीमत के दावे का समर्थन किया है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि कोरियाई उत्पादक के लिए घरेलू बिक्री कीमत आयातित सामग्री की पहुंच लागत से भिन्न नहीं हो सकती जो मांग के 50% से अधिक है। यद्यपि कीमतों में अंतर है तो भी उसे उचित सीमा के भीतर होना चाहिए और यह अंतर घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों और कोरिया गणराज्य के प्रतिवादी निर्यातक द्वारा किए गए दावे में प्रदर्शित सीमा तक नहीं होना चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यह भरोसेमंद नहीं है कि कोरियाई उत्पादक ने घरेलू बाजार में सामग्री की बिक्री कम कीमत पर की होगी।

(ii) घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि नियमों के अंतर्गत सामान्य मूल्य का तात्पर्य ऐसी समान वस्तु की तुलनीय कीमत से है जो खपत के लिए है। "समान वस्तु", "तुलनीय कीमत", "खपत के लिए" शब्दों का स्पष्ट तात्पर्य यह है कि ऐसी कीमतें उन कीमतों तक सीमित नहीं थीं जिन कीमतों पर इन वस्तुओं की बिक्री संबंधित उत्पादक द्वारा की गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि.

के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय और तत्पश्चात् निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया पर भरोसा करते हुए घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि हर हालत में यह न्यायोचित है कि कोरिया कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स कं. लि. द्वारा बिक्री के लिए आयातित मात्रा और बेची गई मात्रा पर विचार करते हुए घरेलू बाजार में बेची गई वस्तु की कीमत के भारत औसत पर विचार किया जाए।

(iii) उन्होंने यह भी तर्क प्रस्तुत किया है कि निर्धारित उत्पादन लागत में उत्पादन एवं विचाराधीन उत्पाद की बिक्री से संबद्ध लागत भी परिलक्षित होनी चाहिए और केकेपीसी द्वारा किए गए निर्यातों की पाटन मार्जिन 1.036 अम डॉलर अथवा 24% से कम नहीं है।

### निर्यातकों के विचार

50. कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स कं. लि. ने निवेदन किया है कि :-

- I. केपीसी के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण सुसंगत कानूनी प्रावधानों के अनुरूप नहीं था।
- II. इस मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) कोरिया के घरेलू बाजार में केपीसी की बिक्री की मात्रा तथा (ख) कोरिया गणराज्य में आयात की मात्रा के भारत औसत के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण की ऐसी विधि के बारे में सुना नहीं गया है। अब तक निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक देश के निर्यातक की घरेलू बिक्री में निर्यातक देश के आयातों को जोड़कर नहीं किया है। विभिन्न कारणों से, जिनका ब्योरा निम्नानुसार है, यह विधि गैरकानूनी एवं अवांछनीय है।
- III. पाटनरोधी जांच के दायरे में "किसी देश/देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित उत्पादों को शामिल किया जाता है। इस मामले में कोरिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित" 6पीपीडी की जांच की गई है। कोरिया में किए गए आयात वे वस्तुएं प्रदर्शित करते हैं जो न तो कोरिया के मूल की हैं और न ही वहां से निर्यातित। तदनुसार दक्षिण कोरिया में अन्य देशों से आयातित उत्पाद पाटनरोधी जांच के दायरे से बाहर हैं और इस जांच में शामिल वस्तुओं के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु ऐसी आयातित वस्तुओं की कीमत पर विचार नहीं किया जाएगा।
- IV. केपीसी द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री जिस मूल्य पर कोरियाई घरेलू बाजार में की गई है उसके बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की जानकारी



केपीसी को नहीं है। केपीसी कोरियाई बाजार में अपने उत्पाद की बिक्री सीधे अपने ग्राहकों को करता है। केपीसी ने अपने सभी सौदों का पूरा ब्याँस प्रस्तुत किया है और इसका सत्यापन भी कर लिया गया है। जब अवधि के दौरान केपीसी द्वारा विनिर्मित वस्तुएं कोरियाई बाजार में जिन कीमतों पर बेची गई थी, उनकी प्रमाणिक सूचना सत्यापित आंकड़ों से निकाली है। इसके विपरीत प्रस्तुत अन्य कोई साक्ष्य संदिग्ध और अविश्वसनीय होगा। यदि केपीसी की बिक्री कीमतों के बारे में प्राधिकारी किसी अन्य साक्ष्य पर विचार करने के इच्छुक हैं, तो उक्त साक्ष्य टिप्पणी हेतु केपीसी को प्रस्तुत किया जाए, ताकि केपीसी को अपने हितों की रक्षा करने का उचित अवसर प्राप्त हो सके। इसके अलावा सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार केपीसी को किसी ग्राहक द्वारा कोरियाई बाजार में उसके किसी उत्पाद की पुनः बिक्री किए जाने के बारे में कोई सूचना नहीं है। यह संभव है कि कुछेक ग्राहकों ने उनके पास रखे बेसी अथवा अप्रयुक्त स्टॉक की बिक्री घरेलू बाजार में कर दी होगी। अन्यथा उनका कोई भी ग्राहक सामान्यतः कोरिया के घरेलू बाजार में उनके उत्पाद की पुनः बिक्री नहीं करता। वैसे भी, केपीसी की अन्य कोई संबंधित सत्ता नहीं है, जो इस उत्पाद की घरेलू बिक्री में संलग्न हैं। यदि कुछेक ग्राहकों ने कोरियाई बाजार में इस उत्पाद की पुनः बिक्री कर भी दी है, तो चूंकि ये ग्राहक असंबद्ध पक्ष हैं, अतः कारखाना-द्वारा कर घरेलू बिक्री कीमत केपीसी की बिक्री से प्राप्त आय के बराबर होगी और यह असंबद्ध पुनः विक्रेता की पुनः बिक्री कीमत से प्रभावित नहीं होगी। इस प्रकार घरेलू उद्योग का दावा एक ओर संदिग्ध और दूसरी ओर अप्रसंगिक प्रतीत होता है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

51. जहां तक कोरिया गणराज्य में आयात कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे का संबंध है, उल्लेखनीय है कि प्राधिकारी द्वारा प्रारम्भिक जांच परिणाम में विचार किया गया था और प्रारम्भिक जांच की अवस्था में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु कोरिया में आयात कीमत के भारित औसत और कोरिया के घरेलू बाजार में कोरिया कुम्हो की बिक्री कीमत पर विचार किया गया था। अब स्थिति बदल गई है, क्योंकि यह पाया गया है कि कोरियाई घरेलू कीमतें ओसीटी परीक्षण पर खरे नहीं उतरती हैं और प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु संसंधित सामान्य मूल्य पर विचार किया गया है, जिसका ब्याँस एतदपश्चात् प्रस्तुत किया गया है।

52. प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को सूचित किया है कि उसने भारत को \*\*\* अम डॉलर/किग्रा. की औसत कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत पर \*\*\*मी.टन 6 पीपीडी/पीएक्स-13 का निर्यात किया है। जहां तक सामान्य मूल्य का संबंध है, उत्पादक ने सूचित किया है कि \*\*\* मी.टन 6पीपीडी की बिक्री पर प्रति इकाई प्राप्त आय \*\*\* अम डॉलर/किग्रा. थी।

53. इसके विपरीत घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि कोरिया में सामान्य मूल्य काफी अधिक है। कोरिया में सामान्य मूल्य काफी अधिक है। घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स कं.लि. द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की कोरियाई घरेलू बाजार में बिक्री 4700 टॉन से लेकर 6800 टॉन प्रति मी. टन के बीच की कीमत पर की गई है। घरेलू उद्योग ने आगे दावा किया है कि कोरिया में सामान्य मूल्य का निर्धारण विभिन्न स्रोतों से आयात की मात्रा तथा घरेलू उद्योग द्वारा की गई बिक्री पर विचार करते हुए भारित औसत कीमत के रूप में की जानी चाहिए। केआईटीए द्वारा अपनी वेबसाइट पर जारी की गई सूचना के आधार पर घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि कोरिया में 4.06 अम.डा./कि.ग्रा. की सीआईएफ कीमत पर 4239.10 मी.टन 6पीपीडी का आयात किया गया है। 6.5% के सीमाशुल्क पर विचार करते हुए कोरियाई ग्राहक के लिए कीमत 4.32 अम.डा./कि.ग्रा. बनती है। घरेलू उद्योग के अनुसार कोरियाई घरेलू मांग 7,000-8,000 मी.टन के आसपास है और इस प्रकार आयात का काफी बड़ा हिस्सा बनता है (घरेलू मांग का 50% से अधिक)। घरेलू उद्योग ने केआईटीए द्वारा सूचित भारत से आयात कीमत और कोरिया को हुए निर्यातों के संबंध में घरेलू उद्योग के बिक्री बीजक के आधार पर इस कीमत के दावे का समर्थन किया है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि कोरियाई उत्पादक के लिए घरेलू बिक्री कीमत आयातित सामग्री की पहुंच लागत से भिन्न नहीं हो सकती, जो मांग के 50% से अधिक है। यद्यपि कीमतों में अंतर है तो भी उसे उचित सीमा के भीतर होना चाहिए और यह अंतर घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों और कोरिया गणराज्य के प्रतिवादी निर्यातक द्वारा किए गए दावे में प्रदर्शित सीमा तक नहीं होना चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यह भरोसेमंद नहीं है कि कोरियाई उत्पादक ने घरेलू बाजार में सामग्री की बिक्री कम कीमत पर की होगी।

54. घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि नियमों के अंतर्गत सामान्य मूल्य का तात्पर्य ऐसी समान वस्तु की तुलनीय कीमत से है जो खपत के लिए है। "समान वस्तु", "तुलनीय कीमत", "खपत के लिए" शब्दों का स्पष्ट तात्पर्य यह है कि ऐसी कीमतें उन कीमतों तक सीमित नहीं थीं जिन कीमतों पर इन वस्तुओं की बिक्री संबंधित उत्पादक द्वारा की गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय और तत्पश्चात निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया पर भरोसा करते हुए घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि हर हालत में यह न्यायोचित है कि कोरिया कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स कं.लि. द्वारा बिक्री के लिए आयातित मात्रा और बेची गई मात्रा पर विचार करते हुए घरेलू बाजार में बेची गई वस्तु की कीमत के भारित औसत पर विचार किया जाए।

55. प्राधिकारी द्वारा की गई जांच के दौरान उत्पादक/निर्यातक से पीएक्स 13 की घरेलू बिक्री कीमत आयातित कीमत की तुलना में बहुत कम होने का कारण बताने का अनुरोध किया गया था, क्योंकि दोनों स्रोतों से आई सामग्री की बिक्री एवं खपत कोरियाई बाजार में की जाती है। प्राधिकारी का यह भी निष्कर्ष है कि कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स के पास 6 पीपीडी के उत्पादन हेतु अपेक्षित मध्यवर्ती कच्चे माल अर्थात् 4 एडीपीए के उत्पादन की सुविधा नहीं है। जांच अवधि के दौरान 4 एडीपीए की समस्त आवश्यकता की पूर्ति मै.शिनर्जिकेम, चीन जन.गण. से की गई थी। यद्यपि कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स ने यह स्वीकार किया कि कोरिया गणराज्य में आयात

अत्यंत उच्च कीमत पर किए जा रहे हैं, जैसाकि केआईटीए में सूचित किया गया है, परन्तु उन्होंने इसके कारण के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। उनका कथन यही तर्क था कि उच्च कीमत पर आयात करना और संबद्ध वस्तुओं की खरीद न करना उनके प्रतिस्पर्धियों का एक व्यावसायिक निर्णय है। तथापि कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स का यह वक्तव्य गलत पाया गया है, क्योंकि जांच अवधि के दौरान ही उन्होंने हेंकुक टायर्स को पीएक्स 13 की बिक्री की थी। उक्त प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्राधिकारी के समक्ष यह स्पष्ट नहीं किया गया कि हेंकुक इस सामग्री का आयात लगभग 4.30 अम. डॉलर/प्रति किग्रा. की कीमत पर क्यों करेगा, जबकि यही वस्तु कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स से लगभग \*\*\* अम. डॉलर/ प्रति किग्रा. की कीमत पर उपलब्ध है।

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क की उप धारा 1(ग) के अनुसार किसी वस्तु के सामान्य मूल्य से निम्नलिखित अभिप्रेत है:-

- (i) "व्यापार की सामान्य स्थिति में समान वस्तु हेतु तुलनीय कीमत, जब यह उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातक देश अथवा भूभाग में खपत हेतु आशयित हो, अथवा....."

57. इसके अलावा, यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 10 में उल्लिखित अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के संदर्भ में उल्लिखित लागत का निर्धारण सामान्यतः जांचाधीन निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा रखे गए रिकार्डों के आधार पर किया जाएगा, बशर्तें ऐसे रिकार्ड निर्यातक देश में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार हों और ऐसे रिकार्ड विचाराधीन वस्तु के उत्पादन व बिक्री से जुड़ी लागत को उचित तरीके से प्रदर्शित करते हों।

58. पाटनरोधी नियमावली की धारा 9 क (1) (ग) (i) तथा नियम 10 में उल्लिखित अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 में यह अपेक्षा की गई है कि निर्यातक देश में खपत हेतु आशयित समान वस्तु के लिए व्यापार की सामान्य स्थिति के दौरान तुलनीय कीमत अभिनिश्चित करने के लिए सामान्य तौर पर संबंधित अवधि हेतु रिकार्ड में प्रदर्शित घरेलू बिक्री और उसमें दर्शाई गई कीमत को स्वीकार किया जाएगा, बशर्तें ऐसी वस्तु के उत्पादन और बिक्री से जुड़ी लागत उस रिकार्ड में उचित तरीके से दर्शाई गई हो। प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान यह ध्यान में आया था कि 4 एडीपीए, जो 6 पीपीडी के विनिर्माण हेतु आवश्यक प्राथमिक कच्चा माल है, की खरीद कोरिया कुम्हो द्वारा चीन के एक उत्पादक शिनजंकेम से लगभग\*\*\*अम.डॉलर प्रति किग्रा. की कीमत पर की गई, जो \*\*\*अम.डॉलर प्रति किग्रा. से कम थी, जिस पर वे इसकी आपूर्ति भारत को कर रहे थे। इसके अलावा इसी कच्चे माल की आयात कीमत, भारत में बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से भारत में आयात करने पर यह \*\*\*अम.डॉलर प्रति किग्रा. पाई गई। संयोग से इस जांच में शिनजंकेम चीन जन.गण. से एक भागीदार निर्यातक है और प्राधिकारी द्वारा उक्त निर्यातक के सत्यापन से ज्ञात हुआ था कि वह गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थिति में प्रचालनरत है।

59. अतः प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि ऐसी स्थिति में, 6 पीपीडी के उत्पादन में प्रयुक्त प्रमुख निविष्टि अर्थात् 4 एडीपीए की खरीद गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी से की गई, अतः कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स के लिए 4 एडीपीए की वास्तविक खरीद कीमत का प्रयोग करना, 6 पीपीडी के उत्पादन से जुड़ी लागत में उचित तरीके से प्रदर्शित नहीं होगा।

60. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने उत्पादन लागत व बिक्री में बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से 4 एडीपीए की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत तथा कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स की वास्तविक खरीद कीमत के अंतर से समायोजित कर दिया है। तदनुसार पीएक्स 13 (6 पीपीडी) की बिक्री की संशोधित लागत \*\*\* अम.डॉलर प्रति किग्रा. बनती है। बिक्री की इस समायोजित लागत पर कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स द्वारा जांच अवधि के दौरान की गई घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य स्थिति के परीक्षण पर खरी नहीं उतरती। तदनुसार घरेलू बिक्री की तुलना करना उचित नहीं है। अतः प्राधिकारी द्वारा कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स के लिए सामान्य मूल्य धारा 9 क (1) (ग) के अनुसरण में संरचित किया गया है।

61. इन कारकों को ध्यान में रखते हुए इस मामले में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण में बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से 4 पीडीपीए की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर कोरिया गणराज्य में संबद्ध यस्तुओं की उत्पादन लागत तथा दावा की गई एवं सत्यापित की गई अन्य लागतों पर भी विचार किया है। इस प्रकार परिकलित बिक्री की लागत पर लाभ की औसत मार्जिन पर भी विचार किया गया है। तदनुसार प्राधिकारी द्वारा पीएक्स 13 (6 पीपीडी) के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है जो \*\*\*अम. डॉलर प्रति किग्रा बनता है।

### निर्यात कीमत

62. प्राधिकारी द्वारा मौके पर जाकर किए गए सत्यापन से ज्ञात हुआ कि अंतर्देशीय मालभाड़े, समुद्री मालभाड़े (जिसमें टर्मिनल प्रहस्तन प्रभार, पहुंच शुल्क बीजक, प्रहस्तन प्रभार, व्हार्फेज शामिल हैं) समुद्री बीमा शुल्क, सीमा शुल्क ब्रोकर शुल्क, बैंक प्रभार, कमीशन के संबंध में किए गए समायोजनों के दावे तथा निर्यात बिक्री पर शुल्क प्रति अदायगी के रूप में की गई नकारात्मक कटौती उचित थी तथा संबंधित रिकार्ड में इनका प्रमाण उपलब्ध था। प्रतिवादी उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली में कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत \*\*\*अम.डॉलर प्रति किग्रा. सूचित की थी, जो प्राधिकारी द्वारा सही पाई गई है।

63. कोरिया के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में सहयोगी निर्यातकों के सत्यापित आंकड़ों के आधार पर न्यूनतम निर्यात कीमत पर विचार किया गया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए कोरिया के सहयोगी निर्यातकों के संबंध में उपर्युक्तानुसार दी गई अनुमति के समतुल्य समुद्री भाड़े आदि जैसे समायोजनों की अनुमति दी गई है। इस पद्धति को अपनाकर कोरिया के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में पीएक्स-13 (6 पीपीडी) के लिए कारखाना स्तर पर प्राधिकारी द्वारा परिकलित निर्यात कीमत \*\*\*अम.डॉलर प्रति मी. टन अथवा \*\*\*अम.डॉलर प्रति किग्रा. बनती है।

**च.5. कुम्हो पेट्रोकेमिकल्स कंपनी लि. कोरिया गणराज्य हेतु पाटन मार्जिन**

64. प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की उपर्युक्त गणनाओं के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नांकित तालिका के अनुसार 4-9% की रेंज में किया गया है।

	अम.डॉ./किग्रा.
सामान्य मूल्य	***
निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन	***
पाटन मार्जिन %	4-9%

**च.6. कोरिया गणराज्य से असहयोगी निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन**

65. कोरिया गणराज्य के असहयोगी निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नांकित तालिका के अनुसार 6-11% की रेंज में किया गया है :

सामान्य मूल्य अम.डॉ./किग्रा	निर्यात कीमत अम.डॉ./किग्रा	पाटन मार्जिन अम.डॉ./किग्रा	पाटन मार्जिन%
***	***	***	6-11%

**च.7. चीन जन.गण. के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन**

66. पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ इस प्रकार निर्धारित कारखानागत सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की व्यापार के समान स्तर पर तुलना की गई है और संबद्ध देश के निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निर्धारित किया गया है:-

**सहयोगी निर्यातक**

उत्पाद	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%
			अम.डॉ./किग्रा	अम.डॉ./किग्रा	अम.डॉ./किग्रा	
पीवीआई	शेंनडोंग सेंजियान केमिकल लि.	शेंनडोंग सेंजियान केमिकल लि.	***	***	***	5-10

	शेनडॉग हुआताई केमिकल्स लि.	शेनडॉग हुआताई केमिकल्स लि.	***	***	***	10-15
टीएमटी	शेनडॉग सेंजियान केमिकल कं. लि.	शेनडॉग सेंजियान केमिकल कं. लि.	***	***	***	75-80
सीबीएस	शेनडॉग सेंजियान केमिकल कं. लि.	शेनडॉग सेंजियान केमिकल कं. लि.	***	***	***	42-47
एमबीटी	शेनडॉग सेंजियान केमिकल कं. लि.	शेनडॉग सेंजियान केमिकल कं. लि.	***	***	***	42-47
पीएक्स- 13 (6पीपीडी)	सिनोर्गकेम कंपनी शेनडॉग	सिनोर्गकेम कंपनी शेनडॉग	***	***	***	30-35

### असहयोगी निर्यातक

क्र.सं.	उत्पाद का विवरण	सामान्य मूल्य अम.डॉ./किग्रा	निर्यात कीमत अम.डॉ./किग्रा	पाटन मार्जिन अम.डॉ./किग्रा	पाटन मार्जिन%
1.	पीवीआई	***	***	***	15-20
2.	टीएमटी	***	***	***	92-97
3.	सीबीएस	***	***	***	47-52
4.	एमबीटी	***	***	***	47-52
5.	पीएक्स-13(6पीपीडी)	***	***	***	50-55
6.	टीडीक्यू	***	***	***	20-25

67. इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है और निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक है।

## छ. क्षति का निर्धारण

### छ.1 क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच:

68. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 के साथ पठित नियम 1.1 में यह उपबंध है कि किसी क्षति निर्धारण में "पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए" घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह आवश्यक है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में पर्याप्त मात्रा में कमी आई है अथवा उसकी वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा तक बढ़ गई होती।

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन में नोसिल द्वारा दायर किया गया है जिसका भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है। नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार उपर्युक्त उत्पादकों को इस जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग माना गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तु के तीन अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् मै. लेंगसेस इंडिया प्रा.लि., पीएमसी रबड़ केमिकल्स इंडिया प्रा.लि. और मर्कम लि. हैं।

70. प्रारंभिक जांच परिणामों को जारी किए जाने के बाद प्राधिकारी ने विभिन्न रबड़ रसायनों के उत्पादन का विवरण लेने के लिए अन्य भारतीय निर्यातकों को लिखा था। मर्कम लि. और लेंगसेस इंडिया प्रा.लि. स उत्तर प्राप्त हुए थे जिन पर विचार किया गया है। प्राधिकारी ने अन्य भारतीय उत्पादकों की उत्पादन संबंधी निविष्टियां प्राप्त करने के लिए इन निनिर्माताओं के संबंधित उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों को भी लिखा था। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकरण एर्णाकुलम प्रभाग और थाणे से सूचना प्राप्त हुई थी।

71. जहां तक जांच के अधीन अलग-अलग रबड़ रसायनों के लिए पृथक् रूप से उत्पादन लागत, बनाने और बेचने की लागत, निवल बिक्री प्राप्ति के साथ बिक्री कीमत आदि से संबंधित आंकड़ों का संबंध है, प्राधिकारी ने सभी अन्य घरेलू उत्पादकों से यह सूचना मंगाई थी। तथापि, एनओसीआईएल को छोड़कर किसी भी अन्य घरेलू उत्पादक ने इस मुद्दे पर कोई पर्याप्त निविष्टियां उपलब्ध नहीं कराई हैं जिनका प्रयोग क्षति विश्लेषण में किया जा सके। पूर्वोक्त में महेनजर प्राधिकारी मानते हैं कि किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध नहीं कराई है और यह कि नियमावली के अंतर्गत एनओसीआईएल घरेलू उद्योग है।

72. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री

प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की दशा पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर विचार करना अपेक्षित है। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मापदंडों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि की भी जाच की जानी अपेक्षित है।

## छ.2. घरेलू उद्योग के विचार:

73. घरेलू उद्योग ने उसे वास्तविक क्षति होने का दावा किया है। अलग-अलग रबड़ रसायनों के संबंध में मौखिक सुनवाई के संपन्न होने के बाद अपने अनुरोधों में उन्होंने यह दावा किया है कि:

क. **पीएक्स-13** - पीएक्स-13 के आयातों में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। आयातों में भारत में कुल आयात, भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। कीमत प्रभाव के संबंध में यह पाया गया है कि आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती कर रहे थे और क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी गिरावट आई है। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि पहले यह उत्पाद यूरोप और ताइवान से पाटन का सामना कर रहा था और 7 जुलाई, 2005 को अंतरिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। पहले घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ और उसके बाद उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री कीमत, लाभ, नकद लाभ और निवेशों पर आय की दृष्टि से इसमें विकृति आई। घरेलू बिक्रियों और बाजार हिस्से में गिरावट आई तथा संपूर्ण क्षति अवधि में मालसूची में वृद्धि हुई। सर्वप्रथम आयातों ने घरेलू कीमतों को कम किया और उसके बाद उस पर ह्रासकारी दबाव बनाया। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के निष्पादन में बिक्री कीमत और लाभ की दृष्टि से तिमाही वार आधार पर विकृति आई है।

ख. **पीवीआई** - पीवीआई के आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से आयातों में भारी वृद्धि हुई है। कीमत प्रभाव के संबंध में यह पाया गया है कि आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती कर रहे थे और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, मालसूची, बिक्री कीमत लाभों, नकद लाभ और निवेशों पर आय की दृष्टि से विकृति आई है। यद्यपि, वर्ष 2005-06 तक घरेलू बिक्रियों में वृद्धि हुई थी, तथापि, मांग में वृद्धि और घरेलू उद्योग के 2004-05 में क्षमता बढ़ाए जाने के बावजूद जांच अवधि में इसमें गिरावट आई थी। संपूर्ण अवधि के दौरान आयातों ने घरेलू कीमतों में कमी की है।

ग. **टीडीक्यू** - टीडीक्यू के आयातों में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। आयातों में भारत में उत्पादन और खपत तथा आयातों की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। कीमत प्रभाव के



संबंध में आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती की जा रही थी। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत जो जांच की शुरुआत और अन्य स्रोतों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद वर्ष 2005-06 तक बढ़ी थी, में जांच अवधि में भारी गिरावट आई थी और यह गिरावट तिमाहीवार आधार पर जांच अवधि में जारी रही थी। परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान तिमाहीवार आधार पर लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय में गिरावट आई थी। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इस उत्पाद को पहले ईयू और ताइवान से पाटन का सामना करना पड़ा था जिसमें जांच शुरू की गई थी और 7 जुलाई, 2005 को पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। घरेलू उद्योग के निष्पादन में वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच ईयू और ताइवान पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्रियों, बिक्री कीमत, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेशों पर आय की दृष्टि से सुधार हुआ था। तथापि, इन सभी कारकों के संबंध में निष्पादन में चीन से पाटन के कारण क्षति अवधि में एक बार फिर विकृति आई थी। घरेलू उद्योग की मालसूची में संपूर्ण अवधि के दौरान वृद्धि हुई थी। घरेलू उद्योग ने मांग में वृद्धि की तर्ज पर अपनी क्षमता बढ़ाई थी। तथापि, वर्ष 2005-06 तक सुधार होने के बाद क्षति अवधि में क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई थी। इसके अलावा, बिक्री कीमत, लाभ, निवेश पर आय की दृष्टि से तिमाहीवार आधार पर घरेलू उद्योग के निष्पादन में विकृति आई थी।

- घ. टीएमटी- टीएमटी के आयातों में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन/खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई थी। कीमत प्रभाव के संबंध में आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती की जा रही थी। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत 2005-06 तक बढ़ी थी, परंतु जांच अवधि में इसमें गिरावट आई। इसके अलावा, यद्यपि उत्पादन लागत में वृद्धि हुई तथापि, बिक्री कीमत में गिरावट आई। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, घरेलू उद्योग के निष्पादन में वर्ष 2005-06 तक उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्राओं, लाभों, निवेश पर आय और नकद लाभों की दृष्टि से सुधार हुआ था जबकि मालसूची में वृद्धि हुई और बाजार हिस्से में गिरावट आई। घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि में कीमतों में भारी कमी की थी और परिणामस्वरूप लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ में गिरावट आई। यह गिरावट जांच अवधि के दौरान भी तिमाहीवार निष्पादन में जारी रही।

ङ सीबीएस- सीबीएस के आयातों में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन/खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई थी। कीमत प्रभाव के संबंध में आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती की जा रही थी। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच वृद्धि हुई और क्षति अवधि के दौरान इसमें भारी गिरावट आई। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि क्षमता उपयोग और माल सूची की दृष्टि से संपूर्ण क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन में

विकृति आई है। घरेलू उद्योग के निष्पादन में पहले सुधार हुआ और तत्पश्चात् बिक्री कीमत, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ की दृष्टि से विकृति आई।

च. एमबीटी - एमबीटी के आयातों में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन/खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। कीमत प्रभाव के संबंध में आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती की गई थी। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई और जांच अवधि के दौरान इसमें भारी गिरावट आई, जबकि संपूर्ण क्षति अवधि में उत्पादन लागत में वृद्धि हुई। इस प्रकार आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी और मंदी ला रहे थे। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, घरेलू उद्योग की बिक्रियों में 2004-05 तक सुधार हुआ और तत्पश्चात् गिरावट आई। उत्पादन और क्षमता उपयोग में 2005-06 में भारी वृद्धि हुई। 2005-06 में भारी गिरावट आई और तत्पश्चात् जांच अवधि के दौरान पुनः वृद्धि हुई, यद्यपि ये वृद्धि 2003-04 और 2004-05 के स्तरों से कम थी। यद्यपि, उत्पादन लागत में संपूर्ण क्षति अवधि में वृद्धि हुई तथापि, बिक्री कीमत में 2005-06 तक वृद्धि हुई और जांच अवधि में गिरावट आई। परिणामस्वरूप 2005-06 तक लाभ, नकद लाभ और निवेश में आय पर सुधार हुआ और जांच अवधि में इनमें गिरावट आई।

74. क्षति संबंधी अन्य संबंधित मुद्दों के संबंध में, निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।

- i. मालसूचियां - क्षति अवधि के दौरान मालसूची के स्तरों में भारी वृद्धि हुई है।
- ii. कार्यशील पूंजी - पाटन के कारण कार्यशील पूंजी में वृद्धि हुई है।
- iii. अंशदान का मार्जिन - अंशदान के मार्जिनों में 2005-06 तक सुधार हुआ है, तथापि तत्पश्चात् जांच अवधि में इनमें तेजी से गिरावट आई है।
- iv. कर्जदार- क्षति अवधि के दौरान औसत संग्रह अवधि में भारी वृद्धि हुई।
- v. रोजगार एवं मजदूरी - क्षति अवधि के दौरान रोजगार की संख्या और दी गई मजदूरी में गिरावट आई है।
- vi. पूंजीनिवेश जुटाने की क्षमता - कंपनी ने इस बात पर विचार करते हुए कि रबड़ रसायनों की मांग में भारी वृद्धि हो रही है, नए निवेश किए हैं।
- vii. वृद्धि- वर्ष 2005-06 तक प्रत्येक संबंधित रबड़ रसायन के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक थी। तथापि, जांच अवधि के दौरान संबद्ध रबड़ रसायनों में से प्रत्येक के संबंध में वृद्धि ऋणात्मक हो गई। अधिकांश मापदंडों की दृष्टि से ऋणात्मक वृद्धि देखी जा सकती है। इसके अलावा, तिमाहीवार आधार पर वृद्धि लगातार ऋणात्मक हो रही है।

विधि. घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान वास्तविक क्षति हुई है। यह विकृति उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्राओं, लाभ/हानि, नकद प्रवाह और निवेशों पर आय के मामले में तिमाही-वार आधार पर और अधिक प्रदर्शित होती है।

### छ.3 निर्यातकों के विचार

75. शिनर्जकेम कं. समूह ने अनुरोध किया है कि याचिकाकर्ता ने गुमराह करते हुए घरेलू उद्योग को क्षति के मुद्दे पर अधूरी सूचना प्रस्तुत की है। यह दावा किया गया है कि विश्लेषित क्षति संबंधी 12 मापदंडों में से केवल 4 से क्षति का पता चलता है जबकि लाभप्रदता सहित सभी अन्य मापदंडों से बढ़ती हुई प्रवृत्ति का पता चलता है। आगे यह अनुरोध किया गया है कि नोसिल ने उन मापदंडों की जान-बूझकर तुलना की है जिनमें तुरंत पिछले वर्ष और न कि आधार वर्ष के संबंध में क्षति का पता चल सका है। उन्होंने मांग की है कि प्राधिकारी को आधार वर्ष के साथ जांच अवधि के दौरान निष्पादन की तुलना करते हुए क्षति का विश्लेषण करना चाहिए। यह दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता का यह दावा कि उन्होंने पहुंच कीमत में कमी के अनुरूप कीमतों में कमी की है, गलत है और भ्रामक है तथा इसके विपरीत नोसिल ने क्षति अवधि के दौरान कीमत में वृद्धि से कहीं अधिक बढ़ोत्तरी की और वह आधारभूत क्षति अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान अपने लाभ में वृद्धि करने में समर्थ हुआ है। उन्होंने यह दलील दी है कि घरेलू उद्योग का यह दावा कि कीमतों में उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप बढ़ोत्तरी नहीं हुई है, भ्रामक है क्योंकि एनएसआर में उत्पादन लागत में केवल 24% की वृद्धि की तुलना में 54% की बढ़ोत्तरी हुई है। यह भी उल्लेख किया गया है कि नोसिल का यह दावा की पीवीआईटी आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान ऋणात्मक हो गया है, भ्रामक है क्योंकि यह ऐसी किसी स्थिति में आधारहीन है जब बिक्री कीमत में बढ़ोत्तरी उत्पादन लागत की तुलना में अधिक हुई हो। अपने अनुरोधों में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि नोसिल गलत विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी को भ्रमित करने में सफल हुआ है। कंपनी ने अनुरोध किया है घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में सुधार हुआ है। निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि वर्ष 2005-06 में कीमत में वृद्धि कतिपय अन्य देशों से संबद्ध सामग्री के आयातों पर डीजीएडी द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण हुई थी। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग का तर्क और निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह निष्कर्ष कि अन्य देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण 2005-06 तक लाभों, नकद प्रवाह और निवेशों पर आय की दृष्टि से उनके निष्पादन में सुधार हुआ लेकिन जांच अवधि के दौरान इसमें विकृति आई, तथ्यों पर आधारित नहीं है। घरेलू उद्योग ने वर्ष 2005-06 के दौरान अपने निष्पादन में सुधार के सभी कारण उपलब्ध कराए हैं। निर्यातक ने आगे यह अनुरोध किया है कि जांच अवधि के दौरान क्षति संबंधी मापदंडों की तुलना आधार वर्ष के साथ की जानी चाहिए।

76. कुन्हो पेट्रोकेमिकल्स कंपनी लि., ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग के पास विभिन्न रबड़ रसायनों हेतु अलग-अलग क्षमताएं हैं। कंपनी यह समझती है कि घरेलू उद्योग के पास एक स्विंग संयंत्र है जिसका प्रयोग अनेक रसायनों के उत्पादन में किया जा सकता है और

इसका उपयोग विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण में किया जा रहा है। यद्यपि, घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित कुछ उत्पाद इस जांच में शामिल हैं, तथापि अन्य उत्पाद शामिल नहीं हैं। ऐसे परिदृश्य में केपीसी यह नहीं जानती है कि किस आधार पर इस जांच के अंतर्गत शामिल सभी सब्सिडी रसायनों के लिए क्षमता आवंटित की गई है। के पी सी प्राधिकारी से उस आधार को प्रकट करने का अनुरोध करती है, जिस पर इस जांच के प्रयोजनार्थ प्रत्येक संबद्ध वस्तु हेतु क्षमता निर्धारित की गई थी।

77. उन्होंने आगे अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग 6 पीपीडी पर 2005-06 के दौरान 36.06 रूपए प्रति किग्रा. का लाभ अर्जित कर रहा था यद्यपि, जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों में दर्शाया गया है, वर्ष 2006-07 (जांच अवधि) के दौरान उसने 10.33 रूपए प्रति किग्रा. का लाभ कमाया है। इस प्रकार केवल लाभ में कमी आई थी। केपीसी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग उत्पाद को लगभग 165 रूपए प्रति किग्रा. पर बेच रहा था। यदि उन्होंने 10.33 रूपए प्रति किग्रा. का लाभ कमाया था, तो यह कुल लागत का 7% लाभ बनता है। सामान्यतः प्राधिकारी कुल लागत पर केवल 5% का लाभ देते हैं। इस प्रकार घरेलू उद्योग पर्याप्त लाभों से अधिक लाभ कमा रहा था। उनकी मांग इस प्रकार की प्रतीत होती है कि उन्हें अस्वाभाविक लाभ कमाने के लिए संरक्षित किया जाना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग पाटनरोधी उपायों का प्रयोग करके व्यापार विकृतियां उत्पन्न करना चाहता है जहां कोई पहले से मौजूद व्यापार विकृतियों से निपट न सके।

78. शेंडोंग शेंजियांग केमिकल कंपनी लि. और शेंडोंग यांगू हुआताई केमिकल कं. लि. ने अनुरोध किया है कि शेंजियान या यांगू ने जांच अवधि के दौरान कथित पाटन द्वारा घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंचाई है। उन्होंने आगे अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग का क्षति संबंधी दावा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है और अपने सभी उत्पादों के लिए पाटनरोधी संरक्षण प्राप्त करने की मंशा वाला प्रतीत होता है। सामान्यतः आरओसी 22% कर लिया जाता है और लाभ और लागतें 14% पर, ये दोनों वैश्विक औसत से काफी अधिक हैं। एक बार किसी कंपनी के अपने एक उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क प्राप्त कर लेने पर अन्य उत्पादों पर क्षति दिखाना सरल हो जाता है लेकिन कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है और क्षति का कारण संभवतः कथित पाटन को छोड़कर अन्य कारक हो सकते हैं।

#### **ख.4 प्राधिकारी द्वारा जांच**

79. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और वह उठाए गए मुद्दों तथा घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों की आगे निम्नानुसार जांच करते हैं:

**छ.5: क्षति का संचयी मूल्यांकन**

80. नियमावली के अनुबंध 2(iii) के अनुसार यदि एक से अधिक देशों से एक उत्पाद के आयातों की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो तो प्राधिकारी के लिए ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन तब अपेक्षित होता है जब यह निर्धारित करे कि :

- क प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3% से कम है, आयात समग्र रूप से समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक बनते हैं; और
- ख आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

81. इस मामले में 6 पीपीडी के संबंध में जांच एक से अधिक देश के लिए की जा रही है । अतः प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण 6 पीपीडी के संबंध में इन दोनों स्रोतों से की जानी चाहिए । प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश के बारे में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा 3% से अधिक है । निम्नलिखित के मद्देनजर इन दोनों देशों के संबंध में क्षति का संचयी निर्धारण उचित है-

- i. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात उसी टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;
- ii. प्राधिकारी ने यह पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित 6 पीपीडी का वाणिज्यिक स्थानापन्न है;
- iii. प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना से यथोचित रूप से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि ये समान वस्तुएं हैं;
- iv. कोरिया और चीन से आयात उन्हीं श्रेणी के ग्राहकों द्वारा किए गए हैं जो घरेलू उद्योग से उस उत्पाद की खरीद कर रहे हैं ।

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु के संबंध में 6पीपीडी के पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

**छ.6 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव**

83. संबद्ध एबड रसायन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत सीमाशुल्क उप शीर्ष 38.12, 29.34 और 29.25 के अधीन दर्शाए गए हैं। चूंकि सीमाशुल्क वर्गीकरण विचाराधीन उत्पादों के लिए समर्पित नहीं है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद की मात्रा और उसके आयातों का मूल्य निर्धारित करने के लिए डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रकाशित आयात सूचना के सारांश पर विश्वास नहीं किया गया है। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा और मूल्य निर्धारित करने की दृष्टि से आईबीआईएस द्वारा प्रदत्त आंकड़ों पर भरोसा किया है। तथापि, प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद याचिकाकर्ता ने डीजीसीआईएंड एस से एकत्रित और सूचना उपलब्ध कराई है। याचिकाकर्ता ने आईबीआईएस और डीजीसीआईएंडएस द्वारा बताए गए आयातों का एक विश्लेषण भी उपलब्ध कराया है, जिसमें याचिकाकर्ता ने दोनों आंकड़ों में प्रस्तुत सभी सौदों की तुलना की है और यह सिद्ध किया है कि आईबीआईएस द्वारा बताए गए अनेक सौदे डीजीसीआईएंड एस द्वारा शामिल नहीं किए गए थे और इसी प्रकार डीजीसीआईएंड में बताए गए काफी सौदे आईबीआईएस में शामिल नहीं किए गए थे। याचिकाकर्ता ने आगे दावा किया कि यद्यपि, देश में सभी सीमाशुल्क पत्तनों के संबंध में डीजीसीआईएंड के आंकड़े उपलब्ध हैं; आईबीआईएस के आंकड़े केवल चुनिंदा पत्तनों के संबंध में उपलब्ध हैं। अतः आईबीआईएस के आंकड़ों में स्वाभाविक रूप से देश में अनेक सीमाशुल्क पत्तनों में बताए गए आयातों को शामिल नहीं किया जाएगा। याचिकाकर्ता ने उत्पाद विवरण का प्रयोग करके डीजीसीआईएंड से सूचना प्राप्त करने का दावा किया है जिससे यह सिद्ध होता है कि टीडीक्यू और सीबीएस के बड़ी संख्या में आयातों को पहले उपलब्ध कराए गए डीजीसीआईएंड के आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया था। याचिकाकर्ता के दावे को विवादित ठहराते हुए एटीएमए ने यह तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता ने स्वयंसिद्ध सूचना पर भरोसा किया है। यह नोट किया जाता है कि एटीएमए संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं का एक संघ है।

84. प्राधिकारी मानते हैं कि एटीएम ने न तो आयातों की मात्रा और मूल्य निर्धारित करने के लिए कोई सूचना उपलब्ध कराई है और न ही इस संबंध में कोई स्वीकार्य कारण दिया है कि आईबीआईएस और डीजीसीआईएंड द्वारा बताए गए सौदावार आयातों से संग्रहित आयात संबंधी सूचना विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण हेतु क्यों उचित नहीं होगी। तथापि, प्राधिकारी ने इस मामले के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे की जांच की है और उनका यह निष्कर्ष है कि आईबीआईएस आंकड़ों के स्रोत से आंकड़े यद्यपि पूर्ण हैं, संबद्ध वस्तु के आयातों की अधिक मात्रा दर्शाते हैं। तथापि, ये आईसीडी लुधियाना पत्तन के जरिए किए गए आयातों को प्रदर्शित नहीं करते हैं। अतः प्राधिकारी डीजीसीआईएंड आंकड़ा स्रोत में यथाप्रदर्शित आईसीडी लुधियाना के जरिए किए गए आयातों को मात्रा संबंधी विश्लेषण हेतु आईबीआईएस आंकड़ा स्रोत के विस्तृत सौदावार आंकड़ों में शामिल करते हैं।

#### छ.6.1 आयात मात्राएं तथा संबद्ध देश का हिस्सा

85. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के दावे की जांच की है और उन्होंने आईबीआईएस से आयात आंकड़ों की डीजीसीआईएंड स्रोत से सौदावार आंकड़ों के साथ तुलना के बाद घरेलू उद्योग के अनुरोध को सही माना है। प्राधिकारी ने मात्रा संबंधी विश्लेषण करते समय इस पहलू पर विचार किया है और इसे निम्नांकित तालिका में विस्तृत रूप से दर्शाया गया है :

**आईबीआईएस आंकड़े और डीजीसीआईएंडएस आंकड़े (डीजीसीआईएंड के आंकड़े केवल मुखियाना पत्तन के लिए)**

आयात	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जोड़ अवधि
<b>पीएक्स 13</b>					
चीन जन.गण.	एमटी	23	182	443	1620
कोरिया गणराज्य	एमटी	51	699	1480	3396
संबद्ध देश	एमटी	74	881	1923	5016
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1191	2599	6778
अन्य देश	एमटी	3366	4774	2154	785
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	142	64	23
कुल आयात	एमटी	3440	5655	4077	5781
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	164.39	118.52	168.05
<b>एमबीटी</b>					
चीन जन.गण.	एमटी	118	280	447	619
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	237.29	378.81	524.58
अन्य देश	एमटी	2	8	13	15
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	400.00	650.00	750.00
कुल आयात	एमटी	120	288	460	634
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	240.00	383.33	528.33
<b>सीबीएस</b>					
चीन जन.गण.	एमटी	285	672	627	686
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	235.79	220.00	244.21
अन्य देश	एमटी	77	174	14	31
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	225.97	18.18	40.26
कुल आयात	एमटी	362	846	641	727
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	233.70	177.07	200.83
<b>पीवीआई</b>					
चीन जन.गण.	एमटी	128	191	210	361
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	149.22	164.06	282.03
अन्य देश	एमटी	7	0	0	11
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	0.00	0.00	157.14
कुल आयात	एमटी	135	191	210	372
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	141.48	155.56	275.66
<b>टीडीक्यू</b>					
चीन जन.गण.	एमटी	23	734	862	1315
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	3191.30	3747.83	5717.39
अन्य देश	एमटी	544	664	629	295
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	122.06	115.63	54.23
कुल आयात	एमटी	567.00	1398.00	1491.00	1610.00
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	246.56	262.96	283.95

<b>टीएमटी</b>					
चीन जन.गण.	एमटी	37	100	235	203
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	270.27	635.14	548.65
अन्य देश	एमटी	0	0	2	15
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध			100.00	750.00
कुल आयात	एमटी	37	100	237	218
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	270.27	640.54	589.19
<b>आयातों में बाजार हिस्सा</b>					
<b>पीएक्स 13</b>					
चीन जन.गण.	%	0.67	3.22	10.87	28.02
कोरिया गणराज्य	%	1.48	12.36	36.30	58.74
संबद्ध देश	%	2.15	15.58	47.17	86.77
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	724.22	2192.63	4033.49
अन्य देश	%	97.85	84.42	52.83	13.23
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	86.28	53.99	13.52
<b>एमबीटी</b>					
चीन जन.गण.	%	98.33	97.22	97.17	97.63
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	98.87	98.82	99.29
अन्य देश	%	1.67	2.78	2.83	2.37
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	166.67	169.57	141.96
<b>सीबीएस</b>					
चीन जन.गण.	%	78.73	79.43	97.82	95.74
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	100.89	124.24	121.60
अन्य देश	%	21.27	20.57	2.18	4.26
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	96.69	10.27	20.05
<b>पीपीआई</b>					
चीन जन.गण.	%	94.81	100.00	100.00	97.04
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	105.47	105.47	102.35
अन्य देश	%	5.19	0.00	0.00	2.96
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	0.00	0.00	57.03
<b>टीडीएच</b>					
चीन जन.गण.	%	4.06	52.50	57.81	81.68
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	1294.33	1425.23	2013.52
अन्य देश	%	95.94	47.50	42.19	18.32
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	49.50	43.97	19.10
<b>टीएमटी</b>					
चीन जन.गण.	%	100.00	100.00	99.16	93.12
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	100.00	99.16	93.12
अन्य देश	%	0.00	0.00	0.84	6.88
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध			100.00	815.37



### 86. प्रतिकारी का यह निष्कर्ष है कि

- क. संबद्ध देशों से प्रत्येक रबर रसायन के आयातों में क्षति अवधि के दौरान समान रूप से भारी वृद्धि हुई है।
- ख. प्रत्येक संबद्ध रबर रसायन के संबंध में एमवीटी और टीएमटी को छोड़कर संबद्ध देशों के हिस्से में क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है।
- ग. आयात जो प्राथमिक रूप से पहले अन्य देशों से हो रहे थे, जिन पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है, जांच अवधि के दौरान ये आयात अब प्राथमिक रूप से चीन से हो रहे हैं। ऐसी स्थिति से प्रथमदृष्टया यह प्रदर्शित होता है कि संबद्ध देशों से ऐसे अन्य देशों से फॉरिज कीमतों पर पहले पाए गए आयातों को प्रतिस्पर्धा से बाहर कर दिया है।
- घ. भारत में कुल आयातों की तुलना में संबद्ध देश से आयातों के बारे में विश्लेषण के परिणामस्वरूप उनकी असम-अलग क्षमता यह दर्शाती है कि :

i. बी.एन. 13 क्षति अवधि से संपूर्ण जांच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा लगातार अधिक रही है और संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा 2003-04 के 2.15% के नगण्य स्तर से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 86.77% के काफी अधिक स्तर पर पहुंच गया है।

ii. एमवीटी यद्यपि, चीन जन.गण. से आयातों का बाजार हिस्सा काफी कम समान रहा है, तथापि मात्रा में अन्य स्रोतों से केवल 13 मी.टन की तुलना में 500 मी.टन का भारी उछाल आया है।

iii. सीडीएस-संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में वर्ष 2004-05 तक मात्रा की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई थी, परंतु 2005-06 में इस मात्रा में काफी कमी हुई है। परंतु इसकी तुरंत पूर्ववर्ती अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान पुनः इसमें लगभग 11% की मामूली वृद्धि हुई है।

iv. पीवीआई यद्यपि, आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों में लगभग 200% की वृद्धि हुई है, तथापि कुल आयातों में चीन का बाजार हिस्सा जो 2003-04 में 94.8% था, जांच अवधि में बढ़कर 97% हो गया है। 2004-05 और 2005-06 के दौरान चीन का बाजार हिस्सा कुल आयातों का 100% था।

v. टीडीक्यू चीन जन.गण. से आयातों का बाजार हिस्सा आधार अवधि 2003-04 के दौरान केवल 4% की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़कर 82% हो गया है।

vi. टीएमटी यद्यपि, संबद्ध देश से आयातों में कई गुना वृद्धि हुई है, तथापि चीन जन.गण. से आयातों के बाजार हिस्से में लगभग 7% की मामूली गिरावट आई है।

### छ.7 मांग और बाजार हिस्सा

87. प्राधिकारी द्वारा संबद्ध वस्तु की मांग घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों, अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी देशों से आयातों को जोड़कर निर्धारित की गई है। सभी देशों से आयातों को आईबीआईएस आंकड़ा स्रोत में प्रदर्शित सभी आयातों तथा अतिरिक्त रूप से डीजीसीआईएंडएस आंकड़ा स्रोत में यथाप्रदर्शित लुधियाना पत्तन से हुए आयातों को शामिल करके जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है, प्रारंभिक जांच परिणाम स्तर से संशोधित किया गया है। मांग और बाजार हिस्से में परिवर्तन में अन्य भारतीय उत्पादकों अर्थात् लेंगसेस और मर्कम द्वारा प्रारंभिक जांच परिणामों को जारी किए जाने के बाद उपलब्ध कराए गए आंकड़ों को शामिल करके संशोधन किया गया है। प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध वस्तु की मांग आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान बढ़ती रही है।

88. भारत में मांग/खपत में प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन के आयातों का हिस्सा प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार निर्धारित किया गया है -

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
<b>पीएक्स 13</b>					
घरेलू उद्योग	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	93	96	68
अन्य उत्पादक	एमटी	0	0	***	***
सूचीबद्ध				100	153
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	93	132	123
कुल आत	एमटी	3440	5655	4077	5781
सूचीबद्ध		100	164	119	168
कुल मांग	एमटी	5971	8007	7424	8882
सूचीबद्ध		100	134	124	149
<b>एमबीटी</b>					
घरेलू उद्योग	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	142	123	112
अन्य उत्पादक	एमटी	***	***	***	***

सूचीबद्ध		100	243	227	257
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	177	159	155
कुल आयात	एमटी	120	288	460	634
सूचीबद्ध		100	240	383	528
कुल मांग	एमटी	601	1137	1224	1378
सूचीबद्ध		100	189	204	229
सीबीएस					
घरेलू उद्योग	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	105	123	135
अन्य उत्पादक	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	492	441	474
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	152	162	176
कुल आयात	एमटी	362	846	641	727
सूचीबद्ध		100	234	177	201
कुल मांग	एमटी	1139	2029	1899	2096
सूचीबद्ध		100	178	167	184
पीवीआई					
घरेलू उद्योग	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	122	139	138
अन्य उत्पादक	एमटी	0	0	0	0
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	122	139	138
कुल मांग	एमटी	135	191	210	372
सूचीबद्ध		100	141	156	276
कुल मांग	एमटी	479	609	688	846
सूचीबद्ध		100	127	144	177
टीडीक्यू					
घरेलू उद्योग	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	97	104	101
अन्य उत्पादक	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	419	345	356
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	151	145	144
कुल आयात	एमटी	567	1398	1491	1610
सूचीबद्ध		100	247	263	284
कुल मांग	एमटी	3153	5301	5239	5927
सूचीबद्ध		100	168	166	169
टीएमटी					
घरेलू उद्योग	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	99	105	124
अन्य उत्पादक	एमटी	***	***	***	***

सूचीबद्ध		100	109	104	117
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	104	105	121
कुल आयात	एमटी	37	100	237	218
सूचीबद्ध		100	270	641	589
कुल भाग	एमटी	924	1019	1166	1290
सूचीबद्ध		100	110	126	140
भाग में बाजार हिस्सा					
<b>पीएस13</b>					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल भारतीय उद्योग	%	42.39	29.37	45.08	34.91
चीन जन.गण.	%	0.39	2.27	5.97	18.24
कोरिया गणराज्य	%	0.85	8.73	19.94	38.23
संबद्ध देशक	%	1.24	11.00	25.90	56.47
अन्य देशों से आयात	%	56.37	59.62	29.02	8.61
<b>एम्बीटी</b>					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल भारतीय उद्योग	%	80.04	74.66	62.41	53.98
चीन जन.गण.	%	19.62	24.64	36.53	44.93
अन्य देशों से आयात	%	0.33	0.70	1.06	1.09
<b>सीबीएस</b>					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल भारतीय उद्योग	%	68.22	58.30	66.25	65.35
चीन जन.गण.	%	25.02	33.12	33.02	33.17
अन्य देशों से आयात	%	6.76	8.58	0.74	1.48
<b>पीवीआन</b>					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल भारतीय उद्योग	%	71.80	68.63	69.48	56.02
चीन जन.गण.	%	26.73	31.37	30.52	42.68
अन्य देशों से आयात	%	1.46	0.00	0.00	1.30
<b>टीडीक्यू</b>					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
कुल भारतीय उद्योग	%	82.02	73.63	71.54	69.77
चीन जन.गण.	%	0.73	13.85	16.45	24.69
अन्य देशों से आयात	%	17.25	12.52	12.01	5.54
<b>टीएमटी</b>					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***

अन्य उत्पादन	%	***	***	***	***
कुल भारतीय उद्योग	%	88.00	90.19	79.87	83.10
चीन आप्रान	%	4.00	9.81	20.18	15.74
अन्य देशों से आयात	%	0.00	0.00	0.17	1.18

89. अधिकारी नोट करते हैं कि पीएक्स-13, एमबीटी, सीबीएस और टीडीक्यू की डिमांड और उत्पादन संबंधी आंकड़े लॉगसेस द्वारा उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, लेकिन उनके उत्पाद शुल्क अधिकारण ने यह आंकड़े 2004-05 और उसके बाद की अवधि के लिए उपलब्ध कराए हैं। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वर्ष 2003-04 के दौरान लॉगसेस (जिसे पहले बीएमए इंडिया लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) पीएक्स 13 का उत्पादन नहीं करती थीं। अधिकारकर्ता का यह अनुरोध अधिकारी द्वारा सही पाया गया है क्योंकि संबंधित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी ने सूचित किया है कि लॉगसेस विनिर्माता के रूप में जुलाई, 2004 से ही संजीवित हुआ था। उपर्युक्त तालिका से अधिकारी का यह निष्कर्ष है कि

(i) पीएक्स-13 उत्पाद की मांग 5971 मी.टन (2003-04) से पर्याप्ततः बढ़कर 8882 मी.टन (जांच अवधि) हो गई है। संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में मांग का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान केवल 1.24% था, वह जांच अवधि में 58.47% के स्तर तक पहुंच गया जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान \*\*\*% था, जांच अवधि में घटकर \*\*\*% रह गया। भारतीय उत्पादकों (घरेलू उद्योग सहित) का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में 42.39% था, जांच अवधि में घटकर 34.91% रह गया। संबद्ध देशों से इतर देश से आयातों का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान कुल मांग का 56.37% था, जांच अवधि में घटकर 8.61% रह गया।

(ii) एमबीटी- उत्पाद की मांग 2003-04 के दौरान 6017 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि में 1378 (मी.टन) हो गई। चीन से हुए आयातों का मांग में हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान केवल 19.62% था, जांच अवधि में बढ़कर 44.93% हो गया जबकि घरेलू उद्योग का हिस्सा लगभग 2003-04 में \*\*\*% से घटकर जांच अवधि के दौरान \*\*\*% रह गया। भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा (घरेलू उद्योग सहित), जो वर्ष 2003-04 में कुल मांग का 80.04% था, जांच अवधि में घटकर केवल 53.98 % रह गया।

(iii) सीबीएस- उत्पादन की मांग वर्ष 2003-04 में 1039 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि में 2098 मी.टन हो गई। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो 2003-04 में \*\*\*% था, जांच अवधि में घटकर \*\*\*% रह गया। चीन से आयातों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 25.02% से बढ़कर 33.17% हो गया। कुल भारतीय उत्पादों का बाजार हिस्सा (घरेलू उद्योग सहित) जो वर्ष 2003-04 में कुल मांग का 68.22% था, जांच अवधि में घटकर 65.35 % रह गया।

iv) पीवीआई- उत्पाद की मांग वर्ष 2003-04 में 479 मी.टन से पर्याप्त: बढ़कर जांच अवधि के दौरान 846 मी.टन हो गई। मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में \*\*\*% था, जांच अवधि में घटकर \*\*\*% हो गया जबकि चीन से आयात 26.73% से बढ़कर इस अवधि में 42.68% हो गये। इसके अलावा, भारतीय उत्पादकों (घरेलू उद्योग सहित) का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में 71.80% था, जांच अवधि के दौरान घटकर मांग का 56.02% रह गया।

v) टीडीक्यू-उत्पाद की मांग वर्ष 2003-04 के दौरान 3153 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 5327 मी.टन हो गई। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान \*\*\*% था, जांच अवधि के दौरान घटकर \*\*\*% रह गया। भारतीय उत्पादकों (घरेलू उद्योग सहित) का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान 82.02% था, जांच अवधि में घटकर 69.77% रह गया। इसी के साथ चीन से हुए आयात जो वर्ष 2003-04 के दौरान मांग का केवल 0.73% थे, जांच अवधि में तेजी से बढ़कर 24.69% हो गए।

vi) टीएमटी- उत्पाद की मांग वर्ष 2003-04 में 924 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 1290 मी.टन हो गई किन्तु घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 2003-04 में \*\*\*% से घटकर जांच अवधि में \*\*\*% रह गया। भारतीय उत्पादकों (घरेलू उद्योग सहित) का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में 96% था, घटकर जांच अवधि के दौरान 83.10% रह गया। चीन से आयातों का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में केवल 4% था, जांच अवधि में काफी बढ़कर 15.74% हो गया।

#### छ.8 घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

पीएक्स 13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
स्थापित क्षमता	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	103.64	103.64	107.27
उत्पादन	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	105.68	102.11	92.64
क्षमता उपयोग (%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	101.97	98.53	86.36
एमबीटी					
स्थापित क्षमता	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	100.00	100.00	100.00
उत्पादन	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	131.04	82.05	98.88
क्षमता उपयोग (%)	%	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	131.04	82.05	98.88
<b>सीसीएस</b>					
स्थापित क्षमता	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	109.09	131.82	154.55
उत्पादन	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	102.21	122.83	138.13
क्षमता उपयोग (%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	93.70	93.18	89.38
<b>पीपीआई</b>					
स्थापित क्षमता	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	103.85	103.85	103.85
उत्पादन	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	103.71	110.58	102.08
क्षमता उपयोग (%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	99.87	106.48	98.28
<b>टीसीएस</b>					
स्थापित क्षमता	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	107.14	107.14	120.00
उत्पादन	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	106.40	114.79	114.19
क्षमता उपयोग (%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	99.30	107.14	95.16
<b>टीएमटी</b>					
स्थापित क्षमता	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	100.00	104.17	104.17
उत्पादन	एम.टी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	90.47	124.32	103.37
क्षमता उपयोग (%)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	90.47	119.35	99.23

90. प्राधिकारी उपर्युक्त तालिका के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचे हैं:

i. पी एक्स-13- 2003-04 के दौरान उत्पादन \*\*\* मी.टन था जो 2004-05 के दौरान बढ़कर \*\*\* मी.टन हो गया तत्पश्चात उत्पादन में गिरावट शुरू हुई और यह जांच अवधि के दौरान \*\*\* मी.टन के स्तर पर जा पहुंची। इसके परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग जो पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान 81% - 83% के बीच था, घटकर जांच अवधि के दौरान 71% रह गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता में \*\*\* मी.टन से \*\*\* मी.टन की मामूली वृद्धि की थी। यदि जांच अवधि के दौरान क्षमता में कोई वृद्धि नहीं होती तो क्षमता उपयोग 71% के बजाए 73% होता। तब भी उनके क्षमता उपयोग के स्तर में भारी गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती।

ii. एम्बीटी- 2003-04 के दौरान, घरेलू उद्योग का उत्पादन \*\*\* मी.टन था जो संयंत्र की 84% क्षमता उपयोग के स्तर पर बढ़कर \*\*\* मी.टन हो गया। तत्पश्चात् उत्पादन में 2005-06 के दौरान \*\*\* मी.ट. के स्तर तक गिरावट आई। जांच अवधि के दौरान उत्पादन \*\*\* मी.टन था और क्षमता उपयोग 2003-04 के दौरान 63% और 2004-05 के दौरान 84% की तुलना में 63% था। क्षमता उपयोग 2004-05 में 84% था, जो जांच अवधि के दौरान घटकर स्थापित क्षमता के स्थिर होने के बावजूद 63% रह गया। आधार वर्ष 2003-04 से तुलना करने पर भी जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग कम था।

iii. सीबीएस- घरेलू उद्योग द्वारा बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए उत्पाद की क्षमता में वृद्धि की गई है। क्षमता उपयोग जो वर्ष 2003-04 में 91% था, जांच अवधि के दौरान घटकर 81% रह गया। तथापि, स्थापित क्षमता में वृद्धि का भी इस गिरावट में योगदान रहा है।

iv. पीवीआई-आधार वर्ष 2003-04 में क्षमता उपयोग 85-95% था जो वर्ष 2005-06 के दौरान 96-99% के स्तर पर पहुंचने के बाद जांच अवधि के दौरान घटकर 80-90% रह गया।

v. टीडीक्यू- घरेलू उद्योग ने भारत में उत्पाद की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पाद की क्षमता में वृद्धि की है। क्षमता उपयोग जो वर्ष 2003-04 और 2004-05 के दौरान 82% था वर्ष 2005-06 के दौरान बढ़कर 88% हो गया जिसकी तुलना में जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग केवल 78% था।

vi. टीएमटी -वर्ष 2005-06 तक उत्पादन और क्षमता उपयोग दोनों में वृद्धि हो रही थी। वर्ष 2005-06 के दौरान क्षमता उपयोग 90% था जो जांच अवधि के दौरान तेजी से घटकर 75% रह गया।

#### छ.9 भारतीय उत्पादन के संबंध में पाटित आयात

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
संबद्ध देशों से आयात					
एम्बीटी	मी.टन	118	280	447	819
सीबीएस	मी.टन	285	672	627	696
पीवीआई	मी.टन	128	191	210	361
पीएक्स-13	मी.टन	74	881	1,923	5016
टीडीक्यू	मी.टन	23	734	862	1315
टीएमटी	मी.टन	37	100	235	203
भारतीय उत्पादन					



एमबीटी	सूचीबद्ध	100	153	112	120
सीबीएस	सूचीबद्ध	100	135	154	167
पीवीआई	सूचीबद्ध	100	104	111	102
पीएक्स-13	सूचीबद्ध	100	106	134	126
टीडीक्यू	सूचीबद्ध	100	139	149	135
टीएमटी	सूचीबद्ध	100	98	115	109
भारतीय उत्पादन में संबद्ध आयात का हिस्सा					
एमबीटी	%	15.09	23.33	51.02	66
सीबीएस	%	26	45.53	37.17	37.93
पीवीआई	%	10.96	15.77	16.25	30.29
पीएक्स-13	%	1.64	18.53	31.80	88.17
टीडीक्यू	%	0.37	8.5	9.30	15.70
टीएमटी	%	3.86	10.68	21.36	19.37

91. प्राधिकारी मानते हैं कि भारतीय उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से आयात संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान बढ़ते रहे हैं। टीएमटी को छोड़कर संबद्ध देशों से आयातों में पूर्ववर्ती वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान और वृद्धि हुई है।

#### छ.10 घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा-घरेलू बाजार

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
पीएक्स-13	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	92.91	96.80	67.61
एमबीटी	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	141.62	123.13	111.96
सीबीएस	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	105.39	123.38	135.44
पीवीआई	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	121.55	139.04	137.85
डीडीक्यू	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	96.53	104.32	100.64
टीएमटी	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	98.73	105.22	123.93

92. प्राधिकारी उपर्युक्त तालिका से आगे निम्नलिखित बातें मानते हैं:

- पीएक्स-13-आधार वर्ष और तुरंत पूर्ववर्ती वर्ष दोनों की तुलना में जांच अवधि में बिक्रियों में पर्याप्ततः कमी आई है।
- एमबीटी-घरेलू उद्योग की बिक्रियों में 2004-05 में वृद्धि की प्रवृत्ति रही है और तत्पश्चात इनमें गिरावट शुरू हो गई है जबकि जांच अवधि के दौरान बिक्रियां

2003-04 से कुछ अधिक थी, परंतु पूर्ववर्ती वर्ष 2005-06 से कम थी। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास काफी अप्रयुक्त क्षमता मौजूद थी।

iii. सीबीएस-बिक्रियों में क्षति अवधि से जांच अवधि के दौरान प्रत्येक वर्ष वृद्धि होती रही है। जांच अवधि के दौरान बिक्रियां आधार वर्ष की तुलना में 35% अधिक थीं। यद्यपि संगत अवधि के दौरान क्षमता में वृद्धि 55% थी।

iv. पीवीआई- बिक्रियों में कुछ वर्षों में वृद्धि हुई है और 2005-06 तथा जांच अवधि में ये कमोबेश स्थिर रही है। बिक्री की मात्राओं को क्षति अवधि से जांच अवधि के दौरान कमोबेश स्थिर माना जा सकता है।

v. टीडीक्यू-2003-04 के दौरान बिक्रिया \*\*\* मी.ट. रही थी जिनमें 2004-05 के दौरान मामूली गिरावट आई परंतु 2005-06 के दौरान ये \*\*\* मी.ट. के स्तर तक बढ़ गई परंतु क्षमता में वृद्धि के बावजूद जांच अवधि के दौरान घटकर \*\*\* मी.ट. रह गई।

vi. टीएमटी- बिक्रियों में क्षति अवधि से जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

#### ज.1 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

93. नियम 18 के उप नियम(2) में किए गए उल्लेख के अनुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित होता है कि यह इस बात की जांच करें कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में पर्याप्त स्तर तक अन्यथा गिरावट आई है अथवा उसमें होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

94. संबद्ध देशों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की भारित औसत लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है।

95. प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का आकलन करते समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन तथा संदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को घटाया गया है।

96. प्राधिकारी द्वारा कीमत कटौती का निर्धारण संपूर्ण जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के पहुंच मूल्य के साथ इसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना करके किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य का परिकलन 1% पहुंच प्रभार और प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा बताई गई तथा जांच दल द्वारा मौके पर सत्यापन के दौरान सत्यापित भारित औसत निर्यात कीमत पर लागू मूलभूत सीमाशुल्क को

जोड़कर किया गया है। जहां तक संबंध देशों से असहयोगी निर्यातकों का संबंध है, प्राधिकारी द्वारा पहुंच कीमत का निर्धारण सहयोगी निर्यातकों द्वारा उनके अनुरोधों में प्रदर्शित और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है।

97. कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजनार्थ संबंध देशों से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के साथ की गई है।

### ज.1.1. कीमत कटीती तथा कम कीमत पर बिक्री प्रभाव

		जांच अवधि					
		इकाई	पीएक्स 13	एमबीटी	सीबीएस	पीवीआई	टीडीक्यू
निम्नलिखित बिक्री प्राप्ति	रु/किग्रा	***	***	***	***	***	***
पहुंच न्यूनतम							
सिनोरकेम कंपनी शेंनडोंग	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
शेंनडोंग शेनसियान केमिकल कंपनी लि.	रु/किग्रा	-	***	***	***	-	***
शेंनडोंग यांगहू हुतई केमिकल कंपनी लि.	रु/किग्रा	-	-	-	***	-	-
चीन जन.गण. से अन्य निर्यातक	रु/किग्रा	***	***	***	***	***	***
कुमहो पेट्रोकेमिकल कं., लि.	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
कोरिया गणराज्य	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
कोरिया गणराज्य से अन्य निर्यातक	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
कीमत कटीती							
सिनोरकेम कंपनी शेंनडोंग	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
शेंनडोंग शेनसियान केमिकल कंपनी लि.	रु/किग्रा	-	***	***	***	-	***
शेंनडोंग यांगहू हुतई केमिकल कंपनी लि.	रु/किग्रा	-	-	-	***	-	-
चीन जन.गण. से अन्य निर्यातक	रु/किग्रा	***	***	***	***	***	***
कुमहो पेट्रोकेमिकल कं., लि.	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
कोरिया गणराज्य	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
कोरिया गणराज्य से अन्य निर्यातक	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
कीमत कटीती (%)							
सिनोरकेम कंपनी शेंनडोंग	-	14-19	-	-	-	-	-
शेंनडोंग शेनसियान केमिकल कंपनी लि.	-	-	14-19	17-22	5-10	-	20-25
शेंनडोंग यांगहू हुतई केमिकल कंपनी लि.	-	-	-	-	5-10	-	-

चीन जन.गण. से अन्य निर्यातक		25-30	15-20	20-25	10-15	15-20	25-30
कुमहो पेट्रोकेमिकल कं., लि. कोरिया गणराज्य		5-10	-	-	-	-	-
कोरिया गणराज्य से अन्य निर्यातक		10-15	-	-	-	-	-
क्षतिरहित कीमत	रु/किग्रा	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री							
सिनोरकेम कंपनी शेंनडोंग	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
शेंनडोंग शेनसियान केमिकल कंपनी लि.	रु/किग्रा	-	***	***	***	-	***
शेंनडोंग यांगहू हुतई केमिकल कंपनी लि.	रु/किग्रा	-	-	-	***	-	-
चीन जन.गण. से अन्य निर्यातक	रु/किग्रा	***	***	***	***	***	***
कुमहो पेट्रोकेमिकल कं., लि. कोरिया गणराज्य	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
कोरिया गणराज्य से अन्य निर्यातक	रु/किग्रा	***	-	-	-	-	-
कम कीमत पर बिक्री (%)							
सिनोरकेम कंपनी शेंनडोंग	(%)	25-30	-	-	-	-	-
शेंनडोंग शेनसियान केमिकल कंपनी लि.	(%)	-	18-23	18-23	10-15	-	25-30
शेंनडोंग यांगहू हुतई केमिकल कंपनी लि.	(%)	-	-	-	10-15	-	-
चीन जन.गण. से अन्य निर्यातक	(%)	35-40	18-23	20-25	13-18	15-20	30-35
कुमहो पेट्रोकेमिकल कं., लि. कोरिया गणराज्य	(%)	15-20	-	-	-	-	-
कोरिया गणराज्य से अन्य निर्यातक	(%)	17-22	-	-	-	-	-

98. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध रबड़ रसायनों के पाटित आयातों के पहुंच मूल्य से घरेलू कीमतों में भारी कटौती की जा रही है। इसके अलावा, संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य भी घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से काफी कम है।

#### ज.1.2 पाटित आयातों के कीमत न्यूनकारी और ह्रासकारी प्रभाव:

99. बिक्री लागत बनाम बिक्री कीमत संबंधी गतिविधियां

पीएक्स13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	113.34	122.71	124.97
बिक्री कीमत	रु./किग्रा	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	127.53	170.08	153.50
लाभ/हानि	रु./किग्रा	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(28.12)	161.73	46.33
एम्बीसी					
बिक्री की लागत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	115.83	118.82	120.65
बिक्री कीमत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	119.93	137.40	130.34
लाभ/हानि	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	220.97	595.02	368.85
सीबीएस					
बिक्री की लागत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	112.28	117.08	114.89
बिक्री कीमत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	112.80	128.17	110.38
लाभ/हानि	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	115.59	187.44	87.28
पीवीआई					
बिक्री की लागत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	97.27	98.86	86.75
बिक्री कीमत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	83.13	78.28	72.47
लाभ/हानि	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	37.89	12.44	26.80
टीडीएस					
बिक्री की लागत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	126.02	124.58	116.89
बिक्री कीमत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	149.79	179.41	140.21
लाभ/हानि	रु./किग्रा	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	412.54	1117.73	411.43
टीएमटी					
बिक्री की लागत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	100.98	100.76	105.63
बिक्री कीमत	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	106.59	114.69	102.45
लाभ/हानि	रु./किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	167.06	264.70	68.29

100. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत न्यूनकारी प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी द्वारा निम्न बिक्री प्राप्ति की प्रवृत्ति की तुलना उत्पादन लागत के साथ की गई ।

101. प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि सीबीएस, पीबीआई और टीडीक्यू जिनकी बिक्री लागत पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कम हुई है, को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में वृद्धि की प्रवृत्ति रही थी। बिक्री की लागत में वृद्धि मुख्यतः निविदियों की कीमत में वृद्धि के कारण हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग इन वर्षों के दौरान परिवर्तन लागत को घटाने में सक्षम रहा है।

102. पीएक्स-13 (6पीपीडी) की बिक्री कीमत में उतार-चढ़ाव से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान बिक्री की लागत में जहां वृद्धि हुई है वहीं इसके विपरीत बिक्री कीमत में लगभग 10% की गिरावट आई है। इसी प्रकार एमबीटी के संबंध में जहां वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि में बिक्री लागत में वृद्धि हुई है, वहीं बिक्री कीमत में लगभग 5% की गिरावट दर्ज की गई है। जहां तक सीबीएस का संबंध है, जहां बिक्री लागत में लगभग 2% की वृद्धि हुई है, वहीं वर्ष 2005-06 की तुलना में बिक्री कीमत में लगभग 14% की कमी आई है। जहां तक टीडीक्यू का संबंध है, वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि में लगभग 6% की गिरावट आई है वहीं बिक्री कीमत में इस अवधि के दौरान लगभग 22% की पर्याप्त गिरावट आई है। टीएमटी के मामले में, जहां वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है वहीं इसके विपरीत बिक्री कीमत में लगभग 11% की गिरावट आई है।

103. प्राधिकारी द्वारा किए गए उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि बिक्री प्राप्ति में गिरावट बिक्री लागत में आई गिरावट से काफी अधिक रही है। जहां तक पीएक्स-13(6पीपीडी), एमबीटी तथा टीएमटी का संबंध है, जहां वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री लागत में वृद्धि हुई है, वहीं इसके विपरीत बिक्री लागत में पर्याप्त कमी आई है। अतः प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव से घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए अपनी कीमत कम रखने के लिए बाध्य हुआ है।

### ज.1.3 क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों की जांच

104. उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में और बाजार हिस्से, दोनों रूपों में हुई वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग पर पाटित आयात का मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। प्रत्येक रबड़ रसायन अर्थात् संबद्ध वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग पर पाटित आयात का मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। प्रत्येक रबड़ रसायन अर्थात् संबद्ध वस्तु के संबंध में कीमत कटौती काफी अधिक रही है। बिक्री कीमत में उतार-चढ़ाव बिक्री लागत में तदनुरूपी उतार-चढ़ाव के अनुरूप नहीं रहा है। जहां 6पीपीडी, एमबीटी तथा टीएमटी का संबंध है, जहां जांच अवधि में बिक्री लागत में वृद्धि हुई है, वहीं वर्ष 2005-06 की तुलना में बिक्री कीमत में पर्याप्त गिरावट आई है।

## ज.1.4 लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

वीएनटी	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
कर पूर्व लाभ	रु०/लाख	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(28.40)	178.23	36.39
पीबीआईटी	रु०/लाख	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(28.40)	178.23	36.39
पीबीआईटी-नकद लाभ	रु०/लाख	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(6.70)	229.84	66.84
एमवीटी					
कर पूर्व लाभ	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	312.93	732.67	412.98
पीबीआईटी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	213.50	495.89	279.83
पीबीआईटी-नकद लाभ	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	269.18	584.98	339.41
सीबीएस					
कर पूर्व लाभ	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	121.81	231.27	118.22
पीबीआईटी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	109.55	207.99	106.61
पीबीआईटी-नकद लाभ	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	120.88	222.17	122.61
पीबीआईटी					
कर पूर्व लाभ	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	46.06	17.30	36.95
पीबीआईटी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	43.19	16.85	34.76
पीबीआईटी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	50.59	22.99	41.64
टीडीएस					
कर पूर्व लाभ	रु०/लाख	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	398.21	1166.00	414.08
पीबीआईटी	रु०/लाख	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	717.35	2091.22	745.47
पीबीआईटी-नकद लाभ	रु०/लाख	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	962.35	2606.28	997.58
टीएसटी					
कर पूर्व लाभ	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	164.93	278.52	84.64
पीबीआईटी-नकद लाभ	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	135.74	229.08	70.66

पीबीआईटी	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	164.93	278.52	84.64

105. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पीबीआई को छोड़कर घरेलू उद्योग की लाभ प्रदत्ता में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी किन्तु जांच अवधि में उसमें तेजी से गिरावट आई। जहां तक पीबीआई का संबंध है, आधार वर्ष 2003-04 से ही लाभप्रदता में गिरावट आ रही थी और यह प्रवृत्ति जांच अवधि तक जारी रही।

#### ज.1.5. निवेश से आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

पीएक्स 13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
पीबीआईटी	रु0/लाख	(***)	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(28.40)	178.23	36.39
निवल स्थायी परिसंपत्तियां (पुनर्मूल्यांकन को छोड़कर)	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	79.12	81.12	64.08
कार्यशील पूंजी	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	127.59	160.61	185.26
नियोजित पूंजी-एनएफए	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	100.75	116.60	118.17
नियोजित पूंजी से आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(28.19)	152.86	30.80
एमबीटी					
पीबीआईटी	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	213.50	495.89	279.83
निवल स्थायी परिसंपत्तियां (पुनर्मूल्यांकन को छोड़कर)	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	160.64	131.55	142.30
कार्यशील पूंजी	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	122.44	176.54	105.35
नियोजित पूंजी-एनएफए	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	130.82	166.67	113.45
नियोजित पूंजी से आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	163.20	297.53	246.65
सीबीएस					
पीबीआईटी	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	109.55	207.99	106.61
निवल स्थायी परिसंपत्तियां (पुनर्मूल्यांकन को छोड़कर)	रु0/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	107.88	159.32	149.92
कार्यशील पूंजी	रु0/लाख	***	***	***	***



प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	96.14	207.46	175.77
नियोजित पूंजी-एनएफए	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	99.37	194.22	168.66
नियोजित पूंजी से आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	110.25	107.09	63.21
पीबीआई					
पीबीआईटी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	43.19	16.85	34.76
निवल स्थायी परिसंपत्तियां (पुनर्मूल्यांकन को छोड़कर)	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	101.92	103.78	100.31
कार्यशील पूंजी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	118.95	165.25	145.61
नियोजित पूंजी-एनएफए	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	114.31	148.49	133.26
नियोजित पूंजी से आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	37.79	11.34	26.08
डीडीक्यू					
पीबीआईटी	रु०/लाख	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	717.35	2091.22	745.47
निवल स्थायी परिसंपत्तियां (पुनर्मूल्यांकन को छोड़कर)	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	88.64	89.38	84.94
कार्यशील पूंजी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	192.44	280.02	295.80
नियोजित पूंजी-एनएफए	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	147.09	196.74	203.68
नियोजित पूंजी से आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	487.68	1062.95	366.00
टीएनटी					
पीबीआईटी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	135.74	229.08	70.66
निवल स्थायी परिसंपत्तियां (पुनर्मूल्यांकन को छोड़कर)	रु०/लाख	0.00	0.00	0.00	0.00
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	0.00	0.00	0.00	0.00
कार्यशील पूंजी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	58.08	173.08	122.36
नियोजित पूंजी-एनएफए	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	58.08	173.08	122.36
नियोजित पूंजी से आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	233.73	132.35	57.75

106. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीवीआई को छोड़कर जांच अवधि में सभी उत्पादों के संबंध में निवेश पर आय में गिरावट आई है। पीवीआई के मामले में, वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय में सुधार हुआ है किंतु यह भी आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में काफी कम रही है।

## ज.2. उत्पादकता

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
पीएक्स13	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	140.81	107.23	100.15
एमबीटी	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	139.52	93.93	91.85
सीबीएस	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	124.62	129.62	108.22
पीवीआई	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	119.40	99.00	77.96
टीडीक्यू	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	156.37	146.17	138.90
टीएमटी	मी.टन	0.00	0.00	0.00	0.00
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	0.00	0.00	0.00	0.00

107. प्रति कर्मचारी उत्पादन से संबंधित आंकड़ों से प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान सीबीएस तथा टीडीक्यू को छोड़कर लाभप्रदता में गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान उत्पादन लागत में गिरावट (एमबीटी तथा सीबीएस को छोड़कर) वर्ष 2005-06 की तुलना में उत्पादन में इस गिरावट का मुख्य कारण रही है। टीएमटी के संबंध में उत्पादकता का आकलन नहीं किया गया है क्योंकि घरेलू उद्योग इस उत्पाद का विनिर्माण बाहर से उजरती कार्य पर कराता है।

## ज.3. रोजगार एवं मजदूरी

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
पीएक्स13					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	75.05	95.23	92.51
मजदूरी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	109.67	124.85	122.01
एमबीटी					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	93.93	87.36	107.65
मजदूरी	रु०/लाख	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	111.66	71.97	92.41
सीबीएस					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	82.02	94.76	127.65
मजदूरी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	102.19	116.63	119.87
पीबीआई					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	86.86	111.70	130.92
मजदूरी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	95.21	109.83	93.30
टीडीक्यू					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	68.04	78.53	82.21
मजदूरी	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	96.35	106.85	89.79
टीएमटी					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.				
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध				
मजदूरी	रु०/लाख				
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध				

108. प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि रोजगार के स्तर में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है। टीएमटी एक ऐसा उत्पाद है जिसे बाहर से उजरती कार्य पर तैयार कराया जाता है और इस प्रकार कोई कामगार नियोजित नहीं है।

#### छ.4. गारु सुधियां

पीएक्स13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
आरंभिक स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	315.35	351.04	552.81
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	5	15	15	31
एमबीटी					
आरंभिक स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	139.32	159.31	104.88
दैनिक बिक्रियों की संख्या के	सं.	32	32	61	29

अनुसार औसत स्टॉक					
सीबीएस					
आरंभिक स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	105.08	178.93	195.50
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	19	19	29	25
पीवीआई					
आरंभिक स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	160.55	210.37	184.14
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	21	34	40	37
टीडीक्यू					
आरंभिक स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	175.16	363.73	457.22
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	11	21	37	47
टीएमटी					
आरंभिक स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	66.49	136.55	155.76
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	37	25	49	47

109. प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान माल सूची का निम्नानुसार संचयन हुआ है:-

- i) पीएक्स-13 - औसत मालसूची, जो वर्ष 2003-04 के दौरान केवल\*\*\* मी.टन थी, में वृद्धि शुरू हुई और \*\*\*मी.टन के स्तर पर पहुंच गई। जांच अवधि की समाप्ति पर अंतिम स्टॉक (31.3.2007 की स्थिति के अनुसार)\*\*\*मी.टन था। बिक्री दिनों के संबंध में औसत मालसूची, जो वर्ष 2003-04 में 5 दिन थी, में वर्ष 2004-05 और 2005-06 में पर्याप्त वृद्धि हुई और जांच अवधि में बढ़कर 31 दिन हो गई।

- ii) एनबीटी - वर्ष 2003-04 के दौरान औसत मालसूची\*\*\*मी.टन थी जो वर्ष 2004-05 तथा 2005-06 में बढ़कर क्रमशः\*\*\*मी.टन और \*\*\* मी.टन हो गई। जांच अवधि के दौरान औसत भंडार सूची आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में अधिक थी।
- iii) सीबीएस - औसत माल सूची, जो वर्ष 2003-04 में\*\*\*मी.टन तथा वर्ष 2004-05 में\*\*\*मी.टन थी, वर्ष 2005-06 में \*\*\* मी.टन हो गई। जांच अवधि के दौरान औसत माल सूची आगे और बढ़कर 99 मी.टन हो गई। बिक्री दिनों के संबंध में औसत माल सूची, जो वर्ष 2003-04 में 19 दिन थी, जांच अवधि में बढ़ाकर 25 दिन हो गई।
- iv) पीबीआई - वर्ष 2003-04 में औसत माल सूची\*\*\* मी. टन थी और यह वर्ष 2004 में बढ़कर \*\*\* मी.टन तथा वर्ष 2005-06 में बढ़कर 123 मी. टन हो गई। जांच अवधि के दौरान औसत माल सूची \*\*\*मी.टन थी। बिक्री दिनों के संबंध में औसत माल सूची, जो वर्ष 2003-04 में 21 दिन थी, जांच अवधि में बढ़ाकर 37 दिन हो गई।
- v) टीडीक्यू - औसत माल सूची, जो वर्ष 2003-04 में\*\*\*मी.टन थी, वर्ष 2004-05 में बढ़कर \*\*\*मी. टन और 2005-06 में बढ़कर \*\*\* मी.टन हो गई। जांच अवधि में औसत मालसूची आगे और बढ़कर \*\*\* मी.टन के स्तर पर पहुंच गई। बिक्री दिनों के संबंध में औसत माल सूची जो वर्ष 2003-04 में 11 दिन थी, उसमें लगातार वृद्धि हुई और उसी अवधि में बढ़कर 47 दिन के स्तर पर पहुंच गई।
- vi) टीएमटी - वर्ष 2003-04 के दौरान औसत माल सूची \*\*\* मी. टन थी जो वर्ष 2005-06 में बढ़कर \*\*\*मी. टन और जांच अवधि में \*\*\*मी. टन हो गई। बिक्री दिनों की संख्या के संबंध में औसत माल सूची 37 दिन (वर्ष 2003-04) से बढ़कर 47 दिन (जांच अवधि) हो गई।

## ज. 5. वृद्धि

110. प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वर्ष दर वर्ष मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है। उत्पादन, बिक्री, कीमत तथा बाजार हिस्से के रूप में वृद्धि जांच अवधि में ऋणात्मक रही थी।

## ज.6. निवेश

111. प्राधिकारी का अभिमत है कि कंपनी ने इस बात पर विचार करते हुए नया निवेश किया है कि देश में वाहन उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि होने के कारण सब्सिडी रसायनों की

मांग में पर्याप्त बढ़ोत्तरी हो रही है। यद्यपि पाटन से अल्पावधि में पूंजी जुटाने की कंपनी की क्षमता पर अब तक प्रभाव नहीं पड़ा है तथापि इस बात की प्रबल संभावना है कि लगातार पाटन का पर्याप्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

#### ज.7. पाटन की मात्रा

112. एक ऐसे संकेतक जिसके तहत पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती है, के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

#### ज.8. क्षति संबंधी निष्कर्ष

113. क्षति के संबंध में प्राधिकारी का अभिमत निम्नानुसार है :-

i) पीएक्स-13- जांच अवधि के दौरान पीएक्स-13 के आयात में समग्रतः प्रत्याप्त वृद्धि हुई है। आयातों में भारत में कुल उत्पादन, भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में जांच अवधि के दौरान पर्याप्त गिरावट आई थी। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उत्पादक द्वारा इससे पूर्व यूरोप तथा ताईवान से पाटन का सामना किया जा रहा था और 7 जुलाई, 2005 को अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री कीमत, लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में पहले सुधार हुआ और तत्पश्चात् जांच अवधि में गिरावट आ गई। समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू बिक्री तथा बाजार हिस्से में गिरावट आई और माल सूचियों में वृद्धि हुई। आयातों से घरेलू कीमतें कम हो रही थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2003-04 और 2005-06 के दौरान कुछेक मापदण्डों में सुधार अन्य स्रोतों से विगत में हुए पाटन से उबरने के कारण हुआ था और वर्ष 2005-06 तथा 2006-07 के दौरान स्थिति संबद्ध देशों से पाटन के कारण खराब हुई थी।

ii) पीवीआई - पीवीआई के आयातों में समग्र रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है। भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह पाया गया है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी और क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में पर्याप्त गिरावट आई थी। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह

नोट किया जाता है कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, मालसूची, बिक्री कीमत, लाभ नकद लाभ तथा निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। यद्यपि वर्ष 2005-06 के दौरान घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है तथापि मांग में वृद्धि होने और वर्ष 2004-05 में घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता बढ़ाने पर भी जांच अवधि में इसमें गिरावट आई है। आयातों से समूची क्षति अवधि में कीमत कम हुई थी।

iii) टीडीक्यू - टीडीक्यू के आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई। भारत में आयातों और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई। जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। परिणामतः घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, जिसमें वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई थी, उसमें तत्पश्चात जांच अवधि में पर्याप्त गिरावट आई। परिणामतः लाभ, नकद लाभ तथा निवेश के आय पर जांच अवधि में गिरावट आई। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उत्पाद द्वारा इससे पूर्व ईयू तथा ताईवान से पाटन का सामना किया जा रहा था जिनके मामले में जांच शुरू कर दिनांक 7 जुलाई, 2005 को पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। ईयू तथा ताईवान पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री, बिक्री कीमत, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ। तथापि, चीन से पाटन होने के कारण जांच अवधि में अन्य सभी कारकों के संबंध में निष्पादन में पुनः गिरावट आ गई। समूची अवधि में घरेलू उद्योग की माल सूची में वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग ने मांग में वृद्धि के अनुरूप क्षमताओं में वृद्धि की। तथापि, वर्ष 2005-06 तक सुधार होने के बाद क्षमता उपयोग में जांच अवधि में पर्याप्त गिरावट आई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच अनेक मापदण्डों में सुधार अन्य स्रोतों से पूर्व हुए पाटन से उबरने के कारण हुआ था जबकि जांच अवधि में स्थिति चीन से पाटन होने के कारण खराब हुई थी।

iv) टीएमटी - टीएमटी के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई। जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी। परिणामतः घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई किन्तु जांच अवधि में गिरावट आई। इसके अलावा, जहां बिक्री लागत में वृद्धि हुई, वहीं बिक्री कीमत में गिरावट आई। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, वर्ष 2005-06 तक उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ जबकि माल

सूची में वृद्धि हुई और बाजार हिस्से में गिरावट आई। जांच अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा और परिणामतः लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ में गिरावट आई।

v) सीबीएस - सीबीएस के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई। जहां तक कीमत का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2003-04 से 2005-06 तक वृद्धि हुई और जांच अवधि में उसमें पर्याप्त गिरावट आई। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2005-06 तक उत्पादन, बिक्री मात्रा, लाभप्रदता, पीबीआईटी, नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ किंतु जांच अवधि के दौरान (उत्पादन तथा बिक्री मात्रा छोड़कर) इनमें गिरावट आई। जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में मुख्यतः उत्पादन मात्रा में बिक्री के जरिए संवर्धित क्षमता के कारण गिरावट आई।

vi) एमबीटी - एमबीटी के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी। वर्ष 2005-06 तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि और जांच अवधि में पर्याप्त आई जबकि समूची क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत में वृद्धि हुई। इस प्रकार आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास तथा न्यूनीकरण हो रहा था। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, घरेलू उद्योग की बिक्री में वर्ष 2005-06 तक सुधार हुआ और इसके बाद उसमें गिरावट आई। वर्ष 2004-05 में उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में पर्याप्त वृद्धि हुई किन्तु वर्ष 2005-06 में गिरावट आई और तत्पश्चात वर्ष 2003-04 तथा 2004-05 में इनका स्तर कम रहने के बावजूद जांच अवधि में इनमें पुनः वृद्धि हुई, तथापि बिक्री कीमत में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई और जांच अवधि में उसमें गिरावट आई। परिणामतः वर्ष 2005-06 तक लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय में सुधार हुआ किंतु जांच अवधि में उनमें गिरावट आई।

114. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी का यह अभिमत है कि उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, कीमत, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ को प्रभावित करने वाले कारकों के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति खराब हुई है और इस प्रकार सामूहिक एवं संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।



**ज.9. वृद्धि**

115. प्राधिकारी का अभिमत है कि वर्ष 2005-06 तक संबद्ध प्रत्येक रबड़ रसायन के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही थी। तथापि, प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान संबद्ध प्रत्येक रबड़ रसायन के बारे में वृद्धि नकारात्मक बन गई। अधिकांश मापदण्डों के संबंध में वृद्धि नकारात्मक देखी गई है।

**झ. कारणात्मक संबंध**

- (i) पीएक्स-13 - पीएक्स-13 के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, जहां एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई। परिणामतः घरेलू बिक्री, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय, जिनमें वर्ष 2005-06 तक सुधार हो रहा था, उनमें जांच अवधि में पुनः पर्याप्त गिरावट आई और घरेलू उद्योग की माल सूची में वृद्धि हो गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच कुछेक मापदण्डों में सुधार अन्य स्रोतों से विगत में हुए पाटन से उबरने के कारण हुआ जबकि वर्ष 2005-06 और 2006-07 में संबद्ध देशों से पाटन के कारण स्थिति खराब हुई।
- (ii) पीवीआई - पीवीआई के आयातों में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप जहां एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई। परिणामतः, क्षति अवधि के दौरान उत्पादन, क्षमता उपयोग, मालसूची, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय में गिरावट आई। समूची अवधि के दौरान कीमत में पर्याप्त कटौती के परिणामस्वरूप बाजार में कीमत का पर्याप्त हास हुआ परिणामतः जहां घरेलू बिक्री में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी, वहीं जांच अवधि में उसमें गिरावट आ गई।
- (iii) टीडीक्यू - टीडी के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप जहां एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, जिसमें दूसरे देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी, उसमें जांच अवधि में पर्याप्त गिरावट आ गई। परिणामतः घरेलू उद्योग का निष्पादन जिसमें अन्य स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से वर्ष 2005-06 तक सुधार हो रहा था, उसमें जांच अवधि में पर्याप्त गिरावट आ गई। परिणामतः घरेलू उद्योग का निष्पादन, जिसमें अन्य स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से वर्ष 2005-06 तक सुधार हो रहा था, उसमें जांच अवधि के दौरान उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, माल सूची, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय में पुनः गिरावट आ गई तथा घरेलू उद्योग की माल सूची बाजार सूची में वृद्धि हो गई। समूची अवधि के दौरान हुई पर्याप्त कीमत कटौती के परिणामस्वरूप लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ में भारी गिरावट आई।

- (iv) टीएमटी - टीएमटी के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, जहां एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, वहीं वर्ष 2005-06 तक बढ़ रही घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में जांच अवधि के दौरान उत्पादन, क्षमता उपयोग, माल सूची, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई।
- (v) एमबीटी - एमबीटी के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप जहां एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, जिसमें 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी, उसमें समूची क्षति अवधि के दौरान उत्पादन में हिस्से, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय के बारे में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई। कीमत में पर्याप्त कटौती के परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय में गिरावट जारी रही।
- (vi) सीबीएस - सीबीएस के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप जहां एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, जिसमें 2004-05 और 2005-06 तक वृद्धि हुई, उसमें जांच अवधि में गिरावट आई। परिणामतः घरेलू उद्योग का निष्पादन, जिसमें 2005-06 तक सुधार हो रहा था, उसमें लाभ/हानि, नकद लाभ और निवेश पर आय के बारे में गिरावट आई।

116. प्राधिकारी कारणात्मक-संबंध के बारे में अपने निष्कर्ष से प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणियां प्राप्त होने के बाद अद्यतन कराएंगे।

## ट. अन्य ज्ञात कारकों की जांच

### ट.1 अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं कीमत

117. प्राधिकारी का अभिमत है कि अन्य देशों से हुए आयातों की मात्रा और मूल्य या तो न्यूनतम थे या उनकी कीमत काफी अधिक थी। वस्तुतः समस्त संबद्ध रबड़ रसायनों में अन्य देशों (भारत में आयातों में) के हिस्से में पीएक्स-13 (6-पीपीडी), एमबीटी और टीडीक्यू के संबंध में गिरावट आई जबकि संबद्ध देशों के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई। प्राधिकारी ने इस दावे को बरकरार रखा है कि अन्य देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है।

## ट.2 मांग की कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

118. प्राधिकारी का अभिमत है कि संबद्ध रबड़ रसायनों की मांग में वृद्धि हो रही है। अतः मांग से संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। इसके साथ-ही-साथ बाजार में मांग बढ़ने के बावजूद घरेलू उद्योग की बिक्री में या तो समग्र रूप में या खपत की तुलना में गिरावट आई है।

## ट.3 विदेशी एवं घरेलू उत्पादों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ और प्रतिस्पर्धा

119. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों से हुई है। याचिकाकर्ता द्वारा पिछले कई वर्षों से संबद्ध रबड़ रसायनों का उत्पाद किया जा रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी विश्व भर के अन्य प्रतिस्पर्धियों द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी से तुलनीय है। विनिर्माण प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है। वस्तुतः संबद्ध रबड़ रसायनों सहित विभिन्न रबड़ रसायनों के उत्पादन की प्रौद्योगिकी सहित प्रक्रिया में छिटपुट विकास निष्पक्षतः परिपक्व, प्रमाणिक और मानकीकृत हैं जिनमें छिटपुट प्रौद्योगिकी नवीकरण और विकास हुए हैं।

120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसी कोई प्रतिबंधात्मक पद्धति प्रचलित नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

## ट.4 प्रौद्योगिकी विकास

121. प्रौद्योगिकी और विभिन्न रबड़ रसायनों के उत्पादन की प्रक्रिया छिटपुट तकनीकी या प्रौद्योगिकीय विकास के साथ निष्पक्षतः स्थिर है। प्रौद्योगिकी में शायद ही कोई विकास हुआ है।

## ट.5 निर्यात निष्पादन

सीएस13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
निर्यात बिक्री	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	103.92	119.56	101.28
एमबीटी					
निर्यात बिक्री	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	137.21	28.01	128.56
सीबीएस					

निर्यात बिक्री	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	97.73	97.78	166.21
पीवीआई					
निर्यात बिक्री	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	90.68	100.53	93.24
टीडीक्यू					
निर्यात बिक्री	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	91.65	109.03	108.93
टीएमटी					
निर्यात बिक्री	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	116.47	91.21	125.83

122. याचिकाकर्ता ने प्रतिकूल निर्यात निष्पादन के कारण हुई क्षति और भारतीय बाजार में पाटन के कारण घरेलू उद्योग में हुई क्षति का अलग-अलग ब्यौरा दिया है। प्राधिकारी का अभिमत है कि दावा की जा रही क्षति वह क्षति है जो घरेलू बाजार में ही निष्पादन के कारण हुई है।

#### ट.6. घरेलू उद्योग के अन्य उत्पादों का निष्पादन

123. कंपनी द्वारा उत्पादित और बेचे गए अन्य रबड़ रसायनों के निष्पादन में भी गिरावट आई है जिसका कारण इन उत्पादों का पाटन है। याचिकाकर्ता को कुछ अन्य रबड़ रसायनों के संबंध में भी पाटन का सामना करना पड़ रहा है। तथापि, अलग-अलग रबड़ रसायन समान वस्तुएं नहीं हैं। इसके अलावा नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि जब समान वस्तु के संबंध में अलग से सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है तब उसे संगत सूचना के रूप में माना जाना चाहिए। ऐसा तब होता है जब विचाराधीन उत्पाद और अन्य उत्पादों के संबंध में पृथक सूचना को सम्मिलित नहीं किया जा सकता है क्योंकि नियमों के अंतर्गत क्षति विश्लेषण में अन्य उत्पादों को शामिल करना भी अधिकृत है। इस विधिक उपबंध को अपनाते हुए प्राधिकारी ने उत्पादों के संबंध में उपलब्ध कराई गई क्षति सूचना में ऐसे अन्य उत्पादों में हुई क्षति को शामिल नहीं किया है जिनके लिए वर्तमान याचिका दायर की गई है।

124. ऐसे किसी अन्य कारक को प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति संभावित हो सकती है।

#### ठ. कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

125. उपर्युक्त विवेचन के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात उनके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत तथा याचिकाकर्ता की संबद्ध वस्तुओं की निवल बिक्री प्राप्ति से कम कीमत पर हुआ है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, जिससे संबद्ध वस्तुओं के पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के

बीच कारणात्मक संबंध का संकेत मिलता है। पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है। आगे यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से हुए संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट से घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री बढ़ाने से वंचित हुआ। परिणामतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में उस सीमा तक वृद्धि नहीं हुई जिस सीमा तक घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का इष्टतम उपयोग कर सकता था। परिणामतः घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में गिरावट आई जिससे घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई। पाटित आयातों द्वारा की गई पर्याप्त कीमत कटौती से घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को लागत में हुई वृद्धि की सीमा तक बढ़ाने से वंचित हुआ। परिणामतः घरेलू उद्योग के लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय में जांच अवधि गिरावट आई। पाटित आयातों द्वारा हुई पर्याप्त कीमत कटौती और उनमें भारी वृद्धि होने से वर्ष 2005-06 तक सुधार होने के बाद जांच अवधि में लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

126. अतः प्राधिकारी अंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों से पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

#### **ड अंतिम जांच परिणाम**

127. हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों, प्रदत्त सूचना एवं किए गए निवेदनों को ध्यान में रखते हुए और हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए निवेदन अथवा उपर्युक्त जांच परिणाम में अन्यथा दर्ज सूचना के माध्यम से प्राधिकारी के सम्मक्ष उपलब्ध तथ्यों एवं पाटन व क्षति की वर्तमान स्थिति के विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:-

- i. संबद्ध देशों के मूल के आयात पाटित कीमतों पर किए जा रहे हैं और इन्हीं से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- ii. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात उनके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत एवं आवेदकों की संबद्ध वस्तुओं की निचली बिक्री प्राप्ति से कम कीमत पर किया गया है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची है।
- iii. संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट के कारण घरेलू उद्योग अपनी बिक्री को मांग में हुई वृद्धि के अनुरूप बढ़ा नहीं सका।

- iii. अत्यधिक कीमत कटौती और पाटित आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि लाभ, नकद प्रवाह, एवं निवेश से आय के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- v. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में हुई अत्यधिक वृद्धि (निरपेक्ष रूप में तथा मांग में हिस्से, दोनों के रूप में) के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

128. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए भारतीय रूपए के मूल्य वर्ग में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क, जो भी कम हो, की सिफारिश की जा सकती है ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समस्त आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

### थ.1 शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप शीर्ष	विवरण	निर्दिष्टन	उत्पन्न का देश	निर्यात देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	रूप की इकाई	नृत्ता
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	2902, 2907, 2909, 2917, 2921, 2925, 2930, 2933, 2934, 2935, 2942, 3811, 3812, 3815	रबड़ रफ़्तक पीएचए-13	गोडे एनएल 1	चीन	चीन	सिनजोकेम कं. शेनझोंग	सिनजोकेम कं. शेनझोंग	42.70	प्रति कि.ग्रा.	भारतीय रूपए
2	- वही -	वही	- वही -	चीन	कोई	उपरोक्त के अलावा अन्य कोई	उपरोक्त के अलावा अन्य कोई	80.59	प्रति कि.ग्रा.	भारतीय रूपए
3	- वही -	वही	- वही -	कोरिया से इतर अन्य कोई	चीन	उपरोक्त के अलावा अन्य कोई	उपरोक्त के अलावा अन्य कोई	80.59	प्रति कि.ग्रा.	भारतीय रूपए
4	- वही -	वही	- वही -	कोरिया	कोरिया	कुन्गो पेट्रोकेमिकल कं. लि.	कुन्गो पेट्रोकेमिकल कं. लि.	10.35	प्रति कि.ग्रा.	भारतीय रूपए



**विनिर्देशनों के संबंध में (उपर्युक्त कॉलम 4), निम्नलिखित तालिका लागू होगी**

	जैनेरिक नाम	बर्गीकरण	अन्य व्यापारिक नाम/ब्रांड नाम
1	डीपीडी	3810, 3812, 2921, 9801	एन- (1, 3-डाइमिथाइल म्युटाइल)-एन-फिनाइल-पी- फिनाइलिनडाइएमिन या 6सी, या पिलफ्लैक्स 13, सिरेंटॉक्स 4020, एंटीऑक्सीडेंट्स 4020, कुम्होनेक्स 13, बल्केनॉक्स 4020
2	एमबीटी	2934, 2942, 3812	2-मर्केप्टो बेंजोथाइएजॉल, या एक्सेलेरेटर एम. एक्सेलेरेटर एमबीटी
3	टीएमक्यू	2921, 2933, 2934, 3812, 9801	पॉलिमेराइज्ड 2,2, 4-ट्राइमिथाइल-1,2-डाइहाइड्रोक्विनोलिन, या टीडीक्यू या एंटीऑक्सीडेंट आरडी
4	टीएमटी	2930, 2942, 3812	टेट्रा मिथाइथियुरम डिसफ्लाइड, या एक्सेलेरेटर टीएमटीडी, थियुरम सी
5	सीबीएस	2934, 3812	एन-साइक्लोहेक्साइल-2-बेंजोथाइजॉल सल्फेनामाइड, या एक्सेलेरेटर सीजेड, एक्सेलेरेटर एचबीएस, सीबीएस
6	पीवीआई	2921, 2925, 2935, 3812	एन-(साइक्लोहेक्साइलथियो) थैलामाइड, या एंटी स्कॉर्च एजेंट सीटीपी, पीवीआई

113. उपर्युक्त के अध्यक्षीन प्राधिकारी दिनांक 28 फरवरी, 2008 की अधिसूचना सं. 14/5/2007-डीजीएडी तथा 27 मार्च, 2008 की शुद्धिपन अधिसूचना द्वारा जारी अनन्तिम जांच परिणाम की पुष्टि करते हैं और ऊपर उपर्युक्त पैरा 128 तथा शुल्क तालिका में किए गए उल्लेख के अनुसार अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की तारीख से पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

114. इस सिफारिश के कारण केंद्रीय सरकार के आदेशों के विरुद्ध कोई भी अपील सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष संबंधित अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी



**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st October, 2008

**Final Findings**

**No. 14/5/2007-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

**A. PROCEDURE:**

The procedure described below has been followed:

- i. On 6<sup>th</sup> July 2007, the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority issued an initiation notification, duly notifying the same in the Gazette of India, initiating an anti dumping investigation with regard to imports of Rubber Chemicals, viz, MBT, CBS, TDQ, PVI and TMT originating in or exported from China PR and PX 13 (6PPD) from China PR and Republic of Korea (hereinafter also referred to as subject countries).
- ii. The Anti dumping proceedings were initiated following an application received from NOCIL in respect of Rubber Chemicals, viz, MBT, CBS, TDQ, PVI and TMT originating in or exported from China PR and PX 13 (6PPD) from China PR and Republic of Korea (hereinafter also referred to as subject countries) representing a major proportion of the domestic production of said product. The application contained evidence of dumping of the said product from the subject countries and material injury resulting there from, which was considered sufficient to justify the initiation of the proceedings.
- iii. The Authority notified the Embassies / Representatives of the subject countries in India about the receipt of application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iv. According to sub rule (2) of the rule 6 supra, the Authority forwarded copy of the said initiation notification to the known exporters, importers, industry associations, embassies of the subject countries and to the applicants and gave them an opportunity to make their views known in writing.
- v. According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of non-confidential version of the application to all the known exporters in subject countries and Embassy of China in India as also Embassy of Korea in India. According to Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the relevant questionnaire to all the known exporters and Embassy of China in India as also

Embassy of Korea in India. The Embassy of China and Embassy of Korea in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and were requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters and producers were also sent to the respective embassies along with the names and addresses of the known exporters.

vi. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rules 6(4).

S.No.	Company's Name	Country
1.	Nanjing Chemical Plant	China
2.	Zhejiang Yongjia Chemical Factory	China
3.	Shandong Shanxian Chemical Company.Ltd.	China
4.	Zhenjiang No.2 Chemical Factory	China
5.	Hebei Haufeng Chemical Group	China
6.	Qingdao Rubber Chemical Group	China
7.	Shenzhen Huaren Industrial Co.	China
8.	Yixing Dongfang Fine Chemicals	China
9.	Zhejiang Yueqing Ultrafine Powders & Chemicals Co.Ltd.	China
10.	Shandong Yanggu Huatai Chemical Co.Ltd.	China
11.	Korea Kumho Petrochemical Co.Ltd.,	Korea

vii. In response to the above notification, the following exporters from China PR & Korea RP filed their questionnaire responses. The Chinese exporters also filed responses to Market Economy questionnaire.

1. Sinorgechem (Group)Co. – Shandong – China PR
2. Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.- China PR
3. Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd.- China PR
4. Kumho Petrochemicals Co, Ltd Korea RP

viii. A copy of initiation notification along with the importer's questionnaire was also sent to the following known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

S.No.	Company's Name
1.	J.K. Industries Ltd., Kolkata
2.	CEAT Limited, Mumbai
3.	Appollo Tyres Ltd., Kochi
4.	Birla Tyre, Kolkata
5.	MRF Limited, Chennai
6.	Metro Tyres Ltd., Ludhiana
7.	Poddar Tyres Ltd. , Ludhiana
8.	Raison Ind. Ltd., New Delhi
9.	Rubber Products Ltd., Mumbai

ix). In response to the notification, response was received from Automotive Tyres Manufacturer's Association (ATMA), J.K. Industries Ltd. and PMC Group International which were considered.

x). The Authority notified preliminary findings vide Notification no. 14/5/2007-DGAD dated the 28<sup>th</sup> February, 2008 followed by a corrigendum to the same dated March 27, 2008 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication.

xi). The Central Govt. imposed the provisional duties vide Notification No.61/2008 dated 06.05.2008.

xii). The Authority held a public hearing on 19<sup>th</sup> May 2008 to hear the interested parties orally, which was attended by the representatives of the domestic industry, Responding Exporters from China PR and Korea RP and Representatives of PMC Rubber Chemicals, ATMA, Merchem, Swarup Chemicals (P) Ltd and commercial Attaché from Korean Embassy in India. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. Authority in this disclosure has considered the written submissions thus received from interested parties. The parties were allowed liberty to file rejoinder submissions on views expressed by other interested parties.

xiii). Apart from the domestic industry, arguments or submissions were made by only one exporter, i.e. M/S Sinorgchem Group of Companies before notification of preliminary findings. However, arguments that arose and have been put forth by the interested parties after the preliminary findings have been dealt in the disclosure statement. Further, the comments by the interested parties on the present disclosure statement would be appropriately dealt with in the Final Findings.

xiv). The Authority kept available non-confidential version of the evidences/submissions presented by interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and the same was kept open for inspection by the interested parties.

xv). \*\*\*\* In this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

xvi). In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings have been disclosed to known interested parties on 12.9.2008 and comments received on the same have been examined and considered in Final Findings.

xvii). The investigation of dumping covered the period from 1<sup>st</sup> April, 2006 to 31<sup>st</sup> March, 2007 (POI), Also called the period of investigation or POL. The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the POI, also called Injury period.

xviii). The Authority conducted on the spot investigation of the domestic industry. The cost of the production of the domestic industry was also analysed to work out the cost of the production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles, based on the information furnished by the domestic industry, so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic Industry.

xix). Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation.

xx) After the preliminary findings, the Authority wrote to other Indian Producers to advise their production of various rubber chemicals. Replies were received from Merchem Ltd., which have been taken into account.

xxi) After the preliminary findings, the Authority wrote to the concerned Excise Authorities to have the inputs on the production and sale of other Indian Producers. Information was received from Central Excise Authorities Ernakulum Division and Thane in respect of Merchem and Lanxes.

xxii). Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority shall record findings on the basis of the facts available.

## **B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLES.**

### **B.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY**

2. Following issues have been raised by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:

- i. MBT, having chemical description 2-Mercapto Benzothiazole, with other trade/brand name as Accelerator M, Accelerator MBT etc.
- ii. CBS, having chemical description N-Cyclohexyl-2-Benzothiazole Sulphenamide with other trade name/brand names as Accelerator CZ, Accelerator HBS, CBS etc.
- iii. TDQ, having chemical description Polymerized 2,2,4 - Trimethyl-1,2-dihydroquinoline with other trade/brand names as TMR or Antioxidant RD etc.
- iv. PVI, having chemical description N-(Cyclohexylthio) Pthalimide with other trade/brand names as Anti Scorch agent CTP, PVI etc.
- v. TMT having chemical description as Tetramethylthiuram Disulfide with other trade/brand names as Accelerator TMTD Thiuram C etc.
- vi. Px-13 (6PPD) having chemical description N-(1,3-dimethyl butyl)-N'' Phenyl-P-I with other trade/brand names as 6C, Pilflex 13, Sirantox 4020 Antioxidant 4020, Kumhonax 13 Vulcanox 4020 etc.
- vii. The subject rubber chemicals as detailed above are used in treating natural rubber and synthetic rubber based compounds. The products do not have a dedicated classification even at eight-digit level. The products are imported under Chapter 29 and 38 of the Customs Tariff Act. Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation. Since the products do not have a dedicated classification, information provided by the data compiling agencies (IBIS) has been relied upon in the present findings. This information has been correlated with the information provided by responding foreign producers.
- viii. The user industry is broadly divided into two segments - tyre and non-tyres. In both the segments, it is used for processing of various types of natural and

synthetic rubbers. These are stated to be not a principal input/raw material to any industry and are only processing chemicals.

- ix. There is no significant difference in subject goods produced by the domestic industry and exported from the subject countries. The two are like articles.

## **B.2 VIEWS OF THE IMPORTERS, CONSUMERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

3. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration and like articles, except ATMA who argued that present investigations includes a number of different rubber chemicals, which are admittedly dislike articles. It has been argued that the Authority should have conducted separate investigation for each of the rubber chemical.

## **B.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

4. The product under consideration in the present investigations is

- a) MBT, having chemical description 2-Mercapto Benzothiazole, with other trade/brand name as Accelerator M, Accelerator MBT etc.
- b) CBS, having chemical description N-Cyclohexyl-2-Benzothiazole Sulphenamide with other trade name/brand names as Accelerator CZ, Accelerator HBS, CBS etc.
- c) TDQ, having chemical description Polymerized 2,2,4 - Trimethyl-1,2-dihydroquinoline with other trade/brand names as TMR or Antioxidant RD etc.
- d) PVI, having chemical description N-(Cyclohexylthio) Pthalimide with other trade/brand names as Anti Scorch agent CTP, PVI etc.
- e) TMT having chemical description as Tetramethylthiuram Disulfide with other trade/brand names as Accelerator TMTD Thiuram C etc.
- f) Px-13 (6PPD) having chemical description N-(1,3-dimethyl butyl)-N' Phenyl-P-1 with other trade/brand names as 6C, Pilflex 13, Sirantox 4020 Antioxidant 4020, Kumhonax 13 Vulcanox 4020 etc.

5. On the issue of conducting separate investigation for each rubber chemical, the Authority holds that the anti dumping rules do not require conducting separate investigations as is being done in the present matter for a number of alleged dislike articles. Even though different rubber chemicals have been treated dislike article for the purpose of the present investigations, nevertheless, all of these fall under the broad category of rubber chemicals. In fact, even Standard Input Output Norms fixed are for "rubber chemicals" as a group and not separately for each of the rubber chemical. In any case, the Authority has done separate analysis for each of the rubber chemical in the present investigation to avoid any possible distortions.

6. Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules specifies that like articles mean an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the articles under examination. The petitioners claimed that the goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from China PR and Korea RP. No other interested party has raised any objection to the claim of the Domestic Industry on this issue. In view of the same, the Authority proposes to hold that each of the rubber chemicals detailed above, produced by the domestic industry is a like article to each of the respect rubber chemical being imported from China PR and Korea RP within the meaning of the rules.

### **C. DOMESTIC INDUSTRY**

#### **C.1 views of the domestic industry**

7. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to standing of the domestic industry.

i. The petition was filed by M/s. National Organic Chemical Industries Limited, Mumbai. There are three other producers of the subject goods in India viz. M/s. Lanxess India Pvt. Ltd., Thane; PMC Rubber Chemicals India Pvt. Ltd., Hooghly; and Merchem Ltd., Ernakulam. Petitioner claimed that the intensity of dumping had been such that while some of Indian Producers have substantially exited from manufacture of rubber chemicals and in fact, turned traders, resorting to imports of rubber chemicals, others have started importing intermediates from China, even at penultimate stage, where the further processing involved is insignificant in terms of total production activities. Petitioner further claimed that whether production of other Indian Producers is included or excluded, production of the petitioner constitutes more than 50% of Indian Production for each of the subject chemicals. The petitioners, therefore, constitute domestic industry under Rule 2(b) of the Rules, 1995.

ii. Production of petitioners constitutes a major proportion in Indian Production and therefore petitioners have been treated as "domestic industry" within the meaning of the Rules.

#### **C.2 views of the exporter, importers, consumers and other interested parties**

8. One of the responding exporters M/s Sinorgchem Group of Companies has argued that NOCIL has deliberately not provided details of its estimates of production for other companies so that other producers who are opposing the petition may not be in a position to rebut the claims on production. It has further been pleaded that NOCIL has not provided sufficient details and has succeeded in misleading the Designated Authority in initiating the proceedings.

#### **C.3. Examination By The Authority**

9. The Authority has examined the submissions made by the interested parties. Authority notes that the copy of initiation notification was sent to all other named domestic producers to enable them to rebut the claims of the petitioner on all aspects of the case including their manufacturing capacity, production etc. Apart from Swarup Chemicals (P) Ltd. and PMC Group International, no other domestic producer named in the petition and to whom the notices were sent, has submitted its response. Whereas Swarup Chemicals (P) Ltd. claiming to have an annual capacity of \*\*\* MT for manufacture of MBT, CBS, TMT and TDQ have supported the petition of the Domestic Industry, PMC Group has stated in their submissions that they are major importers of the subject goods from subject countries.

10. After the preliminary findings, the domestic industry has revised its claim of production of other Indian Producers, stating that the subsequent compilation of information by them shows that they had overestimated the production of other Indian Producers. Petitioner provided details of its calculations in this regard.

11. The information related to the production and sales details were also called for from PMC Rubber Chemicals, another interested party as also their Central Excise Authority and none of the two provided any information related to production of the subject goods by PMC

Rubber Chemicals. PMC has been writing to the Authority is pleading for waiver of ADD against them.

12. The Authority concludes that since the production information provided by the domestic industry was based on their estimates and further since Central Excise Authorities have provided actual information with regard to their production, in respect of Lanxess India Pvt. Ltd. and complete information has also been provided by Merchem Ltd., share of the NOCIL the Domestic Industry, in the total production of the domestic producers has been revised from the level reflected in the Preliminary Findings.

13. Having considered all the aspects and based upon the information on record subsequent to the issue of P.F. the table has been revised as follows. As per the revised table relating to share of DI in the Indian production, the production of petitioner company constituted a major proportion for each of the subject rubber chemicals, as is seen from the table below and there is no change in the standing of the Domestic Industry:-

SNO	Type of rubber chemical	NOCIL production	Production other Indian producers	Total Indian Production	Share of NOCIL in Indian Production
1	PX 13	***	***	***	73.26%
2	TDQ	***	***	***	78.63%
3	PVI	***	***	***	100.00%
4	TMT	***	***	***	53.32%
5	MBT	***	***	***	60.48%
6	CBS	***	***	***	74.96%

14. The Authority therefore concludes that the petition satisfies the condition of standing under the Rules and the petitioner constitutes "domestic industry" within the meaning of Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti-Dumping Rules.

#### **D. OTHER ISSUES**

15. API-SLG Law Offices have made following submissions on behalf of the Tyre Manufacturers Association (ATMA).

- a. Since there are six different products involved, Authority should have initiated six different investigations so that dumping, injury and causal link analysis could be done in a meaningful way. They have stated that the Rules clearly lay down that domestic industry means the domestic producers engaged in the manufacture of like article and therefore the investigation should be restricted to only one article. It has been stated that for the purposes of standing petitioner has not considered the data of other domestic manufacturers.
- b. The domestic industry has changed import volumes and Indian production for CBS and TDQ after the preliminary findings, which is incorrect and self serving exercise to reach pre-determined desired results. The original supporting data has

also not been filed to show which entries were taken and which ones were excluded to reach such revised figures. In the absence of any substantiation, such submissions ought to be rejected. Further, their estimation of production of other produces is confidential. Clearly, the domestic industry has resorted to adjusting figures to reach pre-desired objectives without any supporting evidence.

- c. Determination of NIP is not linked to imports in the country as the same is Target Price (without any impact of dumped imports). It is settled position that when domestic industry is realizing more than the Target Price then no duties can be imposed.
- d. Domestic industry has reiterated that names of processors and allied companies that undertake manufacturing activity on their behalf are business secret of the applicants. Such claims of confidentiality are unwarranted.
- e. The claims of domestic industry with regard to non-injurious price, price undercutting and injury margin should not be allowed on the grounds that the same is not supported by any provision of law.

16. From amongst importers, J.K. Industries Ltd. had furnished a response in the form of importers questionnaire.

17. Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.- China PR and Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd.- China PR have raised following issues:-

- (a) The initiation notification has set out a different period for consideration of injury from the POI and thus any injury found prior to the POI must necessarily be attributed to causes other than dumping, since dumping must be demonstrated for a particular period and cannot be assumed.
- (b) The Hon'ble Authority has not applied its mind to the accuracy and adequacy of the evidence provided by applicant as required by the provisions of Rule 5(3) (b) of the said Rules.
- (c) The normal value and related calculations have not been disclosed to and therefore it is difficult for these companies to address these issues any further.
- (d) If NOCIL gets a relief in the form of antidumping duty, it would use it not only to raise prices, but also with imports shut out and restricted, it would lower the quality of its materials and products. Since users include tyre manufacturers, this could expose them to the liability of increase in accidents involving tyres made with the use of low quality rubber chemicals.

18. Sinorgchem Group of Companies from China PR have raised following issues

- a. The present application for initiation of the anti-dumping investigation was filed by NOCIL, which claims to be independently qualified as the domestic industry. There are three other producers of the subject material in India.
- b. The initiation is based on wrong facts and analysis. It has been submitted that initiation of the present anti-dumping investigation appears to be the rarest of



the rare investigations in the history of DGAD where most of the parameters are showing improvement during the POI as compared to the base year.

- c. Conclusion of the Authority that the domestic industry has suffered material injury from the dumped imports from subject countries would be incorrect.
- d. The domestic industry has been able to increase its price even more than the increase in cost during the POI. The domestic industry has achieved increase in price more than double the increase in the landed value from China. This clearly demonstrates that the sales realization of the domestic industry is not affected by the export price in any manner and clearly confirms that no correlation between the net sales realization of NOCIL and the landed value of exports exists. It has therefore been claimed that there exists no causal link between imports and sales realization of the domestic industry.
- e. The Anti-Dumping duty should be in US \$ and not in INR.
- f. If the Authority decides that the exporters from China are not operating under MES, the Authority may adopt the normal value assessed for the Korea, as the normal value for China PR.

19. While supporting imposition of ADD, PMC has argued that its imports should not be subjected to ADD. The company has argued that it has employed 500 nos employees (direct and indirect), who would be out of employment if the company is also made to pay ADD.

#### Examination by the Authority

20. The Authority has considered these issues raised by various interested parties and concludes that:

- i. Authority has in the past been handling investigations, particularly in respect of rubber chemicals under one investigation and there is no deviation of this process followed by the Authority in the present case.
- ii. In respect of the entire lot of subject Rubber Chemicals under investigation, the NSR is lower than the NIP and price undercutting ranges from 7% to 28 %. Therefore this aspect already stands taken care of in the disclosure statement.
- iii. Injury has been established by way of analysing various mandatory injury parameters during entire injury period, commencing from 2003-04 to POI. The conclusions on injury are already given in the disclosure statement.
- iv. The subject responding exporter has been found to be operating under non-market economy conditions and therefore the question of disclosure of each parameter is not relevant as their domestic sales have not been considered, except for adoption of norms of consumption.
- v. The statement made by the responding exporter is inconsistent with the facts, because during POI while cost registered an increase, the selling price declined. This is already borne out by the details given in the disclosure statement.

**F. Determination of Dumping Margin****F.1 Examination of market Economy claims of Producer / Exporter from China.****Views Of The Domestic Industry**

21. China is a non-market economy country. No country has granted market economy country status to China after following elaborate evaluation parameters. China has been treated non-market economy by European Commission and United States in the past three years. European Union and United States are members of World Trade Organization. In India also, the Designated Authority has treated China as non-market economy. The Designated Authority has treated China as non-market economy in practically all the investigations initiated against China after the amendment dated 31<sup>st</sup> May, 2002.

22. Korea cannot be considered as an appropriate surrogate country for China.

**Views Of The Exporter**

23. Sinorgchem Group of Companies has submitted that the market economy status to the Sinorgchem Group of companies has been denied because it has been mentioned in the Article of Association that the concerned company will accept state and public supervision. It has been pleaded that State supervision does not amount to significant state interference. The Articles of Association mention is as matter of public policy that the company shall function under public and the state and there is no state intervention in the functioning of the company just as there is no intervention of the public in the functioning of the company. It has further been pleaded that Under Law, it is necessary that there is significant state interference which results in distortion in cost, price and distribution.

24. It has further been submitted that in the event the DGAD does not accept submissions of market economy status the most appropriate surrogate country can be Korea RP (which has been verified by the DGAD) and not EU or India.

**Examination By The Authority**

25. The Authority notes that China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO members in the past three years. In terms of Para 8(2) of the annexure-1 of Anti-dumping rules, China PR was proposed to be treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.

26. As per Paragraph 8, Annexure 1 to the Anti-Dumping Rules, as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment (MET) questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

27. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand without significant state

interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

28. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

29. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.

30. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

31. The Authority notes that three producers and exporters of the subject goods from China submitted their exporter's questionnaire responses and market economy questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. Additional information was called from these exporters, which were also provided. On the spot investigations were also conducted at their premises. The questionnaire responses and the Market Economy responses of the responding producers and exporter have been examined below by the Authority for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from China.

**M/s. Shandong Shanxian Chemical Co.Ltd.**

32. M/s. Shandong Shanxian Chemical Co.Ltd has filed an exporter's questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject goods. Additional information was also called for from the applicant on its claim of market economy status. The Authority notes that M/s. Shandong Shanxian Chemical Co.Ltd appeared to be a company under transformation as the factory was very much in existence during 1998-99 itself.

33. The producer was advised to submit the necessary details of transformation i.e. transfer of assets and liability of the former enterprise during 1998-99, process followed valuation of assets etc. The producer vide its letter dated Dec. 2007 submitted certain additional information.

34. During spot verification, examination of the status of the company and the process of its transformation from a State-owned enterprise to private ownership through the joint stock route and subsequently wholly foreign owned enterprise route indicates that the valuation of assets and liabilities and transfer of the assets to the newly formed entity has not been transparent and open to public. The transfer price of the assets has been extremely low, as a part of the assets have been adjusted towards the liabilities, which have not been fully paid. The capital of the company has grown many-fold from a very small investment of little more than \*\*\*Million RMB within a very short span. The land use fee paid to the country authorities is also very nominal. The verification of records by the Authority conclusively proved that the company is operating under a non-market economy regime. A detailed verification report to this effect has already been supplied to the producer/exporter concerned as well as their legal representatives in India. The Authority therefore concludes that the responding exporter is operating under non-market economy conditions.

**M/s Shandong Yanggu Huatai Chemical Co.Ltd.**

35. M/s. Shandong Yanggu Huatai Chemical Co.Ltd. has filed an exporter's questionnaire and MET response as a producer- Exporter of the PVI. Additional information was also called from the applicant on MET questionnaire and exporters response vide letter dated 10<sup>th</sup> Dec. 2007. The producer – Exporter submitted certain information vide letter dated Dec. 2007.

36. As per MET questionnaire response, the company informed that it was established on 23.3.2000 as 'limited liability' company whereas as per exporter's response, it was noted that company was established on Dec.22, 1998. It was also noted that technology contract was entered into on 30.6.1997 between Shandong Yanggu Huatai Chemical Factory and Chemical Research Institute of Shandong Province. In response to the deficiency letter, the producer/exporter has informed that Yanggu Huatai Organic Chemical factory was established in 1994 and registered as state owned factory.

37. During spot verification by the investigating team it came to the fore that Examination of the status of the company and process of its transformation from a state owned enterprise to private ownership through limited liability route indicates that the valuation of assets and liabilities and transfer of assets to the newly formed, entity has not been transparent and open to public. The transfer price of the assets has been extremely low, as a part of the 'assets' have been adjusted towards the liabilities which have not been paid or rescheduled. Fresh loan were obtained by the new entity but subsequent repayment of loans and status of liabilities could not be explained. The capital of the company has grown manifold from a very small investment of \*\*\* million RMB within a very short span. Therefore, a huge amount of liability appears to have been written off either by the government or the banks. Land use fee paid by the company also appear to be low. The verification of records by the Authority conclusively proved that the company is operating under a non-market economy regime. A detailed verification report to this effect has already been supplied to the producer/exporter concerned as well as their legal representatives in India. The Authority therefore concludes that the responding exporter is operating under non-market economy conditions.

**Sinorgchem (Group) Co, Shanghai, Sinorgchem Co.,Shandong and Sinorgchem Co., Tai an**

38. Each of the above interested parties have filed an exporters' response and MET response as a producer and/or exporter of the subject goods. Since these companies are related to each other, they have sought 'Group Treatment'. Additional information was also called for on their respective claim of market economy status. Authority notes that Shandong Sinorgchem Co.Ltd., emerged in August 1998 during the property right reform of state-owned enterprises. As per business licence, the company was in operation since 14<sup>th</sup> May, 1999. The Company was set up by means of promotion and was established by Heze Import & Export Co.; Shandong, Shandong Caoxian Sinorgchem Chemical Factory, Cookian Kemic Co; Shandong, Caoxian. He Rubber Additive Agent Co; Shandong and Caoxian He Chang Rubber Additive Agent Co; Shandong. From the information available on record, it is noted that both Shandong Heze Area import and Export Company and Shandong Cao country Sinorgchem Five Chemical Plant were state owned enterprises having majority shares with these state owned enterprises. After establishment, the shares of the company have been transferred several times. In Oct 2005, Sinorgchem headquarter was established in Shanghai. In Feb.,2006 Sinorgchem Group was established in Shanghai. On June 8, 2006 the first stage of \*\*\* ton 4-ADPA was put into operation and production capacity reached \*\*\* tons per annum. Authority notes that prior to capacity expansion on June 8, 2006 the capacity of \*\*\*

tons 4-ADPA per annum existed. Further, as per article of association of both of Sinorgchem Group Co. as well as Sinorgchem Co. Shanghai, it is noted that both these companies shall accept the supervision of Government and the public. During spot verification by the investigating team it came to the fore that Examination of the status of the company and the process of its transformation from a State-owned enterprise to private ownership reveals that the state owned assets of over \*\*\* Million RMB were transferred for a nominal price of \*\*\* Million RMB. The verification of records conclusively proved that the company is operating under a non-market economy regime. A detailed verification report to this effect has already been supplied to the producer/exporter concerned as well as their legal representatives in India. The Authority therefore concludes that the responding exporter is operating under non-market economy conditions.

## F.2 Determination of Normal Value

39. As recorded above all the three companies as above have been found to be operating under non-market economy conditions and therefore the Authority has determined the normal value for all the above Chinese responding exporters in accordance with para 7 of Annexure I of Antidumping Rules.

40. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that

*"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."*

41. The Authority had indicated in the initiation notification that the petitioner has claimed China as a non-market economy. The petitioner claimed determination of normal value on the basis of constructed cost of production and also based upon price in Europe. Petitioner has claimed that normal value can not be determined on the basis of price or costs in third countries for the reason that subject goods are not produced in several countries and no information is publicly available in this regard. Therefore, the domestic industry submitted that India should be treated as an appropriate surrogate country for China in this matter and the normal value should be determined accordingly.

42. The Authority has determined the normal value in China on other reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure I to the Rules. Accordingly, the ex-works Normal value of the product under consideration for all exporters from China has been constructed based on facts available. The Normal Value has been constructed by the Authority taking into account international price of all the major inputs to the extent international prices of such raw materials are available and Consumption norms of the cooperating exporters, conversion cost, and SGA expenses of the domestic industry have

been adopted for determination of the normal value. After adding a reasonable profit margin of 5% constructed normal value has been worked out as under:

S. No.	Product Under Consideration	CNV US\$/K.G
1.	PX-13 (6 PPD )	***
2.	TDQ	***
3.	PVI	***
4.	TMT	***
5.	MBT	***
6.	CBS	***

### F.3 Export Price

#### Shandong Shanxian Chemicals Co.Ltd.

43. Shandong Shanxian has reported export of certain Rubber Chemicals i.e. MBT, CBS, PVI and TMT to India during the POI. The goods have been sold to direct customers in India. The sales to Indian customers are in CIF term. The exporter has claimed adjustments towards, inland freight, air freight and insurance to India and credit expenses to arrive at ex-factory export price. However, it is noticed that no adjustment towards the VAT paid and refund obtained has been made though the exporter is required to pay VAT @ 17% of the invoice value and is entitled for a refund a part of the VAT paid on export.

44. During the course of spot verification following came to notice of the Authority:

- i. In the case of rubber chemical CBS that although the element of adjustments on Inland freight, Overseas Insurance and credit cost were found to be correctly accounted for, some variation came to notice in respect of the adjustments claimed on account of Overseas Freight. It also came to notice during verification that they had incurred other overhead expenses in the form of packing, collection charges, postal charges and overseas banking expenses. That apart, VAT refund of 4% had not been taken into account in their response which was also required to be adjusted for arriving at the net export price at ex-factory level. They admitted that they had missed out on these adjustments and provided a revised Appendix 2. The net export price, after taking into account all the requisite adjustments as above, has been worked out by the Authority as US\$ \*\*\* per MT as against US\$ \*\*\* claimed in the original exporter response.
- ii. In case of PVI some variation came to notice in respect of the adjustments claimed on account of Overseas Freight. It also came to notice during verification that they had incurred other overhead expenses in the form of packing, collection charges, postal charges and overseas banking expenses. That apart, VAT refund of 4% had not been taken into account in their response which was also required to be adjusted for arriving at the net export price at ex-factory level. They admitted that they had missed out on these adjustments and provided a revised Appendix 2. The net export price, after taking into account all the requisite adjustments as above, has been worked out by the Authority as US\$ \*\*\* per MT as against US\$ \*\*\* claimed in the original exporter response.
- iii. In case of TMTD /TMT, although the element of adjustments on Inland freight, Overseas Insurance and credit cost were found to be correctly accounted for, some variation came to notice in respect of the adjustments claimed on account of Overseas

Freight. It also came to notice during verification that they had incurred other overhead expenses in the form of packing, collection charges, postal charges and overseas banking expenses. That apart, VAT refund of 4% had not been taken into account in their response which was also required to be adjusted for arriving at the net export price at ex-factory level. They admitted that they had missed out on these adjustments and provided a revised Appendix 2. The net export price, after taking into account all the requisite adjustments as above, has been worked out by the Authority as US\$ \*\*\* per MT as against US\$ \*\*\* claimed in the original exporter response.

- iv. In respect of Rubber Chemical MBT although the element of adjustments on Inland freight, Overseas Insurance and credit cost were found to be correctly accounted for, some variation came to notice in respect of the adjustments claimed on account of Overseas Freight. It also came to notice during verification that they had incurred other overhead expenses in the form of packing, collection charges, postal charges and overseas banking expenses. That apart, VAT refund of 4% had not been taken into account in their response which was also required to be adjusted for arriving at the net export price at ex-factory level. They admitted that they had missed out on these adjustments and provided a revised Appendix 2. The net export price, after taking into account all the requisite adjustments as above, has been worked out by the Authority as US\$ \*\*\* per MT as against US\$ \*\*\* claimed in the original exporter response.

- v. Detailed working and the exact export price verified has already been communicated by the Authority in the verification report to the exporter concerned.

**M/s. Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd**

45. As per appendix 2 of the questionnaire response they had claimed to have exported a total quantity of \*\*\* MT of PVI to India at a total CIF realization of US\$ \*\*\*. A total of \*\*\* transactions were involved. Original documents related to these transactions were verified during spot verification by the investigating team. In the original exporter response they had claimed adjustments on account of Inland freight, Overseas Freight, Overseas Insurance and credit cost alone. During verification by the Authority it came to notice that although the element of adjustments on this score were found to be correct, it came to notice during verification that they had incurred other overhead expenses in the form of packing, local insurance, collection charges, postal charges and overseas banking expenses. That apart, VAT refund of 4% had not been taken into account in their response which was also required to be adjusted for arriving at the net export price at ex-factory level. The net export price, after taking into account all the requisite adjustments as above, has been worked out by the Authority as US\$ \*\*\* per MT as against US\$ \*\*\* claimed in the original exporter response. The detailed calculations have already been supplied to the exporter concerned by the Authority in the verification report.

**M/s. Sinorechem Co. Shandong**

46. They have been exporting PX13 (6PPD). Verification of the records of the subject exporter by the Authority revealed that there was a significant difference between export and domestic sales so far as adjustments on account of packing expenses were claimed. It was explained by the exporter that exports to India was first packed in bags and then put into pallets whereas the domestic sales are carried out in bags only. Therefore, the cost of packing in respect of exports to India is almost 4 times the cost of packing in domestic market sales. The adjustment claimed in respect of direct selling expenses, VAT refund, Commission paid, bank charges, credit cost, were allowed after due verification on actual basis. Further during

perusal of records it came to notice that Vat refund rate @ 13% was in operation from April 2006 to September 2006 and @ 17% from October 2006 to march 2007. Taking all these factors into consideration, the net export price, after taking into account all the requisite adjustments as above, has been worked out by the Authority as US\$ \*\*\* per MT as against US\$ \*\*\* reflected in the exporter questionnaire submitted in response to the initiation. The details to this effect have already been communicated by the Authority to the exporter in the verification report.

**M/S Sinorgchem Co., Tai'an China and Sinorgchem Co. Shanghai, China**

47. Both the above did not make any exports of subject goods to India during POI.

**Export Price for Non-cooperating exporters from China**

48. In respect of non-cooperating exporters from China, the lowest export price based upon the verified data in respect of cooperating exporters for products MBT, TMT, PX13 (6PPD), CBS and PVI has been considered. As regards TDQ, there being no response, the average export price from IBIS and DGCI&S data only Ludhiana port has been considered for calculation of net export price. Adjustments like Ocean freight etc. has been allowed at par with the ones allowed in respect of Co-operating exporters from China as above, for arriving at export price at ex-factory level. By adopting this method the export price at ex-factory level in respect of non-co-operating exporters from China has been worked out by the Authority as per table below:

S.No.	Product Description	Net-Export Price US\$ /MT
1.	MBT	***
2.	TDQ	***
3.	TMT	***
4.	PX13(6PPD)	***
5.	CBS	***
6.	PVI	***

**F.4. Normal Value and Export Price in respect of Kumho Petrochemicals Co, Ltd., Korea RP**

**Normal Value**

**VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY**

49. The domestic industry has claimed that:

- The normal value in Korea is quite high. Domestic industry has produced evidence showing that the subject goods produced by Kumho Petrochemicals Co, Ltd have been sold in Korean domestic market at a price ranging between Won 4.96 Won 6.80 Per MT. Domestic industry has further claimed that normal value in Korea should be determined as the weighted average price considering import volume from various sources and sales made by the domestic industry. Based on information released by KITA on its website, the domestic industry claimed that 4240 MT 6PPD has been imported into Korea at a CIF price of US \$ 4.06 per kg. Considering 6.5% customs duty, the price to a Korean customer comes to US \$ 4.365/Kg. According to the domestic industry, the Korean domestic demand is



about 7000-8000 MT and the imports thus constitute significant proportion (more than 50% of domestic demand). The domestic industry supplemented its claim of this price based on import price from India reported by KITA and sales invoices of domestic industry in respect of its exports to Korea. Domestic industry has argued that the domestic selling price for Korean producer cannot be different from the landed cost of the imported material which constitutes more than 50% of the domestic price. Even if there is variation in prices, same has to be within reasonable limits and the variation cannot be to the extent as is reflected in the data with the Authority provided by the Domestic Industry and the one claimed by the responding exporter from Korea RP. Domestic industry has concluded that it was inconceivable that a Korean producer would have sold the material at lower prices in the domestic market.

- ii. It has also been argued that the normal value under the Rules means the comparable price for the like article when meant for consumption. The words "like articles", "comparable price", "meant for consumption" clearly implied that such prices were not limited to the prices at which goods are sold by the producer concerned. Relying upon the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Reliance Industries Ltd., and the practice adopted by the Designated Authority thereafter, the domestic industry has argued that in any case it was justified to consider weighted average of the prices for the goods sold in the domestic market, considering the volumes imported for sale and volumes sold by Kumho Petrochemicals Co, Ltd
- iii. They have further argued that cost of production determined should reasonably reflect the costs associated with production and sale of the product under consideration and dumping margin in respect of exports made by KPC is not below US \$ 1.036 or 24%.

#### Views of the exporter

Kumho Petrochemicals Co, Ltd. has submitted that:

- i. The determination of normal value for KPC was inconsistent with the relevant legal provisions.
- ii. In this case, normal value has been determined on the basis of weighted average of (a) sales volume of KPC in the domestic market in the Korea and (b) import volumes into Korea RP. Such a method of determining normal value is unheard of. Till now, the designated authority has never determined normal value by combining the domestic sales of an exporter in the exporting country with the imports into the exporting country. The methodology is illegal and unwarranted for the various reason enumerated below
- iii. Scope of an AD investigation covers products originating in or exported from a given country/countries. In this case, investigation was against PPD originating in or exported from Korea. The imports made into Korea represent goods that were neither originating in nor exported from Korea. Accordingly, products imported into South Korea from other countries are outside the scope of the antidumping investigation and the prices of such imported goods shall not be considered for the determination of normal value of the goods covered in this investigation.

- iv. KPC is not aware of the evidence presented by the domestic industry regarding the prices at which goods produced by KPC are sold in the Korean domestic market. KPC sells the product in the Korean market directly to its customers. KPC has presented complete details of all its transaction and the same have been verified also. The verified data gives the authentic information about the prices at which the goods manufactured by KPC were sold in the Korean market during POI. KPC requests the authority to adopt the verified data. Any evidence to the contrary would be dubious and shall not be relied upon. If the authority is desirous of considering any other evidence regarding KPC's selling prices, the said evidence may be presented to KPC for their comments so that KPC gets a fair opportunity to defend its interests properly. Further, to the best of the knowledge and belief, KPC is not aware of any of its customers reselling the product in the Korean market. It may be possible that some of the customers might have disposed off their excess or unused stock in the domestic market. Otherwise, in the normal course, none of their customers are reselling the product in the domestic market in Korea. In any case, KPC has no related entity in Korea that is involved in the domestic sales of the product. Even if some of the customers have resold the product in the Korean market, since those customers are unrelated parties, ex-factory domestic selling price would be equal to the sales realization by KPC and it shall not be affected by the resale price of the unrelated reseller. Thus, the domestic industry's claim appears to be dubious on the one hand and irrelevant on the other.

#### **Examination by the Authority**

51. Regarding the issue raised by the domestic industry about determination of normal value based upon import prices into Korea RP, the same was considered in PF by the Authority and only weighted average of imports price into Korea and selling price of Korea Kumho in domestic market in Korea was considered for determination of normal value at PF stage. The situation has now changed as the Korean domestic prices have been found not to pass OCT test and Constructed Normal Value has now been considered by the Authority for determination of dumping margin as per details enumerated here after.

52. The responding producer/exporter has reported to the Authority that it has exported \*\*\* MT of 6-PPD/PX-13 to India at an average Ex-factory export price of US \$ \*\*\*/Kg. with regard to normal value, the producer has requested that on the sale of \*\*\* MT of 6PPD, the unit realization was US \$ \*\*\*/Kg. Accordingly, the producer-exporter claimed that it has not dumped 6 PPD into India.

53. Contrary to above, the domestic industry has claimed that the normal value in Korea is quite high. Domestic industry has produced evidence showing that the subject goods produced by Kumho Petrochemicals Co, Ltd have been sold in Korean domestic market at a price ranging between Won 4700 to Won 6800 Per MT. Domestic industry has further claimed that normal value in Korea should be determined as the weighted average price considering import volume from various sources and sales made by the domestic industry. Based on information released by KITA on its website, the domestic industry claimed that 4239.10 MT 6PPD has been imported into Korea at a CIF price of US \$ 4.06 per kg. Considering 6.5% customs duty, the price to a Korean customer comes to US \$ 4.32/Kg. According to the domestic industry, the Korean domestic demand is about 7000-8000 and the imports thus constitute significant proportion (more than 50% of domestic demand). The

domestic industry supplemented its claim of this price based on import price from India reported by KITA and sales invoices of domestic industry in respect of its exports to Korea. Domestic industry has argued that the domestic selling price for Korean producer cannot be different from the landed cost of the imported material which constitutes more than 50% of the demand. Even if there is variation in prices, same has to be within reasonable limits and the variation cannot be to the extent as is reflected in the data with the Authority provided by the Domestic Industry and the one claimed by the responding exporter from Korea RP. Domestic industry has concluded that it was inconceivable that a Korean producer would have sold the material at lower prices in the domestic market.

54. The domestic industry has also argued that the normal value under the Rules means the comparable price for the like article when meant for consumption. The words "like articles", "comparable price", "meant for consumption" clearly implied that such prices were not limited to the prices at which goods are sold by the producer concerned. Relying upon the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Reliance Industries Ltd., and the practice adopted by the Designated Authority thereafter, the domestic industry has argued that in any case it was justified to consider weighted average of the prices for the goods sold in the domestic market, considering the volumes imported for sale and volumes sold by Kumho Petrochemicals.

55. During the course of verification by the Authority, the producer/exporter was asked to furnish the reasons for his significantly lower domestic selling price for PX 13 as compared to imported price when material from both the sources is sold and consumed in the Korean market. The Authority also notes that Kumho Petrochemicals does not have facility for producing intermediate raw material that is 4 ADPA required for producing 6 PPD. During POI the whole requirement of 4 ADPA was sourced from M/S Sinorgehem, China PR. Though Kumho Petrochemicals admitted that imports in to Korea RP were taking place at a much higher price as reported in KITA, they chose not to respond to the clarification sought on the reasons for the same. They simply pleaded that it was a business decision of their competitors to import at a higher price and not source the subject goods from them. However, this statement of Kumho Petrochemicals has been found to be incorrect because during POI itself it has actually sold PX 13 to Hankook Tyres. It was not clarified to the Authority by the said responding exporter as to why Hankook will import the material at about US \$ 4.30 per kg when the same article is available from Kumho Petrochemicals at about US \$ \*\*\* per kg.

56. The authority notes that in term of Section 9A sub-section 1(C) of the Custom Tariff Act, "Normal Value, in relation to an article, means,

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or .....

57. Further in terms of paragraph 1 of Annexure 1 referred in rule 10 of anti-dumping rules as amended, the elements of costs referred to in the context of determination of normal value shall normally be determined on the basis of records kept by the exporter or producer under investigation provided such records are in accordance with the generally accepted accounting principles of the exporting country and such records reasonably reflect the cost associated with production and sale of the article under consideration.

58. Section 9A (1) (c) (i) and Para 1 of Annexure 1 referred in rule 10 of anti-dumping rules require that in order to ascertain the comparable price in ordinary course of trade for the like article when meant for consumption in the exporting country, the domestic sales reflected

in the records for the relevant period at the price shown therein will normally be accepted when the records reasonably reflected the cost associated with the production and sale of such article. Authority concludes that during the course of verification it came to notice that 4 ADPA, the primary raw material required for manufacture of 6 PPD was sourced by Korea Kumho from Sinorgchem, a Chinese producer at a price of approximately US\$ \*\*\* per K.G., lower than the price of US \$ \*\*\* per K.G., at which they had been supplying the same to India. Further the import price of this very raw material when sourced from a market economy country into India was found to be US \$ 3.09 per K.G. Incidentally Sinorgchem happens to be a participating exporter from China PR in the present investigation and verification of the said exporter by the Authority revealed that they are operating under non-market economy conditions.

59. Therefore, the Authority concludes that in a situation where major input i.e. 4 ADPA used in production of 6 PPD was solely sourced from a non-market Economy Company, the use of actual purchase price of Kumho Petrochemicals for 4 ADPA, would not reasonably reflect the cost associated with production of 6 PPD.

60. In view of above, the authority has adjusted the cost of production and sale by the difference between the international price of 4 ADPA from a market economy country and actual purchase price of Kumho Petrochemicals. Accordingly the revised cost of sales for PX 13(6PPD) works out to US \$ \*\*\* per kg. At this adjusted cost of sale the domestic sales made by Kumho Petrochemicals during POI fail to pass the ordinary course of trade test. Accordingly the domestic sales do not permit a proper comparison. The Authority, therefore, has constructed the normal value for Kumho Petrochemicals in terms of Section 9A (1) (c) (ii)

61. Taking note of these factors, the Authority has calculated the normal value in the instant case by taking into account the cost of production of the subject goods in Korea RP based upon the 4ADPA's international price from a market economy country, and allowing other costs as claimed and verified. On the cost of sales so arrived at, the average profit margin has been considered. Normal value for PX-13 (6PPD) has been determined accordingly and worked out as US \$ \*\*\* per K.G by the Authority.

#### **Export Price**

62. Spot verification done by the Authority revealed that the adjustments claimed on account of Inland freight, Ocean freight (inclusive of terminal handling charges, Bill of Lading Fee, handling charge, wharf age), Ocean insurance, Customs broker fee, Bank charges, Commission and a negative deduction towards duty drawback received on export sales were in order and corroborated by related records. The responding producer having reported ex-factory export price as US \$ \*\*\*/Kg in the exporter response was found to be in order by the Authority.

#### **Export Price for Non-Cooperating Exporters from Korea**

63. In respect of non-cooperating exporters from Korea, the lowest import price based upon verified data of the cooperating exporter has been taken into account. Adjustments like Ocean freight etc. has been allowed at par with the ones allowed in respect of Co-operating exporters from Korea as above, for arriving at export price at ex-factory level. By adopting this method the export price at ex-factory level in respect of non-co-operating exporters from Korea for PX13 (6PPD) worked out by the Authority is US\$ \*\*\* per MT or US\$ \*\*\* per K.G.

**F.5. Dumping Margin For Kumho Petrochemicals Co., Ltd Korea RP**

64. The Dumping Margin based upon the above calculations of Normal Value and Export price has been worked out by the Authority in the range of to 4-9% as per table below.

	US\$/Kg.
Normal Value	***
Export Price	***
Dumping Margin	***
DM %	4-9%

**F.6. Dumping Margins for Non-Co-operating exporters From RP**

65. The dumping margin for Non-Cooperating exporters from Korea PR based upon the normal value and export price as worked out by the Authority is in the range of 6-11% as per table below:

Normal Value US\$/Kg.	Export Price US\$/Kg.	Dumping Margin US\$/Kg.	DM %
***	***	***	6-11%

**F.7. Dumping Margins For Producers Exporters From China PR**

66. For the purpose of determination of dumping margin the ex-works normal value and export prices, so determined, have been compared at the same level of trade and dumping margin has been determined for the exporters from the subject country as follows:-

**Co-operating exporters**

Product	Producer	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	DM %
			USD/Kg	USD/Kg	USD/Kg	
PVI	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	***	***	***	5-10
	Shandong Yongqui Huantai Chemicals Ltd	Shandong Yongqui Huantai Chemicals Ltd	***	***	***	10-15
TMT	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	***	***	***	75-80
CBS	Shandong Sanxian Chemical	Shandong Sanxian Chemical	***	***	***	42-47

	Co. Ltd.	Co. Ltd.				
MBT	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	***	***	***	42-47
PX-13 (6PPD)	Sinorgchem Company Shandong	Sinorgchem Company Shandong	***	***	***	30-35

### **Non-Co-operating Exporters**

S.No.	Product Description	Normal Value US\$ /K.G	Export Price US\$ /K.G	Dumping Margin US\$ /K.G	DM %
1.	PVI	***	***	***	15-20
2.	TMT	***	***	***	92-97
3.	CBS	***	***	***	47-52
4.	MBT	***	***	***	47-52
5.	PX13(6PPD)	***	***	***	50-55
6.	TDQ	***	***	***	20-25

67. The dumping margins so determined are significant and above de minimis level.

### **G. Injury Determination**

#### **G.1 Examination of Injury and Causal Link:**

68. Rule 11 of Anti-Dumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may cause injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles". While considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like article in India, or whether the effect of such import is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

69. The Authority notes that the application for imposition of anti-dumping duty was filed by M/s. NOCIL. In terms of Rule 2(b) of the Rules, NOCIL has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. The Authority concludes that there are three other known producers of the subject goods in India i.e. M/s. Lanxess India Pvt. Ltd., PMC Rubber Chemicals India Pvt. Ltd. and M/s. Merchem Ltd.

70. Subsequent to the issue of the preliminary findings, the Authority wrote to other Indian Producers to advise their production of various rubber chemicals. Replies were received from Merchem Ltd., which have been taken into account. Authority also wrote to the concerned Excise Authorities of these manufacturers to have the inputs on the production of other Indian Producers. Information was received from Central Excise Authorities Ernakulam Division and Thane for Merchem and Lanxess.

71. As far as data relating cost of production, cost to make and sell, selling price along with net sales realization etc., for individual rubber chemicals under investigation separately,

Authority sought this information from all other domestic producers. However none of the other domestic producers, apart from NOCIL provided any substantial inputs on this issue which could be used for injury analysis. In view of the foregoing, the Authority holds that none of the other interested parties have provided injury information and that NOCIL constitutes domestic industry under the Rules.

72. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. are required to be considered in accordance with Annexure II of Rules. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization sales volume etc. are also required to be examined.

## **G.2. Views of the Domestic Industry:**

73. The domestic industry has claimed to have suffered material injury. In their submissions made after the conclusion of the oral hearing with regard to individual rubber chemical they have claimed that:

(a) **PX-13** – Imports of PX13 increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to total imports into India, production and consumption in India. With regard to price effect, it is found that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and selling price of the domestic industry declined significantly over the injury period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the product was earlier facing dumping from Europe and Taiwan and interim anti dumping duties were imposed on 7<sup>th</sup> July, 2005. Performance of the domestic industry first improved and thereafter deteriorated in terms of production, capacity utilization, selling price, profits, cash profit and return on investments. Domestic sales & market share declined and inventories increased throughout the injury period. Imports were first depressing and thereafter suppressing domestic prices. Further, performance of the domestic industry deteriorated on quarter-to-quarter basis in terms of selling price and profits.

(b) **PVI** – Imports of PVI increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to production and consumption in India. With regard to price effect, it is found that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and selling price of the domestic industry declined significantly over the injury period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, capacity utilization, market share, inventories, selling price, profits, cash profit and return on investments. Even though domestic sales increased up to 2005-06, the same declined in investigation period even when demand increased and the domestic industry had enhanced capacity in 2004-05. Imports were depressing the domestic prices throughout the period.

(c) **TDQ** – Imports of TDQ increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to imports in India and & production consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. Resultantly, selling price of the

domestic industry, which increased up to 2005-06 with initiation of investigations and thereafter imposition of anti dumping duties against other sources, declined significantly in investigation period and such decline continued on quarter-to-quarter basis within the investigation period? Resultantly, profits, cash profits and return on investment continued to decline throughout the investigation period on quarter by quarter basis. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the product was earlier facing dumping from EU and Taiwan, wherein investigations were initiated and anti dumping duties were imposed on 7<sup>th</sup> July, 2005. Performance of the domestic industry improved in terms of production, capacity utilization, domestic sales, selling prices, profit/loss, cash profits, return on investments between 2003-04 and 2005-06 as a result of imposition of anti dumping duties on EU and Taiwan. However, the performance in respect of all these factors deteriorated once again in the investigation period with dumping from China. Inventories with the domestic industry increased throughout the period. The domestic industry added capacities in line with increase in demand. However, capacity utilization declined significantly in the investigation period after improving up to 2005-06. Further, performance of the domestic industry deteriorated on quarter-to-quarter basis in terms of selling price, profits, return on investment.

(d) **TMT** – Imports of TMT increased significantly in absolute terms and in relation to production/ consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the price of the domestic industry in the market. As a result, selling price of the domestic industry increased up to 2005-06, but declined in investigation period. Further, whereas cost of production increased, selling prices declined. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, performance of the domestic industry improved in terms of production, capacity utilization, sales volumes, profits, return on investments and cash profits upto 2005-06, whereas inventories increased and market share declined. The domestic industry reduced prices significantly in the investigation period and consequently, profits, return on investments and cash profits declined. Such decline continued in quarter by quarter performance during the investigation period as well.

(e) **CBS** – Imports of CBS increased significantly in absolute terms and in relation to production/consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the price of the domestic industry in the market, selling price of the domestic industry increased between 2003-04 and 2005-06 and declined significantly during the investigation period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of capacity utilization and inventories throughout the injury period. Performance of the domestic industry first improved and thereafter deteriorated in terms of selling price, profits return on investment, cash profits.

(f) **MBT** – Imports of MBT increased significantly in absolute terms and in relation to production/consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the price of the domestic industry in the market. Selling price of the domestic industry increased up to 2005-06 and declined significantly during the investigation period, whereas cost of production increased throughout the injury period. The imports were thus suppressing as also depressing the prices of the domestic industry in the market. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, sales of the domestic industry improved up to 2004-05 and declined thereafter. Production and capacity utilization increased



significantly in 2005-06, declined in 2005-06 and thereafter increased again in investigation period, even though the levels were lower than 2003-04 and 2004-05. Whereas cost of production increased throughout the injury period, the selling price increased up to 2005-06 and declined in investigation period. Resultantly, profits, cash profits and return on investments improved upto 2005-06 and declined in investigation period.

74. With regard to other related issues on injury, following submissions have been made.

- i. **Inventories** – The inventory levels has very significantly increased over the injury period.
- ii. **Working capital** – Dumping has led to increase in working capital.
- iii. **Contribution margin** – The contribution margins improved up to 2005-06. The same however, has declined thereafter sharply in the period of investigation.
- iv. **Debtors** – The average collection period increased significantly over the injury period.
- v. **Employment and wages** – Number of employment and wages paid have declined over the injury period.
- vi. **Ability to raise capital investment** – The Company has made fresh investments considering that the demand for rubber chemicals is increasing significantly.
- vii. **Growth** – Growth of the domestic industry was positive in respect of each of the subject rubber chemicals up to 2005-06. However, growth became negative in respect of each of the subject rubber chemicals during the period of investigation. Negative growth can be seen in respect of most of the parameters. Further, growth became increasingly negative on quarter-by-quarter basis.
- viii. Domestic industry has suffered material injury during period of investigation. The deterioration is more pronounced in case the parameters such as production, capacity utilization, sales volumes, profit/loss, cash flow, and return on investments are seen on quarter-by-quarter basis.

### G.3 Views of the Exporters

75. **Sinorgchem Group Of Companies** has submitted that the petitioner has submitted misleading and incomplete information on the issues of Injury to the Domestic Industry. It has been claimed that out of 12 injury parameters analysed, only 4 indicate injury where as all other parameters including profitability are showing an increasing trend. It has further been submitted that NOCIL has deliberately made a comparison of those parameters where no injury could be found with the just proceeding year and not the base year. They have sought that Authority should make the injury analysis by comparing the performance during POI with the base year. It has been pleaded that claim of the petitioner that they had to reduce the prices commensurate to reduction in landed price is incorrect and misleading and on the contrary NOCIL could raise prices during the injury period more than increase in cost and has been able to increase its profits during the period of investigation compared to base injury

period. They have pleaded that the claim of Domestic Industry that the prices have not increased commensurate to the cost of production is misleading as the NSR has increased by 54% compared to Cost of Production by only 24%. It has also been pointed out that the claim of NOCIL that PBIT has become negative during POI compared to base year is misleading as this is a misplaced notion in such a situation where increase in sales price is more than the increase in cost of production. It has been concluded in its submissions that NOCIL has been able to mislead the Authority on the basis of incorrect analysis. The company has submitted that the profitability of the domestic industry has improved as compared to the base year 2003-04. It has been concluded by the designated authority that the increase in price during 2005-06 was due to imposition of anti-dumping duty by DGAD on imports of subject material from certain other countries. In this regard, it is to be noted that the argument of the domestic industry and conclusion of the designated authority that their performance in terms of profits, cash flow and return on investments improved until 2005-06 due to imposition of anti-dumping duty on other countries but deteriorated during the POI, is not based on facts. The domestic industry has not provided complete reasons for improvement in its performance during the year 2005-06. The exporter has further submitted that the comparison of the injury parameters during the period of investigation should have been with the base year.

76. **Kumho Petrochemicals Co, Ltd** has submitted that the domestic industry is having separate capacities for the various rubber chemicals. KPC understands that the domestic industry has a swing plant that can be used to produce a number of chemicals and it is being used for manufacturing many products. While some of the products manufactured by the domestic industry are covered in this investigation other products are not covered. In such a scenario, KPC does not know on what basis the capacity was allocated to all the rubber chemicals covered under this investigation. KPC requests the authority to disclose the basis on which the capacity for each of the subject goods was determined for the purposes of this investigation.

77. They have further submitted that the domestic industry was earning a profit of Rs.36.06 per kg during 2005-06 on 6PPD while it earned a profit of Rs.10.33 per kg during 2006-07 (POI) as shown in preliminary findings. Thus there was only a fall in profit. According to information available with KPC, domestic industry was selling the product during POI at around Rs.165/- per kg. If they had earned a profit of Rs.10.33 per kg, it work out to a profit of 7% on total cost. Normally, authority would grant only 5% profit on total cost. Thus, the domestic industry was earning more than adequate profits. Their demand appears to be that they should be protected to earn super profits. It appears that the domestic industry wants to use the anti-dumping measure to create trade distortions where none exist rather to remedy already existing trade distortions.

78. **Shandong Shanxian Chemical Co.Ltd.** and **Shandong Yanggu Huatai Chemical Co.Ltd.** have submitted that neither Shanxian nor Yanggu have caused any injury to domestic industry by the alleged dumping during POI. They have further submitted that the domestic industry injury claim seems to be highly exaggerated and also appears to have obtained anti-dumping protection on its whole range of products. ROC is usually taken at 22% and profits & costs are usually over 14% which are both well above world average. Once a company obtains anti-dumping duty on one of its products, it's easy to show injury on the other products but, there is no real injury and the causes of the injury maybe in other factors rather than the alleged dumping.

**G.4 Examination by the Authority**

79. The Authority has noted the views expressed by the interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry and proceeds to examine the issues raised and injury claims of the domestic industry as follows:

**G.5. Cumulative assessment of injury**

80. As per annexure-II (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-Dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that

a. The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, or where the export of individual countries is less than 3%, the imports collectively accounts for more than 7% of the imports of like article, and

b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

81. In the instant case, investigations in respect of 6PPD are from more than one country. The Authority, therefore, examined whether the injury to the domestic industry must be determined cumulatively from these two sources in respect of 6 PPD. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%. Cumulative assessment of injury is appropriate in respect of these two countries in view of the followings-

i. The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;

ii. The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced 6 PPD.

iii. The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market, and are like products.

iv. Imports from Korea and China have been made by same category of customers who are buying the product from the domestic industry.

82. The Authority holds that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports of 6 PPD on the domestically produced like article.

**G.6 Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic industry**

83. Subject Rubber Chemicals have been reported under Customs Subheading 38.12, 29.34 and 29.25 under the Customs Tariff Act. Since the customs classification are not dedicated to the products under consideration, summary import information published by DGCI&S have not been relied upon for determination of volume and value of imports of product under consideration. The Authority had relied upon the data provided by IBIS in order to determine volume and value of imports. However, subsequent to preliminary findings, the petitioner provided more information collected from DGCI&S. Petitioner also provided an analysis of imports reported by IBIS and DGCI&S, wherein the petitioner

compared all the transactions presented in the two statistics and established that a large number of transactions reported by the IBIS were not included in DGCI&S and similarly, a large number of transactions reported in DGCI&S were not included in IBIS. The petitioner further claimed that whereas the DGCI&S data is in respect of all the customs ports in the Country is available; IBIS data is only in respect of selected ports. Therefore, IBIS data would naturally not include imports reported in a number of customs ports in the Country. The petitioner has claimed to have procured DGCI&S information by using product description, which established that a large number of imports of TDQ and CBS were not included in the DGCI&S data earlier provided. While disputing the claim of the petitioner, ATMA has argued that the petitioner has relied upon self serving information. It is noted that ATMA is an association of the consumers of the subject goods.

84. The Authority holds that ATMA has neither provided information to establish volume and value of imports, nor have they given any plausible reasons as to why the information of imports cumulated from transaction wise imports reported by IBIS and DGCI&S would not be appropriate for determination of volume and value of imports of the product under consideration. Authority has, however, examined the claim of the domestic industry on this score and concludes that IBIS data source, although complete, showing much more quantum of import of subject goods, it does not reflect the imports made through ICD Ludhiana port. Therefore Authority considers imports thru ICD Ludhiana as reflected in DGCI&S data source to be included into the detailed transaction wise data of IBIS data source for volume analysis.

#### **G.6.1 Import Volumes and share of subject country**

85. Authority has examined the claim of the domestic industry and after comparing the import data from IBIS with transaction wise data from DGCI&S source finds the pleading of the Domestic Industry on this score to be correct. The Authority while conducting the volume analysis has considered this aspect and the same is detailed in the table given below.

#### **IBIS Data and DGCI&S data (DGCI&S data for Ludhiana Port only)**

Imports	Units	2003-04	2004-05	2005-06	POI
<b>PX 13</b>					
China RP	Mt	23	182	443	1620
Korea RP	Mt	51	699	1480	3396
Subject Countries	Mt	74	881	1923	5016
Trend	Indexed	100	1191	2599	6778
Other countries	Mt	3366	4774	2154	765
Trend	Indexed	100	142	64	23
Total Imports	Mt	3440	5655	4077	5781
Trend	Indexed	100.00	164.39	118.52	168.05
<b>MBT</b>					
China RP	Mt	118	280	447	619
Trend	Indexed	100.00	237.29	378.81	524.58
Other countries	Mt	2	8	13	15
Trend	Indexed	100.00	400.00	650.00	750.00
Total Imports	Mt	120	288	460	634
Trend	Indexed	100.00	240.00	383.33	528.33
<b>CBS</b>					
China RP	Mt	285	672	627	696
Trend	Indexed	100.00	235.79	220.00	244.21

Other countries	Mt	77	174	14	31
Trend	Indexed	100.00	225.97	18.18	40.26
Total Imports	Mt	362	846	641	727
Trend	Indexed	100.00	233.70	177.07	200.83
<b>PVI</b>					
China RP	Mt	128	191	210	361
Trend	Indexed	100.00	149.22	164.06	282.03
Other countries	Mt	7	0	0	11
Trend	Indexed	100.00	0.00	0.00	157.14
Total Imports	Mt	135	191	210	372
Trend	Indexed	100.00	141.48	155.56	275.56
<b>TDO</b>					
China RP	Mt	23	734	862	1315
Trend	Indexed	100.00	3191.30	3747.83	5717.39
Other countries	Mt	544	664	629	295
Trend	Indexed	100.00	122.06	115.63	54.23
Total Imports	Mt	567.00	1398.00	1491.00	1610.00
Trend	Indexed	100.00	246.56	262.96	283.95
<b>TMT</b>					
China RP	Mt	37	100	235	203
Trend	Indexed	100.00	270.27	635.14	548.65
Other countries	Mt	0	0	2	15
Trend	Indexed			100.00	750.00
Total Imports	Mt	37	100	237	218
Trend	Indexed	100.00	270.27	640.54	589.19
<b>Market Share in Imports</b>					
<b>PX 13</b>					
China RP	%	0.67	3.22	10.87	28.02
Korea RP	%	1.48	12.36	36.30	58.74
Subject Countries	%	2.15	15.58	47.17	86.77
Trend	Indexed	100.00	724.22	2192.63	4033.49
Other countries	%	97.85	84.42	52.83	13.23
Trend	Indexed	100.00	86.28	53.99	13.52
<b>MBT</b>					
China RP	%	98.33	97.22	97.17	97.63
Trend	Indexed	100.00	98.87	98.82	99.29
Other countries	%	1.67	2.78	2.83	2.37
Trend	Indexed	100.00	166.67	169.57	141.96
<b>CBS</b>					
China RP	%	78.73	79.43	97.82	95.74
Trend	Indexed	100.00	100.89	124.24	121.60
Other countries	%	21.27	20.57	2.18	4.26
Trend	Indexed	100.00	96.69	10.27	20.05
<b>PVI</b>					
China RP	%	94.81	100.00	100.00	97.04
Trend	Indexed	100.00	105.47	105.47	102.35
Other countries	%	5.19	0.00	0.00	2.96
Trend	Indexed	100.00	0.00	0.00	57.03

<b>TDQ</b>					
China RP	%	4.06	52.50	57.81	81.68
Trend	Indexed	100.00	1294.33	1425.23	2013.52
Other countries	%	95.94	47.50	42.19	18.32
Trend	Indexed	100.00	49.50	43.97	19.10
<b>TMT</b>					
China RP	%	100.00	100.00	99.16	93.12
Trend	Indexed	100.00	100.00	99.16	93.12
Other countries	%	0.00	0.00	0.84	6.88
Trend	Indexed			100.00	815.37

86. The Authority concludes that

- a. Imports of each of the rubber chemical from the subject countries have increased significantly over the injury period in absolute terms;
- b. Share of subject countries in respect of each of the subject rubber chemical has increased significantly over the injury period excepting MBT and TMT.
- c. The imports which were earlier primarily from other countries which are already attracting anti-dumping duties, these imports during POI are now primarily from China. Such a situation prima facie shows that subject countries have crowded out the imports earlier found to be at dumped prices from such other countries.
- d. In their individual capacity the result of the analysis regarding imports from subject country / ies vis-à-vis total imports into India shows that:
  - i. PX 13 the increase in volume of imports is consistently high throughout the injury period to POI and market share of imports from subject countries has increased from a negligible 2.15% in 2003-04 to a huge 86.77% during POI.
  - ii. MBT though the market share in imports from China PR has remained more or less the same the quantum of jump is by 500MT compared to just by 13 MT from other sources.
  - iii. CBS the volume of imports from subject country has had a huge increase in terms of volume till 2004-05 but there is a marginal decrease in this volume in 2005-06 but again a marginal increase by around 11% during POI compared to the immediate preceding period.
  - iv. PVI though the increase in imports from subject country is near about 200% during POI compared to base year 2003-04, the market share of China in total imports which was 94.8% in 2003-04 increased to 97% in POI. During 2004-05 and 2005-06, the market share of China was 100% of the total imports..
  - v. TDQ the market share of imports from China PR has increased to 82% during POI compared to just 4% during base period 2003-04.

vi. TMT though the imports from subject country have increased many fold, the market share of imports from China PR has declined marginally by around 7%..

### G.7 Demand and Market shares

87. Demand of subject goods has been determined by the Authority by adding domestic sales of domestic industry, domestic sales of other Indian producers and imports from all countries. The imports from all countries have been revised from PF stage by including all imports reflected in IBIS data source and additionally Imports from Ludhiana port as reflected in DGCI&S data source as already explained above. The change in demand and market share also takes into account revised data on production and domestic sale of other Indian producers' viz. Lanxes and Merchem as provided by these producers and / or Central Excise Authorities subsequent to issue of Preliminary Findings. The Authority concludes that demand for the subject goods had been growing from base year to POI.

88. Share of imports for each of the subject rubber chemicals in demand/consumption in India determined by the Authority is as under-

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
<b>PX 13</b>					
Domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	93	96	68
Other Producers	Mt	0	0	***	***
Index				100	153
Sales of Indian Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	93	132	123
Total Import	Mt	3440	5655	4077	5781
Index		100	164	119	168
Total Demand	Mt	5971	8007	7424	8882
Index		100	134	124	149
<b>MBT</b>					
Domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	142	123	112
Other Producers	Mt	***	***	***	***
Index		100	243	227	237
Sales of Indian Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	177	159	155
Total Import	Mt	120	288	460	634
Index		100	240	383	528
Total Demand	Mt	601	1137	1224	1378
Index		100	189	204	229
<b>CBS</b>					
Domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	105	123	135
Other Producers	Mt	***	***	***	***
index		100	492	441	474
Sales of Indian Industry	Mt	***	***	***	***
index		100	152	162	176

Total Import	Mt	362	846	641	727
Index		100	234	177	201
Total Demand	Mt	1139	2029	1899	2098
Index		100	178	167	184
<b>PVI</b>					
Domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	122	139	138
Other Producers	Mt	0	0	0	0
Sales of Indian Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	122	139	138
Total Import	Mt	135	191	210	372
Index		100	141	156	276
Total Demand	Mt	479	609	688	846
Index		100	127	144	177
<b>TDQ</b>					
Domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	97	104	101
Other Producers	Mt	***	***	***	***
Index		100	419	345	356
Sales of Indian Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	151	145	144
Total Import	Mt	567	1398	1491	1610
Index		100	247	263	284
Total Demand	Mt	3153	5301	5239	5327
Index		100	168	166	169
<b>TMT</b>					
Domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	99	105	124
Other Producers	Mt	***	***	***	***
Index		100	109	104	117
Sales of Indian Industry	Mt	***	***	***	***
Index		100	104	105	121
Total Import	Mt	37	100	237	218
Index		100	270	641	589
Total Demand	Mt	924	1019	1166	1290
Index		100	110	126	140
<b>Market share in demand</b>					
<b>PX 13</b>					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Indian Industry	%	42.39	29.37	45.08	34.91
China RP	%	0.39	2.27	5.97	18.24
Korea RP	%	0.85	8.73	19.94	38.23
Subject Countries	%	1.24	11.00	25.90	56.47
Import from Other countries	%	56.37	59.62	29.02	8.61
<b>MBT</b>					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***



Total Indian Industry	%	80.04	74.66	62.41	53.98
China RP	%	19.62	24.64	36.53	44.93
Import from Other countries	%	0.33	0.70	1.06	1.09
<b>CBS</b>					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Indian Industry	%	68.22	58.30	66.25	65.35
China RP	%	25.02	33.12	33.02	33.17
Import from Other countries	%	6.76	8.58	0.74	1.48
<b>PVI</b>					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Indian Industry	%	71.80	68.63	69.48	56.02
China RP	%	26.73	31.37	30.52	42.68
Import from Other countries	%	1.46	0.00	0.00	1.30
<b>TDQ</b>					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Indian Industry	%	82.02	73.63	71.54	69.77
China RP	%	0.73	13.85	16.45	24.69
Import from Other countries	%	17.25	12.52	12.01	5.54
<b>TMI</b>					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
Total Indian Industry	%	96.00	90.19	79.67	83.10
China RP	%	4.00	9.81	20.16	15.74
Import from Other countries	%	0.00	0.00	0.17	1.16

89. Authority notes that the data on sales and production of PX13, MBT, CBS, and TDQ has not been furnished by Lanxes but their Excise Authorities who have provided the information for the period 2004-05 onwards. Domestic Industry has submitted that during 2003-04, Lanxes (Formerly known as Bayer India Ltd.) was not in production of PX13. This submission of the petitioner has been found correct by the Authority, because, concerned Central excise Authority has informed that Lanxes was registered only w.e.f. July 2004 as manufacturer. From the above table, the Authority concludes that:

- (i) PX-13-Demand for the product has gone up substantially from 5971MT (2003-04) to 8882 MT (POI). The market share in demand in respect of imports from subject countries which was only 1.24% during 2003-04 reached to a level of 56.47% in POI and as a result, the share of domestic industry, which was \*\*\*% during 2003-04 came down to \*\*\*% during POI. The share of Indian producers (including domestic industry) which was 42.39% in 2003-04 came down to 34.91% during POI. The market share of imports from countries other than the subject countries which was 56.37% of total demand during 2003-04 declined to 8.61% during POI.

(ii) **MBT**- Demand for the product has gone up from 601 MT during 2003-04 to 1378 (MT) in POI. The imports from China which was only 19.62% of the demand during 2003-04 went up to 44.93% during POI while the share of domestic industry got reduced from \*\*\*\*% in 2003-04 to \*\*\* % during POI. The market share of total Indian producers (including domestic industry) which was 80.04% of total demand in 2003-04 came down to 53.98 % in POI.

(iii) **CBS**- Demand for the product has gone up from 1139 MT in 2003-04 to 2098 MT during POI. The market share of the domestic industry, which was \*\*\*\*% during 2003-04, came down to \*\*\*% during POI. The share of imports from China which was 25.02% in 2003-04 went up further to 33.17% during POI. The market share of total Indian producers (including domestic industry) which was 68.22% of total demand in 2003-04 has gone down to 65.35 % in POI.

(iv) **PVI**- Demand for the product has gone up substantially from 479 MT in 2003-04 to 846 MT during POI. In spite of the growth in demand, the market share of the domestic industry which was \*\*\*\*% in 2003-04 came down to \*\*\*\*% during POI whereas imports from China went up from 26.73% to 42.68% during the period. Further, the market share of Indian producers (including domestic industry) which was 71.80% during 2003-04 came down to 56.02% of the demand during POI.

(v) **TDQ**-Demand for the product has gone up from 3153 MT during 2003-04 to 5327 MT during POI. The domestic industry market share which was \*\*\*\*% during 2003-04, came down to \*\*\*\*% during POI. The market share of Indian producers (including domestic industry) which was 82.02% during 2003-04 declined to 69.77% during POI. At the same time, the imports from China which were only at 0.73% of demand during 2003-04 went up sharply to 24.69% in POI.

(vi) **TMT**- Demand for the product has gone up from 924 MT in 2003-04 to 1290 MT during POI but the market share of domestic industry came down from \*\*\*\*% in 2003-04 to \*\*\*\*% in POI. The market share of Indian producers (including domestic industry) which was 96% during 2003-04 came down to 83.10% during POI. The share of imports from China which was only 4% in 2003-04 went up significantly to 15.74% during POI.

#### **G.8 Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry**

<b>PX 13</b>	<b>Unit</b>	<b>2003-04</b>	<b>2004-05</b>	<b>2005-06</b>	<b>POI</b>
<b>Installed Capacity</b>	Mt	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Indexed	100.00	103.64	103.64	107.27
<b>Production</b>	Mt	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Indexed	100.00	105.68	102.11	92.64
<b>Capacity Utilization (%)</b>	%	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Indexed	100.00	101.97	98.53	86.36
<b>MBT</b>					
<b>Installed Capacity</b>	Mt	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Indexed	100.00	100.00	100.00	100.00
<b>Production</b>	Mt	***	***	***	***
<b>Trend</b>	Indexed	100.00	131.04	82.05	98.88

Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	131.04	82.05	98.88
<b>CBS</b>					
Installed Capacity	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	109.09	131.82	154.55
Production	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	102.21	122.83	138.13
Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	93.70	93.18	89.38
<b>PVI</b>					
Installed Capacity	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	103.85	103.85	103.85
Production	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	103.71	110.58	102.06
Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	99.87	106.48	98.28
<b>IDO</b>					
Installed Capacity	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	107.14	107.14	120.00
Production	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	106.40	114.79	114.19
Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	99.30	107.14	95.16
<b>IMI</b>					
Installed Capacity	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	100.00	104.17	104.17
Production	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	90.47	124.32	103.37
Capacity Utilization (%)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	90.47	119.35	99.23

90. The authority concludes the following from above the table:

i. PX-13- The production during 2003-04 was \*\*\* MT which went up to \*\*\* MT during 2004-05. Thereafter, the production started declining and reached to a level of \*\*\* MT during POI. As a result, the capacity utilization which was in the range of 81% - 83% during the preceding 3 years declined to 71% during POI. The Authority notes that during POI the domestic industry nominally enhanced its capacity from \*\*\* MT to \*\*\* MT. Had there been no capacity addition during POI, the capacity utilization would have been 73% against 71%. Even then, their level of capacity utilization shows significant declining trends.

ii. MBT- during 2003-04, the production of domestic industry was \*\*\*MT which went up to \*\*\* MT at plant-capacity utilization of 84%. Thereafter production declined during 2005-06 to the level of \*\*\* MT. During POI, the production was \*\*\*MT and capacity utilisation was 63% against 84% during 2004-05 and 63% during 2003-04. Capacity utilisation which was 84% in 2004-05 has reduced to 63% in the POI in spite of installed capacity being stagnant. Even compared to the base year 2003-04, the capacity utilization during POI was lower.

iii. **CBS-** The domestic industry has been increasing the capacity for the product having regard to the increasing demand. Capacity utilization which was 91% during 2003-04 declined to 81% during the POI. However increase in installed capacity has also contributed to this decline.

iv. **PVI-** The capacity utilization which was 85-95% in the base year 2003-04, declined to 80-90% during POI after reaching 96-99% during 2005-06.

v. **TDQ-** The domestic industry has increased the capacity for the product to meet the increasing demand for the product in India. Capacity utilization which was 82% both during 2003-04 and 2004-05 went up further to 88% during 2005-06 against which during POI, the capacity utilization was only 78%.

vi. **TMT-** Both production and capacity utilization was increasing till 2005-06. The capacity utilization during 2005-06 was 90% which has sharply declined to 75% during POI.

#### **G.9 Dumped Imports in relation to Indian Production**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Imports from subject countries					
MBT	MT.	118	280	447	619
CBS	MT	285	672	627	696
PVI	MT	128	191	210	361
PX-13	MT	74	881	1,923	5016
TDQ	MT	23	734	862	1315
TMT	MT	37	100	235	203
Indian Production					
MBT	Indexed	100	153	112	120
CBS	Indexed	100	135	154	167
PVI	Indexed	100	104	111	102
PX-13	Indexed	100	106	134	126
TDQ	Indexed	100	139	149	135
TMT	Indexed	100	98	115	109
Subject imports share in Indian production					
MBT	%	15.09	23.33	51.02	66
CBS	%	26	45.53	37.17	37.93
PVI	%	10.96	15.77	16.25	30.29
PX-13	%	1.64	18.53	31.80	88.17
TDQ	%	0.37	8.5	9.30	15.70
TMT	%	3.86	10.68	21.36	19.37

91. The Authority holds that imports from subject countries in relation to Indian production have been rising throughout the injury period. Excepting TMT, the imports from subject countries went up further during POI as compared to proceeding year 2005-06.

#### **G.10 Sales volume of Domestic Industry – Domestic Market**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PX 13	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	92.91	96.30	67.61
MBT	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	141.62	123.13	111.96
CBS	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	105.39	123.38	135.44
PVI	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	121.55	139.04	137.85
TDQ	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	96.53	104.32	100.64
TMT	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	98.73	105.22	123.93

92. The authority further holds the following from the above table:

- i. PX-13-Sales in POI have declined substantially as compared to both base year and immediate preceding year.
- ii. MBT-Sales of the domestic industry have seen an increasing trend in 2004-05 and thereafter have started declining while sales during POI were marginally higher over 2003-04 but lower than the previous year 2005-06. The Authority also notes that domestic industry is left with large unutilized capacity.
- iii. CBS-Sales have increased over the year's right through the injury period to POI. The sales during POI were higher by 35% over base year though capacity addition was 55% during the corresponding period.
- iv. PVI- Sales has increased over the years and is more or less stagnant in 2005-06 and POI. The sale volumes can be treated more or less stagnant during injury period through POI.
- v. TDQ-During 2003-04, the sales were at \*\*\*MT which marginally declined during 2004-05 but went up during 2005-06 to the level of \*\*\* MT but declined to \*\*\* MT during POI despite capacity additions.
- vi. TMT- Sales have increased during the injury period thru POI.

#### **H.1 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry & factors affecting prices**

93. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.

94. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry from the subject countries have been examined by the Authority with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries by the Authority.

95. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been reduced by the Authority.

96. Price undercutting has been determined by the Authority by comparing the landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge and applicable basic customs duty to the weighted average export price reported by responding exporters and verified during spot verification by the investigating team. So far as the non-cooperating exporters from the subject countries are concerned, the landed price has been determined by the Authority, based upon the least export price of the cooperating exporters reflected in their submissions and verified by the Authority.

97. For the purpose of price underselling the landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI by the Authority.

#### H.1.1. Price undercutting and underselling effects

		POI					
	Unit	PX 13	MBT	CBS	PVI	TDQ	TMT
Net Sales Realization	Rs/kg	***	***	***	***	***	***
<b>Landed Price</b>							
Sinorgchem Company Shandong	Rs/kg	***	-	-	-	-	-
Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Rs/kg	-	***	***	***	-	***
Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd	Rs/kg	-	-	-	***	-	-
Other exporters from China PR	Rs/kg	***	***	***	***	***	***
Kumho Petrochemicals Co, Ltd Korea RP	Rs/kg	***	-	-	-	-	-
Other exporters from Korea RP	Rs/kg	***	-	-	-	-	-
<b>Price undercutting</b>							
Sinorgchem Company Shandong	Rs./kg	***	-	-	-	-	-
Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Rs./kg		***	***	***	-	***
Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd	Rs./kg	-	-	-	***	-	-
Other exporters from China PR	Rs./kg	***	***	***	***	***	***
Kumho Petrochemicals Co, Ltd Korea RP	Rs./kg	***	-	-	-	-	-
Other exporters from Korea RP	Rs./kg	***	-	-	-	-	-
<b>Price undercutting (%)</b>							
Sinorgchem Company Shandong	-	14-19	-	-	-	-	-
Shandong Shanxian	-	-	14-19	17-22	5-10	-	20-25

Chemical Co. Ltd.							
Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd		-	-	-	5-10	-	-
Other exporters from China PR		25-30	15-20	20-25	10-15	15-20	25-30
Kumho Petrochemicals Co, Ltd Korea RP		5-10	-	-	-	-	-
Other exporters from Korea RP		10-15	-	-	-	-	-
Non Injurious Price	Rs/Kg	***	***	***	***	***	***
Price Underselling							
Sinorgchem Company Shandong	Rs/Kg	***	-	-	-	-	-
Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Rs/Kg	-	***	***	***	-	***
Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd	Rs/Kg	-	-	-	***	-	-
Other exporters from China PR	Rs/Kg	***	***	***	***	***	***
Kumho Petrochemicals Co, Ltd Korea RP	Rs/Kg	***	-	-	-	-	-
Other exporters from Korea RP	Rs/Kg	***	-	-	-	-	-
Price Underselling (%)							
Sinorgchem Company Shandong	(%)	25-30	-	-	-	-	-
Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	(%)	-	18-23	18-23	10-15	-	25-30
Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd	(%)	-	-	-	10-15	-	-
Other exporters from China PR	(%)	35-40	18-23	20-25	13-18	15-20	30-35
Kumho Petrochemicals Co, Ltd Korea RP	(%)	15-20	-	-	-	-	-
Other exporters from Korea RP	(%)	17-22	-	-	-	-	-

98. From the above table, the Authority holds that the landed value of dumped imports of subject rubber chemicals have been undercutting the domestic prices significantly. Further, the landed value from the subject countries are also significantly below the non-injurious price of the domestic industry.

#### H.1.2 Price suppression and depression effects of the dumped imports:

##### 99. Movements in cost of Sales vs. selling price

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	113.34	122.71	124.97
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***

Trend	Indexed	100.00	127.53	170.08	153.50
Profit/Loss	Rs/Kg	(***)	(***)	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	(28.12)	161.73	46.33
<b>MBT</b>					
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	115.83	118.82	120.65
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	119.93	137.40	130.34
Profit/Loss	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	220.97	595.02	368.85
<b>CBS</b>					
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	112.28	117.08	114.69
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	112.80	128.17	110.38
Profit/Loss	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	115.59	187.44	87.28
<b>PVI</b>					
Cost of sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	97.27	98.86	86.75
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	83.13	78.28	72.47
Profit/Loss	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	37.89	12.44	26.80
<b>TDQ</b>					
Cost of sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	126.02	124.58	116.89
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	149.79	179.41	140.21
Profit/Loss	Rs/Kg	(***)	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	412.54	1117.73	411.43
<b>TMT</b>					
Cost of sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	100.98	100.76	105.63
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	106.59	114.69	102.45
Profit/Loss	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	167.06	264.70	68.29

100. To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices, the trend of net sales realization has been compared with the cost of production by the Authority.

101. The Authority concludes that there were upward trends in the cost of sales during the injury period excepting CBS, PVI and TDQ where the cost of sales came down during POI as compared to previous year. Increase in cost of sales has mainly been due to increase in inputs price, as the domestic industry has been able to reduce the conversion cost over the years.



102. The movement in selling price of PX-13 (6 PPD) shows that while during POI, the cost of sales went up by about 2%, on the contrary, the selling price came down by about 10%. Similarly, in respect of MBT while cost of sales went up during POI over 2005-06, the selling price registered a fall of about 5%. In the case of CBS, while cost of sales came down by about 2%, the selling price fell by about 14% during POI over 2005-06. In respect of TDQ, while cost of sales declined by about 6% during POI over 2005-06, the selling price fell significantly by about 22% during the period. In the case of TMT, while cost of sales went up during POI over 2005-06, the selling price, on the contrary, came down by about 11%.

103. The above analysis by the Authority indicates that the fall in the sales realization has been significantly higher than the decline in the cost of sales. In the case of PX-13 (6-PPD), MBT and TMT, while cost of sales went up during POI over 2005-06, the selling prices, on the contrary, registered a significant fall. The Authority therefore concludes that the price effect of the dumped imports has forced the domestic industry to keep its prices lower in order to retain its market share.

### H.1.3 Examination of other Injury Parameters

104. The Authority concludes that from the above analysis, the dumped import have adverse volume and price effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in absolute terms and market share. The price under cuttings in respect of each of the rubber chemicals i.e. subject goods has been significant. The movement in selling price has not been commensurate with the corresponding movements in cost of sales. In the case of 6PPD, MBT and TMT, while cost of sales went up during POI, the selling price fell significantly over 2005-06.

### H.1.4 Profits, return on investments and cash flow

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Profit before Tax	Rs/Lacs	(***)	(***)	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	(28.40)	178.23	36.39
PBIT	Rs/Lacs	(***)	(***)	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	(28.40)	178.23	36.39
PBDT- Cash profit	Rs/Lacs	(***)	(***)	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	(6.70)	229.84	66.84
<b>MBT</b>					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	312.93	732.67	412.98
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	213.50	495.89	279.83
PBDT-Cash profit	Rs/Lac	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	269.18	584.98	339.41
<b>CBS</b>					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	121.81	231.27	118.22
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	109.53	207.99	106.61
PBDT-Cash profit	Rs/Lac	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	120.88	222.17	122.61

<b>PVI</b>					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	46.06	17.30	36.95
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	43.19	16.85	34.76
PBDT	Rs/Lac	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	50.59	22.99	41.64
<b>TDO</b>					
Profit before tax	Rs/Lacs	(***)	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	398.21	1166.00	414.08
PBIT	Rs/Lacs	(***)	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	717.35	2091.22	745.47
PBDT-cash profit	Rs/Lac	(***)	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	962.35	2606.28	997.58
<b>TMT</b>					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	164.93	278.52	84.64
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	135.74	229.08	70.66
PBDT-Cash Profit	Rs/Lac	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	164.93	278.52	84.64

105. From the above table the Authority concludes that the profitability of the domestic industry, excepting in respect of PVI, was increasing till 2005-06 but declined sharply in the POI. In the case of PVI, there was a decline in the profitability from the base year 2003-04 itself and this trend has continued right up to POI.

#### **H.1.5. Return on Investment and ability to raise capital**

<b>PX 13</b>	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PBIT	Rs/Lacs	(***)	(***)	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	(28.40)	178.23	36.39
Net Fixed Assets (excluding revaluation)	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	79.12	81.12	64.08
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	127.59	160.61	185.26
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	100.75	116.60	118.17
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	(28.19)	152.86	30.80
<b>MBT</b>					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	213.50	495.89	279.83
Net Fixed Assets (excluding revaluation)	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	160.64	131.55	142.30
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***

Trend	Indexed	100.00	122.44	176.54	108.38
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	130.82	166.67	113.45
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	163.20	297.53	246.65
CBS					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	109.55	207.99	106.61
Net Fixed Assets (excluding revaluation)	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	107.88	159.32	140.92
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	96.14	207.45	175.77
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	99.37	194.22	168.66
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	110.25	107.09	69.21
PVI					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	43.19	16.85	34.76
Net Fixed Assets (excluding revaluation)	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	101.92	103.78	100.31
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	118.95	165.25	145.61
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	114.31	148.49	133.26
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	37.79	11.34	26.08
TDQ					
PBIT	Rs/Lacs	(***)	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	717.35	2091.22	745.47
Net Fixed Assets (excluding revaluation)	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	88.64	89.38	84.94
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	192.44	280.02	295.80
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	147.09	196.74	203.64
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100.00)	487.68	1062.93	366.09
IMI					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	135.74	223.08	70.66
Net Fixed Assets (excluding revaluation)	Rs/Lacs	0.00	0.00	0.00	0.00

Trend	Indexed	0.00	0.00	0.00	0.00
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	58.08	173.08	122.36
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	58.08	173.08	122.36
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	233.73	132.35	57.75

106. The Authority concludes that there has been decline in ROI in all the products in the POI excepting PVI. In the case of PVI, the return on capital employed improved during POI over 2005-06 but is still significantly lower than base year 2003-04.

## H.2. Productivity

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PX 13	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	140.81	107.23	100.15
MBT	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	139.52	93.93	91.85
CBS	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	124.62	129.62	108.22
PVI	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	119.40	99.00	77.96
TDQ	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	156.37	146.17	138.90
TMT	MT	0.00	0.00	0.00	0.00
Trend	Indexed	0.00	0.00	0.00	0.00

107. From the data on production per employee, the Authority concludes that the productivity, excepting CBS and TDQ declined during POI as compared to base year as well as previous year. The fall in production during POI, (excepting MBT and CBS), is the main reason for this decline in production over 2005-06. The productivity in respect of TMT has not been worked out because the domestic industry get this product manufactured on job-basis from outside.

## H.3. Employment and wages

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PX 13					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	75.05	95.23	92.51
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	109.67	124.85	122.01
MBT					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	93.93	87.36	107.65

Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	111.66	71.97	92.41
<b>CBS</b>					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	82.02	94.76	127.65
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	102.19	116.63	119.87
<b>PVI</b>					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	86.86	111.70	130.92
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	95.21	109.83	93.30
<b>TDO</b>					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	68.04	78.53	82.21
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	96.35	106.85	89.79
<b>TMT</b>					
Employment (Manpower Strength)	Nos.				
Trend	Indexed				
Wages	Rs/Lacs				
Trend	Indexed				

108. The Authority concludes that the employment level does not show significant change. For TMT, a product, which is being job, worked from out side, hence no workers.

#### HL.4. Inventories

<b>PX 13</b>	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	315.35	351.04	552.81
Average stock in terms of no.of days' sales	Nos.	5	15	15	31
<b>MBT</b>					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	139.32	159.31	104.88
Average stock in terms of no.of days' sales	Nos.	32	32	61	29
<b>CBS</b>					
Opening Stock	MT	***	***	***	***

Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	105.08	178.93	195.50
Average stock in terms of no. of days' sales	Nos.	19	19	29	25
<b>PVI</b>					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	160.55	210.37	184.14
Average stock in terms of no. of days' sales	Nos.	21	34	40	37
<b>TDQ</b>					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	175.16	363.73	457.22
Average stock in terms of no. of days' sales	Nos.	11	21	37	47
<b>TMT</b>					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	66.49	136.55	155.76
Average stock in terms of no. of days' sales	Nos.	37	25	49	47

109. The Authority concludes that there has been accumulation of inventory during the injury period and POI as under:-

- i) **PX-13** The average inventory which was only \*\*\*MT during 2003-04 started mounting up and reached to a level of \*\*\* MT. The closing stock (as on 31.3.2007) at the end of POI was \*\*\*MT. The average inventory, in terms number of days' sales, which was 5 days in 2003-04 went up significantly during 2004-05 and 2005-06 and reached to 31 days during POI.
- ii) **MBT** The average inventory during 2003-04 was \*\*\* MT which went up to \*\*\*MT and \*\*\*MT during 2004-05 and 2005-06 respectively. During POI, the average inventory was higher than the base year 2003-04.
- iii) **CBS** The average inventory which was \*\*\* MT in 2003-04 and \*\*\* MT in 2004-05 increased to \*\*\*MT in 2005-06. During POI, the inventory further went up to 99 MT. The average inventory, in terms of number of days' sales, which was 19 days in 2003-04 increased to 25 days in POI.
- iv) **PVI** The average inventory which were \*\*\* MT in 2003-04 and increased to \*\*\*MT in 2004-05 and \*\*\*MT in 2005-06. During POI, the average inventory was 123 MT. The average inventory in terms of number of days' sales, which was 21 days, increased to 37 days in POI.
- v) **TDQ** The average inventory which was \*\*\* MT in 2003-04 increased to \*\*\* MT in 2004-05 and \*\*\* MT in 2005-06. The average inventory in POI further went up to the level of \*\*\* MT. The average inventory, in terms of number of days sales,

which was 11 days in 2003-04 increased steadily and reached to a level of 47 days in POI.

vi) **TMT** The average inventory during 2003-04 was \*\*\* MT which went up to \*\*\* MT in 2005-06 and \*\*\* MT in POI. In terms of number of days' sale, the average inventory went up from 37 days (2003-04) to 47 days (POI).

#### **H.5. Growth**

110. The Authority concludes that growth in demand shows positive trend from base year to POI on year to year basis. Growth on account of Production, sales, selling price and market share were negative in the POI.

#### **H.6. Investment**

111. The Authority holds that the company has made fresh investments, considering that the demand for rubber chemicals is increasing significantly, with the significant increase in vehicles production in the Country. While the dumping has so far not impacted the ability of the company to raise capital in the short run, it is quite possible that persistent dumping would have significant adverse impact.

#### **H.7. Magnitude of Dumping**

112. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries, for the POI, are significant.

#### **H.8. Conclusion on injury**

113. On the injury from the Authority holds that as under:

**I. PX-13** – Imports of PX13 during POI increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to total imports into India, production and consumption in India. With regard to price effect, it is noted that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and selling price of the domestic industry declined significantly during POI. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the product was earlier facing dumping from Europe and Taiwan and interim anti dumping duties were imposed on 7<sup>th</sup> July, 2005. Performance of the domestic industry first improved and thereafter deteriorated in POI in terms of production, capacity utilization, selling price, profits, cash profit and return on investments. Domestic sales & market share declined and inventories increased throughout the injury period. Imports were suppressing domestic prices. The Authority notes that improvements in some parameters between 2003-04 and 2005-06 was on account of recovery from past dumping from other sources, while deterioration in 2005-06 and 2006-07 were due to dumping from subject countries.

**II. PVI** – Imports of PVI increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to production and consumption in India. With regard to price effect, it is found that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and selling price of the domestic industry declined significantly over the injury period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that performance of the

domestic industry deteriorated in terms of production, capacity utilization, market share, inventories, selling price, profits, cash profit and return on investments. Even though domestic sales increased up to 2005-06, the same declined in investigation period even when demand increased and the domestic industry had enhanced capacity in 2004-05. Imports were depressing the domestic prices throughout the injury period.

iii. **TDQ** – Imports of TDQ increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to imports in India and & production/consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. Resultantly, selling price of the domestic industry, which increased upto 2005-06, declined significantly thereafter in investigation period. Resultantly, profits, cash profits and return on investment declined in the investigation period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the product was earlier facing dumping from EU and Taiwan, wherein investigations were initiated and anti dumping duties were imposed on 7<sup>th</sup> July, 2005. Performance of the domestic industry improved in terms of production, capacity utilization, domestic sales, selling prices, profit/loss, cash profits, return on investments between 2003-04 and 2005-06 as a result of imposition of anti dumping duties on EU and Taiwan. However, the performance in respect of all these factors deteriorated once again in the investigation period with dumping from China. Inventories with the domestic industry increased throughout the period. The domestic industry added capacities in line with increase in demand. However, capacity utilization declined significantly in the investigation period after improving upto 2005-06. The Authority notes that improvements in a number of parameters between 2003-04 and 2005-06 was on account of recovery from past dumping from other sources, while deterioration in investigation period were due to dumping from China.

iv. **TMT** – Imports of TMT increased significantly in absolute terms and in relation to production/ consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the price of the domestic industry in the market. As a result, selling price of the domestic industry increased upto 2005-06, but declined in investigation period. Further, while cost of sales increased, selling prices declined. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, performance of the domestic industry improved in terms of production, capacity utilization, sales volumes, profits, and return on investments and cash profits up to 2005-06, whereas inventories increased and market share declined. The domestic industry was forced to reduce prices significantly in the investigation period and consequently, profits, return on investments and cash profits declined.

v. **CBS** – Imports of CBS increased significantly in absolute terms and in relation to production/consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the price of the domestic industry in the market, selling price of the domestic industry increased from 2003-04 to 2005-06 and declined significantly during the investigation period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the performance of the domestic industry improved in terms of production, sales volume, profitability, PBIT, cash profit upto 2005-06 but deteriorated during POI (excepting production and sales volume. The capacity utilization during POI declined mainly due to enhanced capacity through production volume increased.

vi. **MBT** – Imports of MBT increased significantly in absolute terms and in relation to production/consumption in India. With regard to price effect, imports were



significantly undercutting the price of the domestic industry in the market. Selling price of the domestic industry increased up to 2005-06 and declined significantly during the investigation period, whereas cost of production increased throughout the injury period. The imports were thus suppressing as also depressing the prices of the domestic industry in the market. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, sales of the domestic industry improved upto 2004-05 and declined thereafter. Production and capacity utilization increased significantly in 2004-05 but declined in 2005-06 and thereafter increased again in investigation period, even though the levels were lower than 2003-04 and 2004-05. Whereas cost of sales increased throughout the injury period, the selling price increased upto 2005-06 and declined in investigation period. Resultantly, profits, cash profits and return on investments improved upto 2005-06 and declined in investigation period.

114. On the basis of above analysis, the Authority holds that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, sales volumes, capacity utilization, market share, factors effecting prices, profits, return on investment, cash profits, thus collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury.

### **H.9 Growth**

115. The Authority holds that Growth of the domestic industry was positive in respect of each of the subject rubber chemical up to 2005-06. However, growth became negative in respect of each of the subject rubber chemicals during the proposed investigation period. Negative growth has been seen in respect of most of the parameters.

### **J. Causal Link**

i. PX-13 - Imports of PX-13 were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry declined on the other hand. Consequently, domestic sales, market share, profit/loss, cash profits, return on investment, which were improving till 2005-06, declined once again significantly in the investigation period and inventories with the domestic industry increased. Authority notes that improvements in some parameters between 2003-04 and 2005-06 was on account of recovery from past dumping from other sources, while deterioration in 2005-06 and 2006-07 were due to dumping from subject countries.

ii. PVI - Imports of PVI were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry declined on the other hand. Consequently, performance of the domestic industry with regard to production, capacity utilization, inventories, market share, profit/loss, cash profits, return on investment deteriorated over injury period. Significant price undercutting throughout the period has resulted in significant price depression in the market. Resultantly, whereas domestic sales were increasing till 2005-06, the same declined in the investigation period.

iii. TDQ - Imports of TDQ were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased significantly on one hand, selling prices of the domestic industry, which were increasing till 2005-06 after imposition of anti dumping duty on other countries declined significantly in investigation period. Consequently, performance of the

domestic industry, which was improving till 2005-06 with imposition of anti dumping duties on other sources, deteriorated once again in terms of production, domestic sales, capacity utilization, inventories, market share, profit/loss, cash profits, return on investment deteriorated during investigation period and inventories with the domestic industry increased. Significant price undercutting throughout the period has resulted in significant deterioration in profits, return on investment and cash profits.

iv. **TMT** - Imports of TMT were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry, which were increasing till 2005-06, declined in the investigation period. Consequently, performance of the domestic industry with regard to production, capacity utilization, inventories, market share, profit/loss, cash profits, return on investment deteriorated over injury period.

v. **MBT** - Imports of MBT were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry, which were increasing till 2005-06, declined in the investigation period even when cost of production increased throughout the injury period. Consequently, performance of the domestic industry with regard to production, capacity utilization, inventories, market share, profit/loss, cash profits, return on investment deteriorated. As a result of significant price undercutting, profits, cash profits and return on investments continued to decline in POI.

vi. **CBS** - Imports of CBS were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry, which increased between 2004-05 and 2005-06, declined in the investigation period. Consequently, performance of the domestic industry, which was improving till 2005-06, declined significantly in the investigation period with regard to profit/loss, cash profits, and return on investment.

116. The Authority would conclude on causal link on receipt of comments to the disclosure statement.

#### **K. Examination of Other Known Factors**

##### **K.1 Volume and prices of imports from other sources**

117. The Authority holds that the volume and value of imports from other countries are either de-minimus or the prices are significantly higher. In fact, in all the subject rubber chemicals, share of other countries (in imports in India) declined significantly in respect of PX-13 (6-PPD), MBT and TDQ and that of subject countries increased significantly. The claim of the petitioner that imports from other countries are not causing injury to the domestic industry is upheld by the Authority.

##### **K.2 Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

118. The Authority holds that demand for the subject rubber chemicals is on the increase. Possible decline in the demand has, therefore, not contributed to any injury to the domestic

industry. At the same time, in spite of rising demand in the market, sales of the domestic industry either in absolute term or relative to consumption has declined.

### **K.3 Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

119. The Authority holds that material injury has been caused to domestic industry from dumped imports. The petitioner is producing the subject rubber chemicals for the past several years. The technology adopted by domestic industry is comparable to the technology adopted by other player's world-over. There is no significant difference in the manufacturing process. In fact, minor developments in processes apart, technology for production of various rubber chemicals, including subject rubber chemicals, are fairly matured, established and standardized, with little technological innovations and developments.

120. The Authority holds that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

### **K.4 Development of technology**

121. The technology as also production process for producing various rubber chemicals is fairly stabilized with little technical or technological developments. There is hardly any technological advancement.

### **K.5 Export performance**

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	103.92	119.56	101.28
<b>MBT</b>					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	137.21	28.01	128.56
<b>CBS</b>					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	97.73	97.78	166.21
<b>PVI</b>					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	90.68	160.53	93.24
<b>TDO</b>					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	91.65	109.03	108.93
<b>TMT</b>					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	116.47	91.21	125.83

122. The petitioner has segregated injury caused due to adverse export performance and injury caused in the domestic market due to dumping in Indian market. Thus, the Authority concludes that the injury being claimed is the injury being caused due to performance in the domestic market alone.

**K.6. Performance of other products of the Domestic Industry**

123. Performance of other Rubber Chemicals being produced and sold by the Company has also deteriorated, reasons for which are dumping of those products. Petitioner is facing dumping in respect of some other Rubber Chemicals also. However, different rubber chemicals are not like articles. Further, Annexure II to the Rules provides that when separate information in respect of like product can be provided separately, the same should be considered as the relevant information. It is only when separate information in respect of product under consideration and other products cannot be combined that the Rules authorize inclusion of other products also in the injury analysis. Following the legal provision, the authority has not included injury caused in other products in the injury information being provided in respect of the products for which the present petition is being filed.

124. No other factor which could have possibly caused injury to the domestic industry has been brought to the knowledge of Authority.

**L. Conclusion On Causation**

125. On the basis of the above examination the Authority concludes that the subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, Non Injurious Price of the domestic industry and the net sales realization of the subject goods of the applicants, and have caused injury to the domestic industry indicating causal links between dumping of subject goods and injury to the domestic industry. Significant increase in the volume of dumped imports has resulted in significant decline in the market share of domestic industry. It is further seen that decline in market share of domestic industry as a consequence of increase in market share of subject imports from the subject country prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate to growth in demand. As a result, sales of domestic industry during POI did not increase to such an extent that domestic industry could have optimally utilized its capacity. Consequently, production, sales and capacity utilization of the domestic industry suffered as a result of the decline in the market share of the domestic industry. Significant price undercutting caused by dumped imports prevented the domestic industry from increasing its prices. Resultantly, profit, cash flow and return on investment of the domestic industry deteriorated in the POI. Significant price-undercutting and substantial increase in the volume of dumped imports adversely affected the performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, and return on investment, these parameters deteriorated in POI after improving till 2005-06.

126. The Authority, therefore, concludes that the dumped imports originating in the subject country have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and article 3.5 of Agreement of Anti-dumping.

**M. FINAL FINDINGS:**

127. Having regard to the issues raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties including those made as comments to the disclosure statement or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. Imports originating in the subject country are taking place at dumped prices and the same have caused material injury to the domestic industry

- ii. Subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, Non Injurious Price of the domestic industry and the net sales realization of the subject goods of the applicants, and have caused injury to the domestic industry
- iii. Decline in market share of domestic industry as a consequence of increase in market share of subject imports from the subject country prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate to growth in demand
- iv. Significant price-undercutting and substantial increase in the volume of dumped imports adversely affected the performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, and return on investment.
- v. Significant increase in volume of dumped imports from the subject country (both in absolute terms as well as in relation to the share in demand) has resulted in significant decline in market share of the domestic industry

128. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury is recommended, denominated in Indian Rupees, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

### N. Duty Table

S.N.	Sub. Heading	Description	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	2902, 2907, 2909, 2917, 2921, 2925, 2930, 2933, 2934, 2935, 2942, 3811, 3812 OR 3815	Rubber chemical PX-13	SL1 Table below	China	China	Simorgham Co. Shandong	Simorgham Co. Shandong	42.70	Per kg	INR
2	- do -	do	do	China	Any	Any other than above	Any other than above	60.59	Per kg	INR
3	- do -	do	do	Any other than Korea	China	Any other than above	Any other than above	60.59	Per kg	INR
4	- do -	do	do	Korea	Korea	Kumho Petrochemicals Co Ltd.	Kumho Petrochemicals Co Ltd.	10.35	Per kg	INR
5	- do -	do	do	Korea	Any	Any other than above	Any other than above	11.31	Per kg	INR

6	- do -	do	do	Any other than China	Korea	Any other than above	Any other than above	11.31	Per kg	INR
7	- do -	Rubber chemical MBT	Sl.2 Table below	of China	China	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	24.96	Per kg	INR
8	- do -	do	do	China	Any	Any other than above	Any other than above	26.06	Per kg	INR
9	- do -	do	do	Any	China	Any other than above	Any other than above	26.06	Per kg	INR
10	- do -	Rubber chemical IDQ	Sl.3 Table below	of China	Any	Any	Any	18.22	Per kg	INR
11	- do -	do	do	Any	China	Any	Any	18.22	Per kg	INR
12	- do -	Rubber chemical TMT	Sl.4 Table below	of China	China	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	24.13	Per kg	INR
13	- do -	do	do	China	Any	Any other than above	Any other than above	28.86	Per kg	INR
14	- do -	do	do	Any	China	Any other than above	Any other than above	28.86	Per kg	INR
15	- do -	Rubber chemical CBS	Sl.5 Table below	of China	China	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	36.21	Per kg	INR
16	- do -	- do -	do	China	Any	Any other than above	Any other than above	40.10	Per kg	INR
17	- do -	- do -	do	Any	China	Any other than above	Any other than above	40.10	Per kg	INR
18	- do -	Rubber chemical PVI	Sl.6 Table below	of China	China	Any	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	13.05	Per kg	INR
19	- do -	- do -	do	China	China	Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd.	Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd.	20.91	Per kg	INR
20	- do -	- do -	do	China	Any	Any other than above	Any other than above	27.91	Per kg	INR
21	- do -	- do -	do	Any	China	Any	Any	27.91	Per kg	INR

**Regarding specifications as Col. 4 above) following table shall be applicable**

	Generic name	Classification	Other trade name/brand names
1	6PPD	3810, 3812, 2921, 9801	N-(1, 3-dimethyl butyl)-N Phenyl - p -phenylenediamine, or 6C, or Pittex 13, Strantox 4020, Antioxidant 4020, Kumhonex 13, Vulcanox 4020
2	MBT	2934, 2942, 3812	2-Mercapto Benzothiazole, or Accelerator M, Accelerator MBT
3	TMQ	2921, 2933, 2934, 3812, 9801	Polymerized 2,2, 4-Trimethyl-1,2-dihydroquinoline, or TDQ or Antioxidant RD
4	TMT	2930, 2942, 3812	Tetramethythiuram Disulfide, or Accelerator TMTD, Thiuram C
5	CBS	2934, 3812	N-cyclohexyl-2-benzothiazole sulphenamide, or Accelerator CZ, Accelerator HBS, CBS
6	PVI	2921, 2925, 2935, 3812	N-(Cyclohexylthio)phthalimide, or Anti Scorch Agent CTP, PVI

129. Subject to above, the Authority confirms the provisional findings Notification No. 14/5/2007-DGAD dated 28<sup>th</sup> February, 2008 and corrigendum notification dated 27<sup>th</sup> March 2008, and recommends imposition of the anti-dumping duty as in Para 128 above and the duty table as above from the date of imposition of provisional anti-dumping duty."

130. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority